RNI NO.: 54818-92 REG. NO-MH/MR/North East/317/2014-16

मुंबई, पुणे और नाशिक से एक साथ प्रकाशित

हमारा महानगर

रक्षाबंधन की हार्दिक शुभकामनाएं

https://www.hamaramahanagar.net | वर्ष 34 ■ अंक 14 ■ मुंबई, शनिवार 9 अगस्त 2025 ■ पेज 10 ■ मूल्य : ₹ 5.00 | संरक्षक : आरएन सिंह

'बांग्लादेशी घुसपैठियों' को पुनः बसाएगी कांग्रेस

पेज-4

सीएम योगी ने देश की जनता से स्वदेशी अपनाने का किया आह्वान

पेज-6

भाई-बहन को स्नेह की डोर में बांधता है रक्षाबंधन त्योहार

पेज-8

मैग्नस कार्लसन बने पहले शतरंज ई-स्पोर्ट्स विश्व कप 2025 चैंपियन

पेज-9

Short News एक नजर

बांके बिहारी ट्रस्ट पर अस्थाई रोक

मथुरा। सुप्रीम कोर्ट ने बांके बिहारी ट्रस्ट पर अस्थायी रोक लगा दी। शुक्रवार को कोर्ट ने कहा कि बांके बिहारी मंदिर न्यास अध्यादेश, 2025 के तहत समिति के संचालन को सस्पेंड किया जा रहा है। कोर्ट ने अध्यादेश की संवैधानिक वैधता को चुनौती देने वाली याचिका को हाईकोर्ट ट्रांसफर किया है।

इंडियन आर्मी को मिलेंगे हल्के हेलिकॉप्टर

नई दिल्ली। इंडियन आर्मी और एयरफोर्स अपने पुराने चेतक और चीता हेलिकॉप्टरों को हटाकर करीब

200 नए हल्के हेलिकॉप्टर खरीदने की तैयारी कर रही है। इसके लिए रक्षा मंत्रालय ने रिक्वेस्ट फॉर इन्फॉर्मेशन (RFI) जारी किया है। इन नए हेलिकॉप्टरों को रिकॉनेसेन्स और सर्विलांस हेलिकॉप्टर (RSH) के तौर पर बांटा गया है।

केंद्र सरकार ने लोकसभा से वापस लिया आयकर विधेयक

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने लोकसभा से आयकर विधेयक 2025 को वापस ले लिया है। विधेयक की जांच के लिए बनी प्रवर समिति की रिपोर्ट के बाद यह फैसला लिया गया। इस विधेयक को फरवरी में लोकसभा में पेश किया गया था। बताया जा रहा है कि नया विधेयक 11 अगस्त को लोकसभा में पेश किया जाएगा।

'भारत के बाहर पैदा हुए शख्स को वोट देने का अधिकार नहीं'

महानगर नेटवर्क

सीतामढ़ी

बिहार विधानसभा चुनाव से पहले माता जानकी मंदिर के भूमि पूजन व शिलान्यास कार्यक्रम में पहुंचे गृह मंत्री अमित शाह ने अपने संबोधन में आध्यात्मिक, विकासवादी व राजनीतिक संदेश दिए। उन्होंने एसआइआर से लेकर राजद व कांग्रेस की ओर से उठाए जा रहे सवालों के जवाब दिए।

>> प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी बिहार का लगातार दौरा कर रहे हैं। मैं भी संगठन की मीटिंग कर रहा हूं। मुझे साफ दिख रहा है कि आगामी विधानसभा चुनाव में बिहार में पूर्ण बहुमत के साथ एनडीए की सरकार बनने वाली है।

>> लोकसभा के नेता प्रतिपक्ष और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी पर निशाना साधते हुए कहा कि वे संविधान लेकर घूम रहे हैं और एसआइआर का विरोध कर रहे हैं। यह बिहार के युवाओं को उनके हक से वंचित करने जैसा है।

>> गृह मंत्री ने कहा कि बिहार विधानसभा चुनाव से पहले घुसपैठियों को निकालना चाहिए। एसआइआर यानी विशेष गहन पुनरीक्षण इसी दिशा में कदम है। जिसका भारत में जन्म नहीं हुआ उसे यहां वोट देने का अधिकार नहीं है।

>> लालू से पूछता हूं वे किसे बचाना चाहते हैं? कांग्रेस किसे बचाना चाहती है? वे घुसपैठिये बांग्लादेशियों को बचाना चाहते हैं। जो आपका रोजगार खा जाते हैं। वोट बैंक की राजनीति बंद कीजिए। मतदाता सूची का पुनरीक्षण कोई पहली बार नहीं हो रहा है।

>> भारत की सुरक्षा के लिए पीएम मोदी कटिबद्ध हैं। कांग्रेस की सरकार में आतंकी हमले होते थे। उसके बाद आतंकी भाग जाते थे।

ट्रंप के टैरिफ वॉर के बीच

पुतिन-मोदी में 'बड़ी बात'

महानगर नेटवर्क

नई दिल्ली

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनॉल्ड ट्रंप के टैरिफ टेरर के बीच रूस के राष्ट्रपति पुतिन और भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी में फोन पर हुई बातचीत के चर्चे तेज हो गये हैं। इस बातचीत पर छिड़ी चर्चा का कारण है कि ट्रंप और पुतिन अगले हफ्ते UAE में रूस और यूक्रेन के मध्य छिड़े युद्ध को समाप्त करने की दिशा में बातचीत करने वाले हैं।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के साथ टेलीफोन पर बातचीत की। राष्ट्रपति पुतिन ने प्रधानमंत्री को यूक्रेन से संबंधित हाल के घटनाक्रमों से अवगत कराया। पीएम मोदी ने राष्ट्रपति पुतिन को यूक्रेन संघर्ष के शांतिपूर्ण समाधान के लिए भारत के दृढ़ रुख को दोहराया। दोनों नेताओं ने द्विपक्षीय एजेंडे में प्रगति की भी समीक्षा की। भारत और रूस के

बीच विशेष एवं विशेषाधिकार प्राप्त रणनीतिक साझेदारी को और प्रगाढ़ बनाने की अपनी प्रतिबद्धता की

> 'आज तक ऐसा कोई नहीं आया है जो भारत को झुका सके। असंभव है। कोई लाख कोशिश कर ले, भारत को कोई नहीं झुका सकता। भारत की अर्थव्यवस्था सालाना 6.5 प्रतिशत की दर से बढ़ रही है और आने वाले समय में यह गति और तेज होगी।'
>
> – पीयूष गोयल

पुष्टि की। दोनों नेताओं के बीच यह बातचीत ऐसे समय में हुई जब अमेरिका ने रूस से तेल खरीदने को लेकर भारत पर 25 फीसदी अतिरिक्त टैरिफ लगाने की घोषणा की है। ऐसे में दोनों नेताओं की बीच हुई यह बातचीत काफी अहम मानी जा रही है।

पुतिन को भारत आने का निमंत्रण प्रधानमंत्री मोदी ने राष्ट्रपति पुतिन को इस वर्ष के अंत में 23वें भारत-रूस वार्षिक शिखर सम्मेलन के लिए भारत आने का निमंत्रण दिया। इससे पहले राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल ने पुतिन के भारत यात्रा की पुष्टि की थी। हालांकि, पुतिन की भारत यात्रा की फाइनल तारीख की घोषणा नहीं हुई थी। पुतिन की यह यात्रा अमेरिका-भारत के बीच चल रहे ट्रेड वॉर के बीच होगी। पुतिन और मोदी के बीच हुई बातचीत के अलावा पुतिन और चीन के राष्ट्रपित शी जिनिपंग के बीच भी बातचीत हुई है। पुतिन-मोदी और शी जिनिपंग के त्रिकोण ने ट्रंप को जरूर चौकाया होगा। अब देखना मजेदार होगा कि पुतिन और ट्रंप की मुलाकात के दौरान क्या निष्कर्ष निकलता है।

उज्ज्वला योजना के लाभार्थियों को सब्सिडी मिलनी जारी रहेगी

महानगर नेटवर्क

नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में शुक्रवार को कैबिनेट की बैठक हुई। केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बताया, कैबिनेट की बैठक में 5 अहम फैसले लिए गए हैं। इसके लिए कुल 52,667 करोड़ के फंड्स/प्रोजेक्ट्स को मंजूरी दी गई है। वैष्णव ने बताया कि प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना के लाभार्थियों को 2025-26 में भी सब्सिडी दी जाएगी, जिसके लिए 12,060 करोड़ मंजूर किए गए हैं। उन्होंने कहा कि पीएम उज्ज्वला योजना को समावेशी विकास (सबके लिए विकास) के लिए वैश्विक स्तर पर सराहना मिली है। इसका मकसद लोगों की जिंदगी में बदलाव लाना है। रेल मंत्री में बताया कि मीटिंग में तय हुआ है कि घरेलू एलपीजी पर घाटे की भरपाई के लिए सार्वजनिक क्षेत्र की तेल कंपनियों को 30,000 करोड़ का मुआवजा दिया जाएगा। वहीं, तकनीकी शिक्षा में सुधार के लिए MERITE योजना को 4,200 करोड़ की मदद दी जाएगी।

असम और त्रिपुरा के लिए विशेष विकास पैकेज की मौजूदा योजना के तहत 4 नए प्रोजेक्ट को मंजूरी मिली है, जिन पर कुल 4,250 करोड़ खर्च होंगे। वहीं, तमिलनाडु में मरकानम-पांडिचेरी के बीच 46 किमी लंबा चार लेन हाईवे बनाया जाएगा, जिस पर 2,157 करोड़ की लागत आएगी।

'राहुल गांधी का दावा पुरानी बोतल में नई शराब जैसा'

नई दिल्ली। चुनाव आयोग ने राहुल गांधी के वोट चोरी के दावे पर पलटवार किया है। चुनाव आयोग ने कहा है कि राहुल गांधी ने घिसी-पिटी बातें दोहराई हैं। इतना ही नहीं, आयोग ने यह भी कहा कि राहुल गांधी का यह दावा पुरानी बोतल में नई शराब जैसा है। चुनाव आयोग ने कहा कि साल 2018 में तत्कालीन मध्य प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष कमलनाथ ने भी ऐसा ही कुछ कहा था। अब राहुल भी वही राग अलाप रहे हैं।

साल 2018 में क्या हुआ था : आयोग के मुताबिक 2018 में उन्होंने एक निजी वेबसाइट से दस्तावेज प्रस्तुत करके सुप्रीम कोर्ट को गुमराह करने की कोशिश की ताकि यह दिखा सकें कि मतदाता सूची में गलतियां हैं। इसमें दावा किया गया था कि 36 वोटर्स के चेहरे मिल रहे हैं। जबकि सच्चाई यह थी कि गलतियों को चार महीने पहले ही ठीक कर लिया गया था। इसके बाद इसकी कॉपी पार्टी को भी भेज दी गई थी।

अब नहीं चल रहा पुराना दांव : आयोग ने आगे बताया कि उस वक्त आधार बनाया गया कि मतदाता सूची को पीडीएफ फॉर्मेट में मांगा जाए। लेकिन अदालत ने कमल नाथ की इस बात को स्वीकार नहीं किया। शेष पेज 7 पर

'भारत-अमेरिका के बीच विमान और हथियार खरीद पर बातचीत नहीं हुई बंद'

रक्षा मंत्रालय ने किया खबरों का खंडन

नई दिल्ली। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप की ओर से लगाए गए टैरिफ के बाद भारत के अमेरिका से हथियारों और विमान की खरीद पर रोक लगाए जाने की खबरों का रक्षा मंत्रालय ने खंडन किया है। रक्षा मंत्रालय ने कहा कि खबरें झूठी और मनगढ़ंत हैं। कुछ मीडिया रिपोर्ट में दावा किया गया था कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के 50 फीसदी टैरिफ के बाद भारत ने अमेरिका से खरीदे जाने वाले नए हथियारों और विमानों की खरीद पर रोक लगा दी है। इस खबर का रक्षा मंत्रालय ने खंडन किया। रक्षा मंत्रालय के अधिकारी ने कहा है कि भारत द्वारा अमेरिका के साथ रक्षा खरीद संबंधी बातचीत रोकने की खबरें झूठी और मनगढ़ंत हैं। यह स्पष्ट किया जाता है कि खरीद के विभिन्न मामलों में मौजूदा प्रक्रियाओं के अनुसार प्रगति हो रही है।

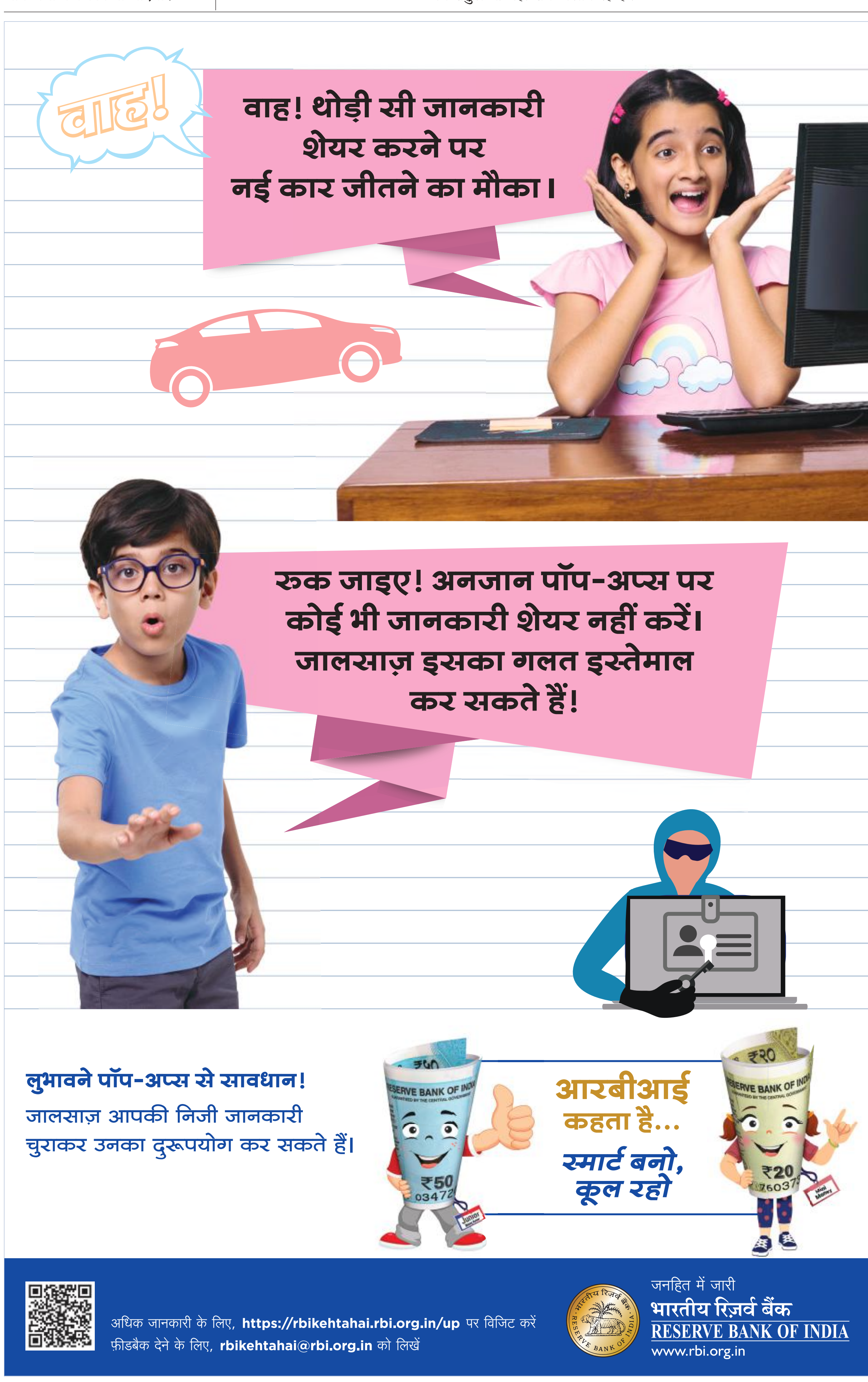

महिलाओं ने मुख्यमंत्री फडणवीस और उपमुख्यमंत्री को राखी बांधी

पुणे। कानून-व्यवस्था की बढ़ती चुनौतियों और बदलते हालात को देखते हुए 60 वर्षों बाद पुलिस बल का नया ढांचा तैयार किया गया है। पुलिस थानों का पुनर्गठन, नारकोटिक्स व फॉरेंसिक यूनिट की स्थापना और आधुनिक तकनीकी सुविधाओं से पुलिस को लैस किया जा रहा है। इसी क्रम में मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने घोषणा की कि पुणे शहर में लोहगांव,लक्ष्मीनगर, नरहे, मांजरी और येवलेवाड़ी में पांच नए पुलिस स्टेशन खोले जाएंगे। इसके लिए 1,000 नए पदों की भी मंजूरी दी जाएगी। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने आईटीएमएस की औपचारिक घोषणा की और सीसीटीवी की मदद से किडनैपिंग केस में 2 वर्षीय

बच्ची को सुरक्षित बचाने वाले पुलिस कर्मियों को सम्मानित किया गया। मौके पर मौजूद महिलाओं ने मुख्यमंत्री और उपमुख्यमंत्री को राखी भी बांधी। शिवाजीनगर स्थित पुलिस मुख्यालय में आयोजित कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने 'दृष्टि' इंटीग्रेटेड कमांड एंड कंट्रोल सेंटर, चंदननगर पुलिस स्टेशन की नई इमारत का लोकार्पण किया, साथ ही लोणीकालभोर, नांदेड सिटी, खराड़ी और कोंढवा पुलिस स्टेशन के भवनों का भूमिपूजन किया। इस मौके पर उपमुख्यमंत्री अजित पवार, मंत्री चंद्रकांत पाटिल, विधानसभा उपाध्यक्ष अण्णा बनसोडे, डीजीपी रश्मि शुक्ला और पुलिस आयुक्त अमितेश कुमार मौजूद रहे।

सीसीटीवी सुरक्षा कवच स्थापित किया जाएगा

22 पहाड़ियों और घाट क्षेत्रों में भी सीसीटीवी सुरक्षा कवच स्थापित किया जाएगा। इसके अलावा, ट्रैफिक प्रबंधन के लिए सैटेलाइट आधारित इंटीग्रेटेड ट्रैफिक मैनेजमेंट सिस्टम (ITMS) लागू किया जाएगा, जिससे ट्रैफिक सिग्नल और यातायात प्रवाह को रियल-टाइम में नियंत्रित किया जा सकेगा। उपमुख्यमंत्री अजित पवार ने कहा कि पुणे-पिंपरी चिंचवड़ के तेजी से विस्तार को देखते हुए पुलिस बल पर कानून-व्यवस्था बनाए रखने की जिम्मेदारी बढ़ गई है। इसके लिए, जिला वार्षिक योजना में 1,100 करोड़ रुपये पुलिस विभाग के लिए आरक्षित किए गए हैं। पुलिस आयुक्त अमितेश कुमार ने बताया कि पिछले तीन वर्षों में पुणे पुलिस के सशक्तिकरण के लिए 1,000 करोड़ रुपये की परियोजनाओं को मंजूरी दी गई है। इसमें 7 नए थाने, 816 नए पद, 2,800 सीसीटीवी कैमरे, 150 नई गाड़ियां और पुलिस आयुक्तालय के नए भवन के लिए 200 करोड़ रुपये शामिल हैं।

रक्षाबंधन पर राजनीतिक रंग

राखियों पर नरेंद्र मोदी, कमल, श्री राम और भारतीय सैनिकों की तस्वीरें

मुंबई। भाई-बहन के प्रेम का त्योहार रक्षाबंधन इस साल राजनीतिक रंग में रंग गया है और पारंपरिक मोतियों वाली राखियों के साथ-साथ राजनीतिक नेताओं की तस्वीरों वाली राखियां भी बाजार में बिक्री के लिए उपलब्ध हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, भाजपा के कमल चिह्न, श्री राम, भारतीय सैनिकों और छत्रपति शिवाजी महाराज की राजमुद्रा वाली राखियां ग्राहकों को खूब पसंद आ रही हैं। माथे पर रुद्राक्ष की माला पहने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की तस्वीर और उसके नीचे जय श्री राम लिखे राखियां खास ध्यान आकर्षित कर रही हैं। भाई-बहन के प्रेम का प्रतीक रक्षाबंधन त्योहार पिछले कुछ सालों से धार्मिक और राजनीतिक रंग में रंगा हुआ है। इस साल रक्षाबंधन के मौके पर बाजार में हीरे, मोतियों और मोतियों से बनी रंग-बिरंगी राखियां उपलब्ध हैं। बाजार में 10 रुपए से लेकर 200 रुपए तक की विभिन्न प्रकार की राखियां उपलब्ध हैं। पारंपरिक मनके

और मोती वाली राखियां, पर्यावरण के अनुकूल, आधुनिक, गोंद, जरी और रेशमी धागे वाली राखियां भी खूब बिक रही हैं। साथ ही, देशभक्ति, धार्मिक और राजनीतिक थीम वाली राखियां भी सबका ध्यान अपनी ओर खींच रही हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अपार लोकप्रियता को देखते हुए, उनकी तस्वीर वाली राखियां भी बाजार में बिक्री के लिए आ गई हैं। दुकानदारों का कहना है कि ये राखियां बाजार में 10 से 15 रुपए में उपलब्ध हैं और बड़ी मात्रा में बिक रही हैं। सैनिकों की तस्वीर वाली राखियों की डिमांड दादर में एक राखी विक्रेता ने बताया कि कई लोग बड़ी मात्रा में ये राखियां ले जा रहे हैं। इसके अलावा, भाजपा पार्टी के प्रतीक कमल की तस्वीर वाली राखियां भी विभिन्न रूपों में उपलब्ध हैं।

भक्ति से सराबोर राखियां

श्री राम, राम-सीता, ॐ की तस्वीर वाली राखियां भी बाजार में 15 से 20 रुपए में बिक्री के लिए उपलब्ध हैं। इसके अलावा, महाकाल, गणपति, महादेव, कृष्ण की राखियों को भी ग्राहकों का अच्छा प्रतिसाद मिल रहा है। छत्रपति शिवाजी महाराज और उनकी राजमुद्रा वाली राखियों को भी खूब प्रतिक्रिया मिल रही है और ये राखियां बाजार में 50 से 100 रुपए में बिक्री के लिए उपलब्ध हैं।

रेशम के धागे में बुनी गई इन राखियों की काफी माँग है। इस बीच, पहलगाम हमले के बाद पूरे देश में आतंकवाद के खिलाफ गुस्से की लहर दौड़ गई। उस हमले के जवाब में भारत ने 'ऑपरेशन सिंदूर' चलाया। इसी पृष्ठभूमि में, भारतीय सैनिकों की तस्वीर वाली राखियों को भी अच्छी प्रतिक्रिया मिल रही है।

छाया- राहुल सर्पे

नारियल पूर्णिमा जो समुद्र देवता वरुण को समर्पित त्योहार है। परंपरागत रूप से मछुआरे समुद्र में नारियल चढ़ाते हैं, सुरक्षित यात्रा के लिए प्रार्थना करते हैं। शुक्रवार को नारियल पूर्णिमा के अवसर पर बधवार पार्क मच्छीमार नगर कोलाबा में समुद्र के किनारे मांगेला समाज द्वारा समुद्र देवता की पूजा की गई।

फर्जी दस्तावेजों के सहारे भारत में रह रहे 12 लोग पकड़े गए

वसई। मीरा-भायंदर, वसई-विरार पुलिस आयुक्तालय ने अवैध रूप से भारत में रह रहे 12 बांग्लादेशी नागरिकों को निष्कासित कर दिया है। ये लोग फर्जी दस्तावेजों का इस्तेमाल कर रहे थे और पूछताछ में उन्होंने अवैध रूप से सीमा पार कर भारत में घुसने की बात स्वीकार की है। पुलिस आयुक्त निकेत कौशिक के निर्देश पर 1 अगस्त से एक विशेष अभियान चलाया जा रहा है, जिसका उद्देश्य अवैध रूप से रह रहे विदेशी नागरिकों की पहचान करना है। इसी अभियान के तहत काशिमीरा, तुलिंज और नालासोपारा पुलिस थानों की सीमाओं से इन 12 बांग्लादेशी नागरिकों को पकड़ा गया। पकड़े गए लोगों में 6 पुरुष, 4 महिलाएं और 2 बच्चे शामिल हैं। जांच में यह भी सामने आया कि इनमें से कुछ लोगों ने फर्जी दस्तावेजों के आधार पर भारतीय पहचान पत्र भी बनवा लिए थे। इन सभी 12 लोगों को 7 अगस्त 2025 को पश्चिम बंगाल के बागडोगरा से बांग्लादेश भेज दिया गया है।

दही हांडी में उमंग की लहर

नेताओं में दान और पुरस्कार की होड़ | चुनावी माहौल गरमाने की तैयारी

महानगर संवाददाता

ठाणे

गोविंदा की पंढरी के नाम से प्रसिद्ध ठाणे में इस वर्ष दही हांडी उत्सव की तैयारियां चरम पर हैं,लेकिन इस बार इसका रंग केवल धार्मिक और सांस्कृतिक नहीं रहेगा,बल्कि इसमें राजनीति का तड़का भी लगने वाला है। नगर निगम चुनाव नजदीक होने के चलते राजनीतिक नेताओं और संभावित उम्मीदवारों में दान देने, मंच पर मौजूदगी दर्ज कराने और पुरस्कार वितरित करने की होड़ शुरू हो गई है। यह उत्सव नेताओं के लिए भीड़ जुटाने,जनसंपर्क बढ़ाने और अपनी छवि मजबूत करने का सुनहरा अवसर बन गया है। ठाणे नगर निगम को अब तक दही हांडी मंडप निर्माण के लिए कुल 38 मंडलों से आवेदन प्राप्त हुए हैं, जिनमें से 21 मंडलों को अनुमति दी जा चुकी है। नगर निगम चुनाव से पहले होने वाले इस बड़े आयोजन में नेताओं के सक्रिय रूप से जुड़ने की उम्मीद है। राजनीतिक पंडितों का मानना है कि दही हांडी जैसे लोकप्रिय उत्सव में नेता अपनी उपस्थिति दर्ज कराकर मतदाताओं तक सीधा संदेश पहुंचाने की रणनीति अपनाएंगे।

मंडप अनुमति के लिए ऑनलाइन आवेदन की सुविधा

नगर निगम के उपायुक्त शंकर पटोले ने बताया कि मंडप अनुमति के लिए ऑनलाइन आवेदन की सुविधा शुरू की गई है, जिससे प्रक्रिया सरल और पारदर्शी बने। हालांकि, अब तक नौ वार्ड समितियों से केवल चार आवेदन ही ऑनलाइन प्राप्त हुए हैं, जबकि 34 आवेदन ऑफलाइन आए हैं। उनका कहना है कि इस व्यवस्था से मंडलों को वार्ड कार्यालय के चक्कर लगाने की जरूरत नहीं होगी और वित्तीय प्रक्रिया भी तेज होगी।

चुनाव आयोग के विरोध में कांग्रेस उतरी सड़क पर

दादर में किया गया रास्ता रोको आंदोलन

मुंबई। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी के वोट चोरी का मुद्दा उठाने के एक दिन बाद महाराष्ट्र प्रदेश कांग्रेस ने आक्रामक रुख अपनाते हुए प्रदेश अध्यक्ष हर्षवर्धन सपकाल के नेतृत्व में चुनाव आयोग के खिलाफ सड़कों पर उतरकर आंदोलन किया। प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय तिलक भवन के पास रास्ता रोको आंदोलन कर कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने चुनाव आयोग और सरकार के खिलाफ जोरदार नारेबाजी की। तकरीबन एक घंटे तक रास्ता रोको चला। इस आंदोलन में प्रदेश कांग्रेस के वरिष्ठ उपाध्यक्ष मोहन जोशी, राजन भोसले, किशोर

कन्हेरे, मुख्य प्रवक्ता अतुल लोंढे, अनंत गाडगिल समेत सैकड़ों कार्यकर्ता और पदाधिकारी शामिल हुए। आंदोलन से पहले तिलक भवन में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में बोलते हुए प्रदेश अध्यक्ष ने चुनाव आयोग और भाजपा की तीव्र आलोचना करते हुए कहा कि राहुल गांधी ने बेहद तर्कसंगत ढंग से चुनावी घोटाले

रक्षाबंधन पर एसटी की सौगात

ठाणे डिवीजन से 91 अतिरिक्त बसें

महानगर संवाददाता

ठाणे

रक्षाबंधन और नारली पूर्णिमा जैसे लोकप्रिय त्योहारों के अवसर पर यात्रियों की भारी भीड़ को देखते हुए, महाराष्ट्र राज्य सड़क परिवहन निगम (एमएसआरटीसी) के ठाणे डिवीजन ने इस बार 8, 9 और 10 अगस्त को कुल 91 अतिरिक्त बसें चलाने का निर्णय लिया है। शुक्रवार और शनिवार को त्योहारों के कारण, तथा रविवार को अवकाश होने से तीन दिन तक लंबी और मध्यम दूरी के मार्गों पर यात्री संख्या में उल्लेखनीय वृद्धि की संभावना है। यात्रियों को सुविधा देने और समय पर गंतव्य

तक पहुंचाने के उद्देश्य से इस वर्ष 20 हजार किलोमीटर से अधिक का अतिरिक्त सफर तय करने की योजना बनाई गई है। पिछले वर्ष निगम ने 39 हजार किलोमीटर से अधिक की अतिरिक्त सेवाएं दी थीं, जिससे राज्य के खजाने को 19 लाख 31 हजार रुपये की आय हुई थी। इस बार भी निगम को यात्रियों और आय, दोनों में बढ़ोतरी की उम्मीद है। अतिरिक्त बसों का संचालन ठाणे 1 डिवीजन से ठाणे-स्वारगेट (4), ठाणे-बोरीवली (4), ठाणे-भायंदर (3), कराड (3), कोल्हापुर (1) मार्गों पर होगा। ठाणे 2 डिवीजन से ठाणे-स्वारगेट (2), ठाणे-बोरीवली (2), ठाणे-नालासोपारा (2), ठाणे-पनवेल (3), भिवंडी (4), कराड (1) और कोल्हापुर (1) रूट पर बसें चलेंगी। शहापुर डिवीजन से कसारा-नासिक (3), शहापुर-ठाणे (2), शहापुर-कल्याण (2), शहापुर-किनवली (3) बसें रवाना होंगी। वाडा डिवीजन से ठाणे (3), पुणे (2), कल्याण (3) मार्गों पर, भिवंडी डिवीजन से भिवंडी-ठाणे (4), भिवंडी-बोरीवली (2), भिवंडी-कल्याण (4), नगर (2) पर अतिरिक्त सेवाएं मिलेंगी। कल्याण डिवीजन से कल्याण-नगर (3), कल्याण-अलेफाटा (3), कल्याण-मुरबाड (4), कल्याण-भिवंडी (3) बसें चलाई जाएंगी। मुरबाड डिवीजन से कल्याण (3), नगर (1), अलेफाटा (3) और विठ्ठलवाडी डिवीजन से भिवंडी (3), पनवेल (3), जौहर (3), अलेफाटा (1) मार्गों पर अतिरिक्त सुविधाएं दी जाएंगी। निगम ने कहा है कि त्योहारों के दौरान भीड़ को संभालने के लिए सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं और यात्रियों को समय पर तथा सुरक्षित यात्रा का भरोसा दिया गया है।

वीवीसीएमसी ने जब्त की 3.5 टन प्लास्टिक

वसई। केंद्र सरकार के सिंगल-यूज़ प्लास्टिक पर लगे प्रतिबंध को लागू करने के लिए वसई-विरार महानगरपालिका ने कड़ा रुख अपनाया है। 8 अगस्त, की आधी रात को प्रभाग समिति "जी" में एक विशेष अभियान चलाया गया, जिसमें लगभग 3,500 किलोग्राम (3.5 टन) प्रतिबंधित प्लास्टिक सामग्री जब्त की गई। यह कार्रवाई महानगरपालिका आयुक्त मनोज कुमार सूर्यवंशी, अतिरिक्त आयुक्त संजय हेरवाडे, उप आयुक्त अर्चना दिवे और सहायक आयुक्त नीता कोरे के निर्देशों पर की गई थी। इस अभियान का नेतृत्व वरिष्ठ आरोग्य निरीक्षक विकास पाटील ने किया। इस दौरान, नियमों का उल्लंघन करने वाले प्रतिष्ठानों से 5,000 (पांच हजार रुपये) का जुर्माना भी वसूला गया। इस अभियान में कनिष्ठ स्वास्थ्य निरीक्षक विनोद पाटील, गणेश घरत, केदार चव्हाण, अभिषेक कदम और मार्शल जितेश ठाकुर ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। यह कार्रवाई दर्शाती है कि प्रशासन प्लास्टिक प्रतिबंध को लेकर गंभीर है और पर्यावरण को बचाने के लिए नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने के लिए प्रतिबद्ध है।

मराठा आरक्षण के लिए आर-पार की लड़ाई

मुंबई में 29 अगस्त को आंदोलन करेंगे जरांगे पाटिल

मुंबई। मराठा समाज के नेता मनोज जरांगे पाटिल आरक्षण को लेकर आर-पार की लड़ाई लड़ने जा रहे हैं। वे 29 अगस्त को मुंबई के आजाद मैदान पर आंदोलन करेंगे, जिसमें मराठा समाज के लाखों लोग शामिल होंगे। जरांगे ने कहा कि वे मराठा समुदाय के अन्य सदस्यों के साथ जालना जिले के अंतरवाली सराटी गांव से 27 अगस्त को रवाना होंगे। उन्होंने सभी मराठों को कुनबी मानने और सरकारी नौकरियों एवं शिक्षण संस्थानों में राजनीतिक रूप से प्रभावशाली समुदाय के लिए आरक्षण की मांग को लेकर कई बार भूख हड़ताल की है। कुनबी अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) श्रेणी के

अंतर्गत सूचीबद्ध एक कृषक जाति है। जरांगे ने कहा कि हम 27 अगस्त को सुबह 10 बजे अंतरवाली सराटी से मुंबई के लिए रवाना होंगे। हम पुणे जिले के जुन्नार इलाके में शिवनेरी किले के पास अपना पहला पड़ाव डालेंगे। हम अंतरवाली से शेवगांव, अहिल्यानगर और अलेफाटा होते हुए शिवनेरी जाएंगे। उन्होंने बताया कि अगले दिन वह चाकण जाएंगे। वहां से आंदोलनकारी तलेगांव, लोनावाला, वाशी और चेंबूर होते हुए दक्षिण मुंबई जाएंगे। उन्होंने कहा कि आंदोलन 29 अगस्त को मुंबई के आजाद मैदान में शुरू होगा। जरांगे ने मराठा समुदाय के लोगों से मुंबई में उनके आंदोलन में शामिल होने की अपील की है। उन्होंने यह भी कहा कि मराठा समुदाय के जो नेता आंदोलन में भाग नहीं ले रहे हैं, उन्हें चुनाव में हराया जाना चाहिए। महाराष्ट्र विधानमंडल ने पिछले वर्ष एक विधेयक पारित किया था, जिसमें मराठा समुदाय को एक अलग श्रेणी के तहत 10 प्रतिशत आरक्षण प्रदान किया गया था, लेकिन जरांगे ओबीसी श्रेणी के तहत समुदाय के लिए आरक्षण पर जोर दे रहे हैं।

मनपा ने बंद कराए तीन आर.एम.सी प्लांट

काशिमीरा। काशिमीरा स्थित माशाचा पाडा परिसर के सर्वे नंबर 25 में आर.एम.सी के पांच प्लांट चल रहे थे। इन पांच प्लांट में से मनपा द्वारा तीन प्लांट को बंद करा दिया गया है, परन्तु इनमें से दो प्लांट अभी भी चल रहे हैं। शिवसेना उप जिला प्रमुख रामभुवन शर्मा ने परिवहन मंत्री प्रताप सरनाईक को इन आर.एम.सी प्लांट के संदर्भ में निवेदन दिया था। इस निवेदन में बताया गया था की माशाचा पाडा यह रहवासी परिसर है, इस परिसर में स्कूल भी है जहां पर छोटे बच्चे शिक्षा के लिए आते हैं। महाराष्ट्र प्रदूषण नियंत्रण मंडल (एमपीसीबी) के नियम के तहत आर.एम.सी प्लांट के 200 मीटर के दायरे में रहवासी परिसर, स्कूल , महाविद्यालय नहीं होने चाहिए, परन्तु यहां पर कानून को ताक पर रख कर यह प्लांट चल रहे थे।

महाराष्ट्र सरकार के कैबिनेट मंत्री आशीष शेलार ने बुधवार की शाम 'हमारा महानगर' के कार्यकारी संपादक राघवेंद्र नाथ द्विवेदी और यशोभूमि के संपादक श्रीनारायण तिवारी को शील्ड और प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। मुंबई की अंतराष्ट्रीय ख्याति वाले जुहू इलाके के इस्कान आडिटोरियम हाल में आयोजित सम्मान समारोह में प्रसिद्ध धर्म स्थल सिद्धिविनायक मंदिर ट्रस्ट के कोषाध्यक्ष आचार्य पवन त्रिपाठी, धड़क कामगार यूनियन के राष्ट्रीय अध्यक्ष अभिजीत राणे समेत कई सम्मानित नेता व समाज सेवक उपस्थित थे। आयोजन "गऊ भारत भारती" संस्था ने किया था।

मनपा की स्टाफ बस में लगी आग,कोई हताहत नहीं

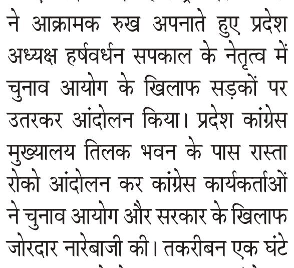

मुंबई। शुक्रवार की सुबह मनपा के एक स्टाफ बस में ही आग लगाने की घटना घट गई। बस पानी विभाग के कर्मचारियों को लेकर भांडुप पम्पिंग स्टेशन जा रही थी। कर्मचारियों की तत्परता से आग बुझाने की कार्रवाई की गई, जिससे कोई हताहत नहीं हुआ। बता दें की शुक्रवार की सुबह सुबह 7:24 बजे मनपा वार्ड कंट्रोल कक्ष को आग लगने की एक घटना की जानकारी मिली। घटना कांजुरमार्ग पूर्व के पंच खड्डा, ईस्टर्न एक्सप्रेस हाईवे पर स्थित मनपा की एक स्टाफ बस में हुई। बस मनपा कर्मचारियों को लेकर भांडुप पंपिंग स्टेशन से भांडुप स्टेशन की ओर जा रही थी उसी दौरान बस में अचानक आग लग गई। बस चालक शिरोसे के अनुसार आग लगने के तुरंत बाद बस में सवार तीन कर्मचारी और चालक सुरक्षित रूप से बाहर निकल गए। घटना की जानकारी मिलते ही मुंबई फायर ब्रिगेड और पुलिस तुरंत मौके पर पहुंची। आग पर सुबह 7:49 बजे तक काबू पा लिया गया। इस घटना में किसी के घायल नहीं हुआ।

12 अगस्त तक पुलिस कस्टडी में आरोपी

मुंबई। मुंबई पुलिस के एंटी एक्सटर्शन सेल ने मुंबई के कॉटन ग्रीन इलाके से मंगलवार को 5 लोगों को गिरफ्तार किया, जिनके पास से 4 पिस्तौल और 51 जिंदा कारतूस बरामद किया था। पहली पेशी में इन्हें पुलिस कस्टडी सौंपी थी, जिसके बाद शुक्रवार को इन्हें दोबारा मुंबई के किला कोर्ट में पेश किया गया। पुलिस को शक है कि इनका किसी अंतर्राष्ट्रीय गैंग से संबंध हो सकता है। हालांकि अभी तक इस बात की पुष्टि आधिकारिक रूप से नहीं हुई, लेकिन पुलिस इस एंगल से भी जांच कर रही है। आरोपियों के वकील अजय दुबे ने बताया कि पुलिस का कहना है कि इनके ऊपर पुराने मामले भी दर्ज हैं।

वीर सावरकर ब्रिज तोड़ने से लोगों को झेलनी पड़ेगी परेशानी

भाजपा ने भी ब्रिज तोड़े जाने पर खड़ा किया सवाल जनता के टैक्स के पैसों पर मनपा कर रही खिलवाड़

मुंबई। गोरेगांव और मालाड के निवासियों को डर है कि अगर मालाड माइंडस्पेस से डिंडोशी तक मुंबई कोस्टल रोड (उत्तर)-जीएमएलआर कनेक्टर बनाने के लिए वीर सावरकर फ्लाईओवर को गिरा दिया गया तो मालाड और गोरेगांव के लोगों को भारी परेशानी झेलनी पड़ेगी। स्थानीय लोगों का यह भी आरोप है कि कोस्टल रोड कनेक्टर भी बनने के बाद गोरेगांव के लोगों को परेशानी झेलनी पड़ेगी,क्योंकि कनेक्टर मालाड माइंडस्पेस से शुरू होगा। स्थानीय लोगों में ब्रिज को तोड़े जाने को लेकर बड़ी नाराजगी है,वहीं भाजपा ने भी सात साल पहले बने ब्रिज को अब मनपा द्वारा तोड़ने की तैयारी पर सवाल खड़ा किया है। बता दें की कोस्टल रोड 2 का निर्माण कर रही मनपा ने डिंडोशी में कनेक्टर बनाने को लेकर पाइलिंग का काम पहले ही शुरू कर चुकी है। वीरसावरकर ब्रिज तोड़े जाने की खबर 'हमारा महानगर' ने 5 अगस्त को छाप कर जानकारी दी

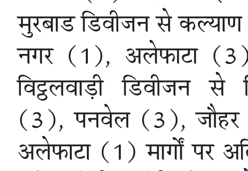

थी। गोरेगांव के पूर्व भाजपा नगरसेवक संदीप पटेल ने कहा कि मृणाल ताई गोरे फ्लाईओवर -गोरेगांव की ओर प्रवेश का वैकल्पिक रास्ता – नेस्को में प्रदर्शनियों के दौरान बहुत भीड़भाड़ वाला हो जाता है। जिससे यात्रियों को इसे पार करने में एक घंटे तक का समय लग जाता है। उन्होंने कहा अगर सावरकर ब्रिज को गिरा दिया जाता है तो दक्षिण की ओर जाने वाले यातायात के लिए, मृणालताई गोरे फ्लाईओवर यही एकमात्र निकास होगा। मनपा का कहना है कि उनके पास फ्लाईओवर को गिराने के अलावा कोई विकल्प नहीं है। अंधेरी लोखंडवाला सिटिजन्स एसोसिएशन के धवल शाह ने कहा कि सावरकर फ्लाईओवर इस क्षेत्र के निवासियों के लिए रेलवे लाइन पार करने का प्रमुख मार्ग है। यदि इसे गिरा दिया गया तो यात्रा का समय कई गुना बढ़ जाएगा और भारी असुविधा होगी।

प रे पर रविवार को दिवसकालीन ब्लॉक नहीं

09/10 अगस्त की मध्यरात्रि को रात्रिकालीन ब्लॉक

मुंबई। पश्चिम रेलवे पर रेलपथ, सिगनलिंग प्रणाली तथा ऊपरी उपस्करों के रख-रखाव हेतु शनिवार/रविवार की मध्यरात्रि अर्थात 09/10 अगस्त को सांताक्रुज एवं माहिम स्टेशनों के बीच अप फास्ट लाइन पर 00.00 बजे से 04.00 बजे तक तथा डाउन फास्ट लाइन पर 00.30 बजे से 04.30 बजे तक जम्बो ब्लॉक लिया जाएगा। पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी विनीत अभिषेक द्वारा जारी एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, ब्लॉक अवधि के दौरान फास्ट लाइन की सभी ट्रेनें अंधेरी और चर्चगेट स्टेशनों के बीच धीमी लाइन पर चलाई जाएंगी। तदनुसार, पश्चिम रेलवे के उपनगरीय खंड पर रविवार, 10 अगस्त को कोई दिवसकालीन ब्लॉक नहीं रहेगा।

हमारे साथ वे रहे पहली पंक्ति में: फडणवीस

■ उद्धव ठाकरे की कुर्सी को लेकर टीका-टिप्पणी

महानगर संवाददाता
मुंबई

शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे गुट) के प्रमुख उद्धव ठाकरे दो दिवसीय दिल्ली दौरे पर थे। इस दौरान उन्होंने लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी के निवास पर जाकर पूरे परिवार के साथ मुलाकात की, सत्ता पक्ष ने दावा किया कि इस मुलाकात के दौरान उद्धव ठाकरे और आदित्य ठाकरे को पिछली पंक्ति में बैठाया गया। इस मुद्दे पर मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने प्रतिक्रिया देते हुए उद्धव ठाकरे पर तंज कसा।

फडणवीस ने कहा कि हमारे यहां तो वे हमेशा पहली पंक्ति में ही रहे। हमारे मुकाबले भी आगे ही रहे। इसलिए वहां उनका कितना सम्मान होता है, यह तो सभी ने देख ही लिया है। भाषण में बहुत कहते हैं कि दिल्ली के सामने सिर नहीं झुकाएंगे, दिल्ली के सामने हम चापलूसी नहीं करेंगे, लेकिन अब दिल्ली में क्या स्थिति है। जब वे सत्ता में नहीं हैं, तब उनकी क्या स्थिति है, यह देखकर थोड़ा दुःख तो होता है, लेकिन ठीक है।

कांग्रेस ने दिखाई सही जगहः शिंदे : इधर उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने उद्धव ठाकरे पर कटाक्ष करते हुए कहा कि कांग्रेस ने उन्हें उनकी सही जगह दिखा दी है। अगर उन्हें इस बात से कोई फर्क नहीं पड़ता, तो मैं इस पर क्या कह सकता हूं? उल्टा आपको उन्हें ही पूछना चाहिए कि उन्हें इतना पीछे क्यों बैठाया गया था? शिंदे ने कहा कि हम बाला साहेब ठाकरे के विचार और हिंदुत्व की राह पर चल रहे हैं। हम विकास की दिशा में आगे बढ़ रहे हैं। इसलिए श्रीकांत शिंदे को कुछ देशों की यात्रा पर जा रहे प्रतिनिधिमंडल का प्रमुख बनाया गया है। प्रधानमंत्री मोदी को भलीभांति पता है कि किसे सम्मान देना है, किसे मान देना है, और यह सम्मान, बाला साहेब के विचारों को आगे बढ़ाने का सम्मान है।

शिंदे गुट का प्रतीकात्मक आंदोलन

शिंदे गुट के नेताओं ने इस घटना को लेकर दिवंगत हिंदुहृदयसम्राट बाळासाहेब ठाकरे के स्मृति स्थल पर प्रतीकात्मक आंदोलन किया। आंदोलन के दौरान शिवसैनिकों ने उद्धव ठाकरे के पोस्टर लगाए और कटाक्ष भरे नारों के साथ विपक्षी गठबंधन में उनकी क्या हैसियत है, यह बात सामने रखी। आंदोलन के दौरान शिवसैनिकों ने बालासाहेब, उबाठा को माफ करो, सड़ा हुआ दिमाग साफ करो जैसे नारे लगाए। इस आंदोलन में शिवसेना विधायक डॉ. मनीषा कायंदे, प्रवक्ता शीतल म्हात्रे, प्रवक्ता सुशीबेन शाह, महिला विभाग प्रमुख प्रिया सरवणकर, पूर्व नगरसेवक दत्ता नरवणकर, पूर्व नगरसेवक समाधान सरवणकर समेत सैकड़ों शिवसैनिकों ने भाग लिया।

वर्ली में एकनाथ शिंदे और आदित्य ठाकरे आमने–सामने

आपस में भिड़े कार्यकर्ता

महानगर संवाददाता
मुंबई

नारियल पूर्णिमा के अवसर पर वर्ली में उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे और वर्ली के विधायक आदित्य ठाकरे आमने सामने आ गए। दोनों नेताओं के आमने सामने आने से कार्यकर्ताओं का जोश हाई हो गया और हाथापाई की नौबत आ गई।

नारियल पूर्णिमा कोली समाज का एक महत्वपूर्ण पर्व माना जाता है। इस अवसर पर वरली के कोलीवाड़ा इलाके में हर साल सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया जाता है। इस दिन कोली समाज के लोग समुद्र की पूजा करते हैं और नारियल अर्पण करते हैं। शुक्रवार को भी नारियल पूर्णिमा के मौके पर वरली कोलीवाड़ा में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। लेकिन इस बार कार्यक्रम के दौरान राजनीतिक घटनाक्रम भी देखने को मिला।

● वर्ली के विधायक आदित्य ठाकरे और उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे एक ही समय उसी स्थान पर पहुंचे, जिससे कार्यकर्ता घोषणा बाजी करते हुए आपस में भीड़ गए। इस दौरान पुलिस ने हस्तक्षेप कर स्थिति को नियंत्रित किया। बता दें कि नारियल पूर्णिमा के मौके पर कोली समाज को शुभकामनाएं देने के लिए वरली के विधायक आदित्य ठाकरे कोलीवाड़ा पहुंचे थे। उसी समय उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे वहां से बाहर निकल रहे थे। दोनों नेता आमने –सामने आ गए, जिससे दोनों पक्षों के कार्यकर्ताओं के बीच जोरदार नारेबाजी शुरू हो गई। इन राजनीतिक हलचलों के कारण कुछ समय के लिए कोलीवाड़ा का माहौल तनावपूर्ण हो गया। हालांकि पुलिस की मध्यस्थता से स्थिति नियंत्रण में रही और कोई बड़ा विवाद नहीं हुआ। गौरतलब है कि वरली विधानसभा क्षेत्र आदित्य ठाकरे का निर्वाचन क्षेत्र है। छह महीने पहले हुए विधानसभा चुनाव में उन्होंने इसी क्षेत्र से चुनाव लड़ा और जीत हासिल की थी। हालांकि इस बार उनका मुकाबला कड़ा रहा।

मुलुंड वासियों की समस्या हुई दूर

पूर्व पश्चिम को जोड़ने वाला पादचारी ब्रिज का काम हुआ शुरु

मुंबई। मुलुंड पूर्व और पश्चिम को जोड़ने वाला ब्रिज जिसे जर्जर अवस्था में आने के बाद दो साल पूर्व तोड़ दिया गया था। काम शुरू होने के बाद भी बीच में रोक दिया गया था जिसको लेकर स्थानीय लोगों ने आंदोलन भी किया। मनपा द्वारा अब पैसा मिलने के बाद रेलवे ने दोबारा काम शुरू कर दिया ।

बता दे कि मुलुंड और पश्चिम ब्रिज को जोड़ने वाले ब्रिज को तोड़े जाने के बाद 31 दिसंबर 2024 और 31 मई 2025 तक पूरा करने का आश्वासन दिया गया,लेकिन ब्रिज का काम अभी भी पूरा नहीं हो पाया है। ब्रिज निर्माण के दोनों ओर जोड़ने वाले हिस्से का भी रेलवे की ओर से देखभाल किया जाता है। मनपा देखभाल का पैसा रेलवे को देती है। ब्रिज के निर्माण पर मनपा के हिस्से का 12 करोड़ 44 लाख रुपया रेलवे को देना था।मनपा ने लगभग दो दिन पूर्व ही रेलवे को पैसा दे दिया गया जिससे रेलवे ने अब ब्रिज के निर्माण कार्य को शुरू कर दिया है। मुलुंड वासियों को पूर्व से पश्चिम की ओर जाने के लिए इसी ब्रिज का उपयोग करना होता है। यह ब्रिज जर्जर होने के बाद 2023 में ही तोड़ दिया गया था।रेलवे ने ब्रिज का काम शुरू किया और 40 गर्डर में से 24 गार्डर लगाकर काम शुरू भी कर दिया।

गणेशोत्सव : चार दिनों तक देर रात तक बजेगा लाउड स्पीकर

मुंबई। जिला कलेक्टर ने इस वर्ष गणेशोत्सव के दौरान कुल चार दिनों के लिए देर रात तक लाउडस्पीकर बजाने की अनुमति दी है। गणेशोत्सव के दूसरे,पांचवें, गौरी विसर्जन और अनंत चतुर्दशी के दिन लाउडस्पीकर के उपयोग की अनुमति दी गई है। हालांकि जिला कलेक्टर द्वारा जारी परिपत्र में तिथि को लेकर भ्रम की स्थिति के कारण गणेशोत्सव मंडलों में असमंजस की स्थिति है।

उच्च न्यायालय के आदेशानुसार जिला अधिकारी कार्यालय को देर रात तक लाउडस्पीकर के उपयोग की अनुमति देने के लिए दिन निर्दिष्ट करने का अधिकार दिया गया है। तदनुसार मुंबई उपनगर के जिला कलेक्टर कार्यालय ने मार्च में अपने अधिकार क्षेत्र के अंतर्गत 15 में से 13 दिनों की सूची घोषित की थी। इसमें मुंबई में इस वर्ष गणेशोत्सव के दौरान चार दिनों के लिए देर रात तक लाउडस्पीकर के उपयोग की अनुमति दी गई है। जबकि मुंबई सार्वजनिक गणेशोत्सव समन्वय समिति का कहना है कि तिथियों को लेकर भ्रम की स्थिति है। इसलिए समन्वय समिति ने शहर और उपनगरीय जिला कलेक्टर कार्यालय को एक पत्र भेजकर इस भ्रम को दूर करने की मांग की है। ध्वनि प्रदूषण (विनियमन और नियंत्रण) नियम, 2000 के अनुसार, कुछ दिनों में सुबह 6 बजे से रात 12 बजे तक बंद स्थानों के अलावा अन्य स्थानों पर सांस्कृतिक या धार्मिक उद्देश्यों के लिए लाउडस्पीकर या ध्वनि प्रवर्धक का उपयोग किया जा सकता है। यह कानून ध्वनि प्रदूषण को कम करने और नियंत्रित करने के लिए लागू किया गया है। इसमें शोर की सीमा तय की गई है। लाउडस्पीकर बंद स्थानों जैसे सभागार, हॉल, सामूहिक हॉल और बैंक्वेट हॉल में लगाए जा सकते हैं। कुल 15 दिनों में से मुंबई शहर के लिए प्रत्येक त्योहार के लिए अलग-अलग दिन निर्धारित किए गए हैं। इनमें से चार दिन गणेश विसर्जन के लिए दिए गए हैं। इसमें चार दिन यानी 28 अगस्त को डेढ़ दिन के गणेश विसर्जन, 1 सितंबर को पांचवें दिन के गणेश विसर्जन, 2 सितंबर को गौरी विसर्जन और 6 सितंबर को अनंत चतुर्दशी के दिन देर रात तक लाउडस्पीकर के इस्तेमाल की अनुमति दी गई है।

उत्तराखंड में फंसे महाराष्ट्र के सभी पर्यटक सुरक्षित

महानगर संवाददाता
मुंबई

उत्तराखंड राज्य के उत्तरकाशी जिले के धराली क्षेत्र में हुई भीषण भूस्खलन और बाढ़ की स्थिति के कारण वहां फंसे हुए 171 पर्यटकों से संपर्क स्थापित हो चुका है और वे सभी सुरक्षित स्थान पर हैं। एक पर्यटक कृतिका जैन से संपर्क साधने के प्रयास युद्धस्तर पर जारी हैं। इस बात की जानकारी जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण और संबंधित एजेंसियों ने दी है। महाराष्ट्र के विभिन्न क्षेत्रों के सभी पर्यटक यात्री सुरक्षित हैं। राज्य के आपदा प्रबंधन और जलसंपदा मंत्री गिरीश महाजन गुरुवार को उत्तराखंड पहुंचे, जहां उन्होंने विभिन्न स्थानों पर फंसे पर्यटकों से दूरभाष के माध्यम से संवाद कर शासन द्वारा किए जा रहे उपायों की जानकारी दी। साथ ही उन्होंने क्षेत्र की सड़कों को फिर से चालू कर नागरिकों को सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए केंद्रीय सड़क विकास राज्य मंत्री अजय टम्टा से भी भेंट की। महाजन ने बताया कि महाराष्ट्र सरकार की ओर से राज्य के पर्यटकों के लिए सभी आवश्यक उपाय किए जा रहे हैं। उत्तराखंड के उत्तरकाशी जिले के धराली क्षेत्र में कुल 172 पर्यटकों में से 147 पर्यटक (67 मातली, 6 जॉली ग्रांट तथा 74 उत्तरकाशी) सुरक्षित हैं।

मुंबई में भी तैनात होगी टूरिज्म सिक्युरिटी फोर्स

महाबलेश्वर और पंचगनी में सफल रहा प्रयोग

महानगर संवाददाता
मुंबई

पर्यटन मंत्री शंभूराज देसाई ने कहा कि विभाग की तरफ से महाबलेश्वर और पंचगनी जैसे पर्यटन स्थलों पर तीन माह पहले तैनात पर्यटन सुरक्षा दल ने अत्यंत सराहनीय काम किया है। इस अनुभव के आधार पर अब जल्द ही मुंबई के गेटवे ऑफ इंडिया और नरीमन पॉइंट जैसे पर्यटन स्थलों पर भी पर्यटन सुरक्षा बल को तैनात किया जाएगा। देसाई ने मई महीने में महाबलेश्वर और पंचगनी में शुरू किए गए इस सुरक्षा बल के कार्य का विस्तृत समीक्षा की। पर्यटन सुरक्षा बल के जवानों का तीन महीने का कार्य अत्यंत संतोषजनक रहा है। इन जवानों का उपयोग भीड़ भाड़ वाले समय में पर्यटक स्थलों पर योजना बनाना, पर्यटकों की सुरक्षा सुनिश्चित करना, ट्रैफिक को सुचारू रखना, पर्यटकों के बीच होने वाले विवादों का समाधान करना, लापरवाही से वाहन चलाने पर नियंत्रण करने में किया गया। देसाई ने कहा कि इसी अनुभव के आधार पर अब मुंबई के ट्रायडेंट होटल से मलबार हिल मार्ग पर स्थित वीविंग गैलरी, गेटवे ऑफ इंडिया जैसे भीड़-भाड़ वाले पर्यटन स्थलों पर भी जल्द ही पर्यटन सुरक्षा बल तैनात करेंगे। पर्यटन सुरक्षा बल की यह संकल्पना राज्य में पहली बार महाबलेश्वर और पंचगनी में लागू की गई थी। वहां तैनात जवानों ने अत्यंत उत्कृष्ट कार्य किया है। यह बात कहते हुए देसाई ने उनका अभिनंदन भी किया। देसाई ने कहा कि वर्तमान में महाबलेश्वर और पंचगनी में कार्यरत पर्यटन सुरक्षा बल के जवानों के लिए रहने की व्यवस्था भी की गई है।

‘प्रो गोविंदा लीग’ खेल है, राजनीति नहीं : प्रताप सरनाईक

मुंबई। महाराष्ट्र के परिवहन मंत्री प्रताप सरनाईक ने स्पष्ट कहा है कि कोई भी खेल सिर्फ खेल होता है और उसमें राजनीति लाना उचित नहीं है। उन्होंने बताया कि रैपीडो संस्था “Pro Govinda League” से अधिकृत रूप से जुड़ी थी और इस मामले में आवश्यक कानूनी कार्रवाई उन्होंने दो जुलाई को ही कर दी थी। “दहीहांडी महाराष्ट्र का पारंपरिक खेल है। ‘Pro Govinda’ के माध्यम से यह खेल अब मैट पर और पूरी सुरक्षा के साथ खेला जा रहा है, जो हमारे राज्य के लिए खुशी और गर्व की बात है,। मंत्री ने अपील की कि #ProGovinda खेल को किसी भी तरह के राजनीतिक विवाद में न जोड़ा जाए और महाराष्ट्र की सांस्कृतिक परंपरा को सुरक्षित रखने के लिए खिलाड़ियों को प्रोत्साहित किया जाए।

विपक्ष के निशाने पर आए थे मंत्री

राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एसपी) के विधायक रोहित पवार ने बृहस्पतिवार को संवाददाताओं से बात करते हुए पड़ोसी ठाणे जिले के प्रभावशाली शिवसेना नेता सरनाईक पर निशाना साधा और अपने मंत्री पद का दुरुपयोग करने का आरोप लगाया था।

आजमी का चुनाव आयोग पर निशाना

मतदाता सूची में हो रहा है हेरफेर, मतदाता सूची की हो ऑडिट

महानगर संवाददाता
मुंबई

लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के बाद समाजवादी पार्टी के मुंबई अध्यक्ष और विधायक अबू आसिम आजमी ने मतदाता सूची में हेरफेर को लेकर चुनाव पर गंभीर आरोप लगाया है। शुक्रवार को पत्रकारों से बातचीत करते हुए आजमी ने कहा कि चुनाव अयोग केंद्र की सत्ताधारी पार्टी भाजपा के दबाव में काम कर रही है,आजमी ने दावा किया कि पिछले साल चुनाव से छह महीने पहले मानखुर्द-शिवाजी नगर विधानसभा क्षेत्र में वैध मतदाताओं के नाम मतदाता सूची में जोड़े गए थे और फिर उन्हें हटाकर इसमें गैर-निवासियों के नाम दर्ज कर दिए गए। सपा विधायक ने कहा कि मतदाता सूची की तत्काल ‘ऑडिट’ और अधिक विसंगतियों को रोकने के लिए शीघ्र सुधार की जाए। उन्होंने कहा कि साल 2024 में हुए विधानसभा चुनाव में पूर्व मुख्यमंत्री पृथ्वीराज चव्हाण और वरिष्ठ नेता बालासाहेब थोराट सहित कांग्रेस के कई प्रमुख नेताओं की हार इसी हेरफेर के कारण हुई। अबू आजमी ने कहा कि लोकतांत्रित देश में निष्पक्ष चुनाव आयोग का गलत इस्तेमाल किया जा रहा है अगर चुनाव आयोग में मतदाता सूची को लेकर गम्भीर नहीं होता है तो आयोग के गलत नीतियों के खिलाफ सड़क पर उतरना पड़ेगाआजमी नई ऐसी चेतावनी चुनाव आयोग को दी है।

रानीबाग में अगले महीने से शुरू होगा मत्स्य एक्वेरियम का काम

बोगदा में ले सकेंगे मछलियों का आनंद

मुंबई। भायखला स्थित वीरमाता जिजाबाई भोसले वनस्पति उद्यान रानीबाग में आने वाले पर्यटकों को जल्द ही एक नई सुविधा का आनंद मिलेगा। मनपा यहां अगले महीने से मत्स्यालय (टनेल एक्वेरियम) के निर्माण कार्य की शुरुआत करने जा रही है। मनपा के एक वरिष्ठ अधिकारी ने जानकारी देते हुए कहा कि यह कार्य एक से डेढ़ साल में पूरा किया जाएगा,इसके बाद रानीबाग में आने वाले पर्यटक पक्षियों और जानवरों के साथ-साथ विभिन्न प्रकार की मछलियों और जल जीवों को भी देख सकेंगे।

रानीबाग का कुल क्षेत्रफल 2,10,437 वर्ग मीटर है,जिसमें से 37,900 वर्ग मीटर क्षेत्र प्राणियों के पिंजरों के लिए आरक्षित है। यहां लगभग 350 प्राणी जैसे बाघ, सियार, भालू और की अन्य प्रकार के जानवर हैं। साल 2017 में रानीबाग में पेंग्विन लाए गए थे,जिसके बाद पर्यटकों की संख्या में काफी बढ़ोतरी हुई। वर्तमान में रानीबाग परिसर को ही विस्तारित करते हुए अब अंतरराष्ट्रीय स्तर की सुविधाएं विकसित की जा रही हैं। नए नियमों के अनुसार विदेशी प्रजातियों को शामिल करने के लिए पहले स्थानीय प्रजातियों की संख्या बढ़ाना अनिवार्य है। इसी को ध्यान में रखते हुए मत्स्यालय निर्माण का निर्णय लिया गया। इस कार्य की जिम्मेदारी एसकेएस इन्फ्रा को सौंपी गई है। रानीबाग स्थित इंटरप्रिटेशन सेंटर की भूतल मंजिल पर पेंग्विन कक्ष के सामने ही यह मत्स्यालय एक्वेरियम बनाया जाएगा। इसमें घुमटाकार एक्वेरियम, टनेल एक्वेरियम, पॉप-अप विंडो, आयताकार और वृत्ताकार टैंक, जलजीवों के लिए कृत्रिम रॉक संरचना, स्मृति वस्तु दुकान, प्रयोगशाला और लाइफ सपोर्ट सिस्टम जैसी सुविधाएं होंगी। इस योजना में मौजूदा आरसीसी संरचना का रेट्रोफिटिंग और पेंग्विन प्रदर्शनी क्षेत्र का विस्तार भी शामिल है। मत्स्यालय में 14 मीटर लंबा कोरल फिश एक्वेरियम और 36 मीटर लंबा डीप ओशन एक्वेरियमहोगा, जो पर्यटकों के लिए खास आकर्षण बनेंगे। फिलहाल रानीबाग का मुख्य आकर्षण पेंग्विन हैं। 2017 में लाए गए इन पेंग्विन की संख्या तब 8 थी।

मोटरसाइकिल दुर्घटना में जूनियर आर्टिस्ट महिला की मौत

मुंबई। मोटरसाइकिल दुर्घटना में एक 53 वर्षीय जूनियर आर्टिस्ट महिला की मौत हो गई। यह दुर्घटना गोरेगांव चेक नाका पर हुई। आरे पुलिस ने दोपहिया वाहन चला रहे 29 वर्षीय युवक के खिलाफ मामला दर्ज किया है। अंबुबाई सोनवणे (53) फिल्म में जूनियर आर्टिस्ट के तौर पर काम करती हैं। वह अपने बेटे, बहू और बेटी के साथ गोरेगांव के शांति निकेतन इलाके में रहती हैं। वह 5 अगस्त को शूटिंग के लिए गोरेगांव के चित्रनगरी गई थीं। सुबह करीब 8.30 बजे जब वह घर लौट रही थीं, तो उनकी मुलाकात शुभम घटवाल (29) से हुई। उन्होंने कहा कि वह उन्हें अपने दोपहिया वाहन से घर छोड़ रहे हैं। इसलिए सोनवणे अपने दोपहिया वाहन पर सवार हो गए। बस को ओवरटेक करने की कोशिश में दुर्घटना शुभम, सोनवणे को गोरेगांव के पिकनिक पॉइंट से लेकर गए थे। वे गोरेगांव चेक नाका की ओर जा रहे थे। उनके आगे एक बेस्ट बस जा रही थी। शुभम ने गलत रास्ते से बस के आगे जाने की कोशिश की। इसी कोशिश में शुभम की बाइक सामने से आ रही एक दूसरी बाइक से टकरा गई। इस टक्कर में सोनवणे गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गईं। शुभम ने उन्हें रिक्शे में बिठाया और सेवन हिल्स अस्पताल ले गए। वहां उनका प्राथमिक उपचार किया गया और उन्हें घर ले आया गया।

CHANGE OF NAME

I HAVE CHANGE MY OLD NAME AND DATE OF BIRTH **SHITAL S URANKAR** - 05.06.1969 , WANT TO UPDATE AS NEW NAME - **SHITAL SATYWAN URANKAR** NEW DATE OF BIRTH 07.02.1967 AS PER ADHAR CARD

सार्वजनिक सूचना

कुमार राकेश कृशना डावल, पता : **शिवप्रेमी सहकारी गृहनिर्माण संस्था लि.,** महाराष्ट्र नगर, आप्पा पाडा, मालाड (पूर्व), मुंबई – 400 097 के सदस्य/मालिक तथा जो शेयर प्रमाणपत्र क्र. **355,** विशिष्ट **क्र. 1771** से **1775** के धारक हैं, उन्होंने उक्त दस्तावेज गुम होने/खो जाने की जानकारी दी है.

यदि किसी का भी कोई भी दावा/आपत्ति है तो वे सोसायटी के **सचिव** से **15 दिनों** के भीतर संपर्क करें. तत्पश्चात किसी भी दावे पर कोई भी विचार नहीं किया जाएगा और सोसायटी डुप्लीकेट शेयर प्रमाणपत्र जारी करने की आगे की कार्यवाही करने हेतु मुक्त एवं स्वतंत्र होगी.

शिवप्रेमी सहकारी गृहनिर्माण संस्था लि. के लिए एवं उनकी ओर से
हस्ता./-
सेक्रेटरी

स्थान : मुंबई, मालाड — दिनांक : 09.08.2025

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे

अधिसूचना

अधिसूचना संख्या 71/2025, — **दिनांक 07.08.2025**

अधिसूचना संख्या 71/2025, दिनांक 07.08.2025 के संदर्भ में मण्डल रेलवे चिकित्सालय, रायपुर एवं उप-मण्डल चिकित्सालय, बी एम वाय में मानद विजिटिंग विशेषज्ञों के 04 घंटे प्रतिदिन / सप्ताह में 06 दिनों के लिए 07 रिक्तियों के विरुद्ध एक वर्ष के लिए संविदा के आधार पर नियुक्ति हेतु आवेदन आमंत्रित किए जाते है ।

इस अधिसूचना से सबंधित विस्तृत जानकारी के लिए कृपया इस रेलवे की वेबसाइट **http://secr.indianrailways.gov.in→Recruitment/News/Press Release→ Recruitment →Raipur Division** में लॉगिन करें ।

आवेदन जमा करने की अंतिम तिथि 06.09.2025 को शाम 18.00 बजे तक है ।

मंडल रेल प्रबंधक (कार्मिक)
दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे, रायपुर

पीआर/आर/सी.डीपीओ/एएन/131

80 साल के बुजुर्ग को भारी पड़ी ‘ऑनलाइन मोहब्बत’

ठगी के जाल में फंस गंवाए 9 करोड़,734 बार भेजे पैसे

मुंबई। मुंबई में एक 80 साल के बुजुर्ग को सोशल मीडिया पर हुई ‘ऑनलाइन मोहब्बत’ भारी पड़ गई। प्यार और हमदर्दी के नाम पर बुजुर्ग से करीब 9 करोड़ रुपए ठग लिए गए. और ये सब हुआ 734 बार पैसे भेजने के बाद। दरअसल, बात अप्रैल 2023 की है, जब बुजुर्ग ने फेसबुक पर एक महिला ‘शार्वी’ को फ्रेंड रिक्वेस्ट भेजी. पहले मना किया गया, लेकिन कुछ दिन बाद उसी शार्वी ने रिक्वेस्ट भेज दी. बात आगे बढ़ी, चैटिंग शुरू हुई, फिर व्हाट्सऐप पर रिश्ते की गहराई और भरोसा दोनों बढ़ने लगे।

बीमारी का बहाना बना ठगे पैसे : शार्वी ने खुद को तलाकशुदा बताया,दो बच्चों की मां जो कई परेशानियों से जूझ रही है। कभी बच्चों की बीमारी तो कभी घर की तंगी हर बार एक नया बहाना,और बुजुर्ग हर बार मदद के लिए तैयार हो जाते। इसके बाद कहानी में और किरदार जुड़ते गए, कविता नाम की एक और महिला आई, जिसने अश्लील मैसेज भेजे और फिर वही पुराना ड्रामा बीमार बच्चा, इलाज के लिए पैसे।

मेघाश्रेय सर्वोत्तम नागरिक सम्मान समारोह संपन्न

राज्यपाल ने की संस्था की सराहना

मुंबई। विगत वर्षों की तरह इस वर्ष भी मेघाश्रेय संस्था द्वारा सर्वोत्तम नागरिक सम्मान समारोह 2025 कार्यक्रम का भव्य आयोजन सहारा स्टार होटल, विले पार्ले के सभागृह में हर्षोल्लास के साथ किया गया,जिसमें देश के अलग अलग क्षेत्र से अपने अपने सामाजिक कार्यों में देश का नाम रोशन करने वाले वैज्ञानिक,उद्योग जगत, शिक्षा जगत, मीडिया जगत, फिल्म इंडस्ट्री व अन्य सामाजिक क्षेत्र में में विशेष योगदान देने वाले विभूतियों को महाराष्ट्र के राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन, सभापति राम शिंदे, मुंबई भाजपा अध्यक्ष एडवोकेट आशीष शेलार तथा मेघाश्रेय संस्था की संस्थापिका सीमा सिंह के हाथों सर्वोत्तम नागरिक सम्मान से सम्मानित किया गया। इस मौके पर महाराष्ट्र के राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन ने मेघाश्रेय संस्था की अध्यक्षा सीमा सिंह को बधाई देते हुए कहा कि सीमा सिंह ने पूरे देश के कोने कोने से अपनी मेहनत और परिश्रम से देश का गौरव बढ़ाने वाले देश के कोहिनूरों को सम्मान देने के लिए जो खोज निकाला है, उसके लिए मैं सीमा सिंह को बधाई देता हूं। उन्होंने कहा कि संस्था द्वारा किये जा रहे ऐसे कार्यों के लिए ये अभिनंदन की पात्र हैं। मै उम्मीद करता हूं कि इसी तरह का कार्य संस्था आगे भी करती रहेगी।

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे

निविदा सूचना

निविदा सूचना क्रमांक: AEE-WRS-R-25-26-OT-EW-03 **कार्य का नाम:** सामान्य विद्युत कार्य - **(1)** प्रशासनिक भवन का नवीनीकरण। **(2)** स्टोर और अकाउंट के लिए नया कार्यालय भवन। **मात्रा व संविदात्मक अवधि:** संलग्नक अनुसार, 12 (बारह) माह की अवधि हेतु, **अनुमानित निविदा मूल्य:** ₹ 52,39,436/-, (रु.बावन लाख उनतालीस हजार चार सौ छत्तीस मात्र) GST सहित, **बयाना राशि:** ₹ 1,04,800/- (रु. एक लाख चार हजार आठ सौ मात्र), **निविदा दस्तावेज लागत:** ₹ 0.00, **बिड प्रारंभ की तारीख:** दि. **27.08.2025**, **निविदा समाप्ति तिथि व समय:** दि. **10.09.2025** को **15:00** बजे, **पात्रता मापदंड:** वेबसाइट पर देखें । इस निविदा के विरुद्ध मैनुअल प्रस्ताव स्वीकार नहीं किया जाएगा। निविदा का पूर्ण विवरण वेबसाइट **www.ireps.gov.in** पर उपलब्ध है व देखा जा सकता है।

उप मुख्य यांत्रिक अभियंता, वैरिशा, दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे, रायपुर

PR/R/WRS/MS/129

South East Central Railway @secrail

MAHATRANSCO
Maharashtra State Electricity Transmission Co. Ltd.

TENDER NOTICE (1st Call)

MSETCL invites online bids (E Tender) from registered contractors / agencies on Mahatransco E-Tendering website **https://srmetender.mahatransco.in** for following works. **Tender No.:** EE/EHVPD-II/PN/T/T-01/2025-26 **RFX No. 7000037214, Work:** Call for E-tender (1st Call) Work of Tree cutting/ Trimming - Cutting of all trees (about 1350 no of trees), bushes, shrubs etc. (in Hilly area/ Dense Forest/ Creek) within the 27 mtr corridor of 132kV Rahatani-NCL D/C EHV Lines and cutting trees, branches, bushes should be removed and dumped away (or stack) upto 1 km as per the instruction of the Military Authority for carrying out balance construction work of 132kV Rahatani-NCL D/C line under EHV Project Division-II, Pune. **Tender Amount:** Rs. 1132043.17/- **EMD:** Rs 11,320.43/- **Tender Fees:** Rs.500/- + GST. **Download of tender documents:** from dt.09.08.2025 @00:01hrs to dt.23.08.2025 upto 23:59:00 hrs. **Bid Opening:** Dt.25.08.2025 probably after 10:00hrs (Tech Bid) dt. 26.08.2025 probably after 10:00 hrs (Price Bid) For further details visit our website **https://srmetender.mahatransco.in** and open above RFX for downloading tender document, schedules, and annexures.

Sd/-
Executive Engineer
EHV Project Div-II, Pune

'बांग्लादेशी घुसपैठियों' को पुन: बसाएगी कांग्रेस

असम की हिमंत बिस्वा सरमा सरकार के अनुसार 'बांग्लादेशी घुसपैठिए और संदिग्ध नागरिक' कथित तौर पर असम के 10 लाख एकड़ जमीन पर अतिक्रमण किए हुए हैं। वर्तमान सरकार जहां इस भूमि को मुक्त कराने के लिए एक अभियान चला रही है। वहीं दूसरी तरफ कांग्रेस इस मुहिम का विरोध कर रही है। और इसे कोर्ट के आदेशों की अवमानना बता रही है।

असम की हिमंत बिस्वा सरमा सरकार लगातार अवैध रूप से कब्जा की गई जमीन को खाली कराने के अभियान में लगी हुई है। इधर असम के कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष और सांसद गौरव गोगोई ने कहा है कि अगर कांग्रेस सत्ता में आती है तो वह अतिक्रमणकारियों को एक बार फिर जमीन वापस दे देगी। कांग्रेस शुरू से अवैध रूप से कब्जा किए गए जमीन को मुक्त करने के अभियान का विरोध कर रही है जबकि अतिक्रमणकारियों में बांग्लादेशियों की संख्या काफी बताई जा रही है। असम प्रदेश कांग्रेस समिति के अध्यक्ष गौरव गोगोई ने 3 अगस्त को कहा, "अगर अगले साल विधानसभा चुनाव में विपक्षी पार्टियां सत्ता में आती हैं तो वापस ली गई जमीन को एक बार फिर वंचित लोगों को आवंटित कर देगी।" जोरहाट से लोकसभा सांसद गोगोई ने कहा, "मुख्यमंत्री और उनके मंत्रियों ने भूमि सुधार के नाम पर अवैध रूप से अर्जित की गई जमीनों को नई कांग्रेस सरकार की पहली कैबिनेट बैठक में ही गरीबों में बाँटने का फैसला लिया जाएगा।" उन्होंने बताया कि उनकी पार्टी जनता की मदद के लिए भूमि और आर्थिक नीति दोनों में बदलाव लाएगी। कांग्रेस नेता ने यह भी कहा, "हिमंत बिस्वा सरमा के शासनकाल में हुई लूट और अन्याय पर रोक लगाई जाएगी। कांग्रेस प्रगतिशील भूमि नीतियों और आर्थिक विकास पर आधारित एक नई सरकार बनाएगी।" उन्होंने जोर देकर कहा कि लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गाँधी के इस वादे को पूरा करना उनकी जिम्मेदारी है कि असम के लोग मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा को जेल में देखेंगे। इसका जवाब देते हुए मुख्यमंत्री सरमा ने भी कहा, " क्या गारंटी है कि मुझसे पहले राहुल गाँधी जेल नहीं जाएँगे।" उन्होंने कहा कि एक राष्ट्रीय नेता का इस तरह का बयान देना काफी अपमानजनक है और तब जब नेता अपनी माँ सोनिया गाँधी के साथ नेशनल हेराल्ड केस में पहले ही जमानत पर है। कांग्रेस असम में अतिक्रमण हटाने के

अभियान का शुरू से विरोध कर रही है और इसे कोर्ट के आदेशों की अवमानना बता रही है। जबकि तथ्य ये है कि गुवाहाटी हाईकोर्ट ने असम, अरुणाचल प्रदेश, नगालैंड और मिजोरम जैसे 4 पूर्वोत्तर राज्यों की सीमाओं पर मौजूद वन क्षेत्रों में अतिक्रमण से निपटने के लिए एक उच्च स्तरीय समिति का गठन करने का आदेश दिया है। एनजीटी को केन्द्रीय पर्यावरण मंत्रालय ने एक रिपोर्ट सौंपी है जिसमें बताया गया है कि मार्च 2024 तक राज्य में कुल अतिक्रमणग्रस्त वन क्षेत्र 3,620.9 वर्ग किलोमीटर (3,62,090 हेक्टेयर) था, जो देश में मध्य प्रदेश के बाद दूसरे स्थान पर आता है। अतिक्रमण के खिलाफ दायर याचिका में ये भी बताया गया था कि इसका वन्यजीवों और वन संरक्षण पर काफी बुरा असर पड़ा है। इस पर गुवाहाटी हाईकोर्ट ने असम सरकार को वन संरक्षित क्षेत्रों से अतिक्रमण हटाने का आदेश दिया था। इससे पहले भी गुवाहाटी हाईकोर्ट वन क्षेत्रों को अतिक्रमण से मुक्त कराने का आदेश कई बार दे चुका है। जानकारों की माने तो राज्य में दशकों से चल रहे वन क्षेत्र में अतिक्रमण का असर जीव-जन्तुओं पर पड़ा है। ये लोग अक्सर गाँवों की ओर भागने के लिए विवश होते हैं। खास कर हाथियों के गाँव के खेतों में घुसने और लोगों पर हमला करने की कई घटनाएँ सामने आई है। असम के विशेष रूप से ग्वालपाड़ा जैसे जिलों में आम लोगों और हाथियों के बीच संघर्ष की खबरें आती रहती हैं। अतिक्रमण से जैव विविधता पर भी असर पड़ा है। लेकिन कॉन्ग्रेस राजनीतिक फायदे के लिए जमीन वापस करने की बात कह रही है। यहाँ तक कि पिछले साल सोनापुर के कोसुटोली इलाके में अवैध रूप से घुसे बांग्लादेशी घुसपैठियों को उकसाने के आरोप भी कॉन्ग्रेस पर सीएम सरमा ने लगाते हुए कहा था कि "कांग्रेस और अन्य कट्टरपंथी ताकतों ने अतिक्रमणकारियों को उकसाया। उन्होंने पुलिस पर हमला किया। बांग्लादेश में जो नारा लगाया जा रहा था, वही नारा अब यहाँ भी लगाया जा रहा है। असम पुलिस की कार्रवाई के बाद इलाका फिर से शांत हो गया है और बेदखली का काम जारी है।" ग्वालपाड़ा में सरकार की कार्रवाई के दौरान हिंसा भड़क गई थी, जिसमें 21 पुलिसकर्मी घायल हुए थे। इसके बाद सरमा ने आरोप लगाया कि कॉन्ग्रेस नेता राहुल गाँधी ने चायगाँव में पार्टी कार्यकर्ताओं को 'अतिक्रमणकारियों' और 'भूमि जिहादियों' को सरकारी जमीन पर कब्जा करने के लिए उकसाया। मुख्यमंत्री सरमा ने कहा, " उन्होंने कहा था कि उन्हें उसी वन क्षेत्र में फिर से बसाया जाएगा और घर दिए जाएँगे, लेकिन उन लोगों को नहीं पता कि वनक्षेत्र में किसी को नहीं बसाया जा सकता। " सीएम सरमा ने कांग्रेस नेता गौरव गोगोई पर पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी से संबंध होने के आरोप लगाते रहे हैं। गोगोई की ब्रिटिश पत्नी एलिजाबेथ कूलबर्न जब दिल्ली के क्लाइमेट एंड डेवलपमेंट नॉलेज नेटवर्क में प्रोजेक्ट मैनेजर थी, उस वक्त उनके एक पाकिस्तानी से संबंध थे। पाकिस्तानी मूल के अली तौकीर शेख और एलिजाबेथ एक ही ऑफिस में काम करते थे। शेख एशिया क्षेत्रीय निदेशक थे। उनपर भारत के खिलाफ सोशल मीडिया में गलत जानकारी देने का रिकॉर्ड रहा है। उन्होंने दिल्ली दंगों को लेकर संसद में दिए गोगोई के बयान का समर्थन किया था। फरवरी में सीएम सरमा ने आरोप लगाया था, "आईएसआई से संबंध, युवाओं का ब्रेनवॉश और पिछले 12 सालों से भारतीय नागरिकता लेने से इनकार करने के आरोपों से जुड़े गंभीर सवालों के जवाब दिए जाने की जरूरत है। इसके अलावा, धर्मांतरण गिरोह में शामिल होना और राष्ट्रीय सुरक्षा को अस्थिर करने के लिए जॉर्ज सोरोस समेत बाहरी लोगों से धन लेना गंभीर चिंता का विषय है, जिसे नजरअंदाज नहीं किया जा सकता है।" इसी प्रकार गृह मंत्री अमित शाह ने हाल ही में यही बात कही थी। उन्होंने गोगोई की ओर मुखातिब होते हुए कहा था, "आप कई बार पाकिस्तान गए हैं, लेकिन क्या कभी बॉर्डर वाले इलाकों में गए हैं। क्या आप समझते हैं कि हमारे सैनिक किस परिस्थितियों में काम करते हैं।" असम सरकार ने कई अवैध मदरसों पर भी कार्रवाई की। इन मदरसों को शिक्षा देने के नाम पर कट्टरपंथी धार्मिक प्रशिक्षण दिया जा रहा था। यहाँ तक कि ये भी पता चला कि कई मदरसे के कनेक्शन पाकिस्तान के आतंकवादियों से हैं। इन मदरसों को ध्वस्त करने का कांग्रेस ने विरोध किया था। जानकारों की माने तो गौर करने की बात ये भी है कि गोगोई जब असम कांग्रेस के अध्यक्ष चुने गए, तो बराक घाटी जाकर कट्टरपंथी मौलाना अहमद सईद गोविंदपुरी से मुलाकात की थी।

– रामस्वरूप रावतसरे

राहुल के आरोपों पर सवाल

संसद मे विपक्ष के नेता राहुल गांधी एक बार फिर विवादों के घेरे मे हैं। 4 अगस्त 2025 को देश की सर्वोच्च नयायालय की पीठ ने राहुल गांधी को भारतीय सेना पर अपमान जनक टिप्पणी और चीन द्वारा भारत की भूमि पर कब्जे के उनके गैरजिम्मेदाराना बयान के लिये जहां एक तरफ लताड़ लगाई, वही दूसरी ओर सीमा सड़क संगठन के पूर्व निदेशक उमाशंकर श्रीवास्तव द्वारा उनके विरुद्ध मानहानि के एक लंबित आपराधिक वाद मे लखनऊ और इलाहाबाद उच्च न्यायालय के आदेश पर रोक लगा कर राहत भी दे दी है। विदित हो कि अपनी भारत जोड़ो यात्रा के दौरान राहुल गांधी ने 25 अगस्त 2022 को कारगिल की एक सभा को संबोधित करते हुए उन्होने, गलवान घाटी संघर्ष पर टिप्पणी करते हुए आरोप लगाया था कि चीन ने भारत की 2000 वर्ग किमी॰ भूमि पर कब्जा कर लिया। इस संघर्ष मे भारत के 20 सैनिक शहीद हुए थे। उन्होने यह भी आरोप लगाया था कि चीनी सैनिक अरुणाचल मे हमारे सैनिकों की पिटाई कर रहे है!! राहुल गांधी का ये बयान न केवल काफी मर्मांतक, वेदना और आहत करने वाला था अपितु उन सैनिकों का अपमान था जिन्होने वीरता पूर्वक देश के लिये लड़ते हुए अपना आत्मबलिदान कर प्राणों की आहुति दे दी। उस वीडियो को देश के करोड़ों करोड़ देशवासियों ने स्वयं देखा। देश के सर्वोच्च न्यायालय ने राहुल गांधी के कानूनी सलाहकार अभिषेक मनु सिंघवी से तीखे सवाल करते हुए बड़ी आधारभूत टिप्पणी की, कि राहुल गांधी को कैसे पता कि चीन ने भारत की 2000 वर्ग किमी॰ जमीन पर कब्जा कर लिया? चीन द्वारा जमीन कब्जाने का आधार क्या है? चीनी सेना द्वारा भारतीय सैनिकों की पिटाई जैसे आरोपों पर माननीय न्यायालय ने राहुल गांधी के भारतीय होने पर तीखी और सख्त टिप्पणी करते हुए कहा कि जब सीमा पर पड़ौसी देश के साथ युद्ध की स्थिति और तनाव हो तो कोई सच्चा भारतीय कैसे सेना का अपमान कर ऐसे वक्तव्य दे सकता है? माननीय न्यायाधीशों ने अभिव्यक्ति की आज़ादी के नाम पर कुछ भी कहने और बोलने पर आपत्ति की। संसद मे विपक्षी दल के मुखिया जैसे संवैधानिक पद रहते हुए, सरकार से सवाल पूंछने के अपने अधिकार का प्रयोग न कर सोशल मीडिया पर सवाल पूंछ सनसनी फैलाना अनुचित और असंगत है। उच्चतम न्यायालय द्वारा उक्त आशय के सवाल पर न केवल राहुल गांधी अपितु सभी राजनैतिक पदों पर बैठे महत्वपूर्ण व्यक्तियों के लिये भी एक संदेश हैं कि "बोलने की आज़ादी के नाम पर बगैर किसी प्रमाण और आधार के आरोप-प्रत्यारोप अनुचित, असंगत और अन्यायपूर्ण है। चीन द्वारा भारत की भूमि पर कब्जा करने के आरोपों पर राहुल गांधी की गंभीरता को इस बात से समझा जा सकता है कि अक्टूबर 2020 राहुल गांधी ने चीन द्वारा भारत की 1200 वर्ग किमी॰ जमीन कब्जाने का आरोप लगाया, वहीं दिसंबर 2022 मे 2000 वर्ग किमी॰ और अप्रैल 2025 मे 4000 वर्ग किमी भारतीय जमीन को चीन द्वारा कब्जाने का आरोप लगाया। कहने का तात्पर्य यह है कि राहुल गांधी किसी भी आरोप पर संजीदा नहीं रहते। वे बड़े चलताऊ ढंग से स्वयं ही मामले को उठा कर उसकी विश्वसनीयता पर स्वयं ही प्रश्न चिन्ह खड़ा कर देते हैं जो उचित प्रतीत नहीं होता। लेकिन दक्ष और सक्रिय राजनैतिक पंडितों को माननीय उच्चतम न्यायालय की राहुल गांधी के विरुद्ध तीखी फटकार और टिप्पणियों पर कोई आश्चर्य नहीं हुआ होगा क्योंकि ये कोई पहला मौका नहीं था जब माननीय न्यायालय द्वारा उनके वक्तव्यों और कथनों पर उनके विरुद्ध सख्त और अप्रिय टिप्पणी या कठोर निर्णय न लिये गए हों। राहुल गांधी द्वारा पहले भी बिना किसी आधार और सबूतों के व्यक्तियों, समुदायों और अपने विरोधियों पर असहज, अशोभनीय और अपमानजनक टिप्पणियाँ की जाती रही हैं। राहुल गांधी के इन कृत्यों पर विभिन्न न्यायालयों ने समय समय पर डांट और फटकार कर माफी मांगने, चेतावनी देने और सजा देने के निर्णय दिये हैं। माननीय पाठकों को स्मरण होगा कि मई 2019 मे "चौकीदार चोर है" पर अदालत को गलत ढंग से उद्धृत करने के लिये सुप्रीम कोर्ट से बिना शर्त माफी मांगी थी। 13 अप्रैल 2019 को कर्नाटक के कोलार मे एक चुनावी सभा को संबोधित करते हुए राहुल गांधी ने आरोप लगाया था कि "सभी चोरों के सरनेम मोदी क्यों?" इस आरोप के विरुद्ध मानहानि के केस मे सूरत के एक न्यायालय ने 23 मार्च 2023 को राहुल गांधी को दोषी ठहराते हुए दो साल की सजा सुनाई जिसके कारण उनकी संसद सदस्यता समाप्त हो गयी थी पर उच्चतम न्यायालय द्वारा रोक के बाद अभी मामला कोर्ट मे लंबित है। 14 दिसम्बर 2018 मे राफेल लड़ाकू विमानों की खरीद पर राहुल गांधी द्वारा बेबुनियाद, निरधार और तथ्यहीन आरोपों पर सुप्रीम कोर्ट ने अपने निर्णय मे किसी भी तरह की अनियमिताओं और भ्रष्टाचार से इंकार किया। 14 नवंबर 2019 को अपने निर्णय पर पुनर्विचार की याचिका को खारिज करते हुए अपने निर्णय को कायम रक्खा। इस तरह राहुल गांधी के झूठे आरोपों की हवा निकाल दी। सुप्रीम कोर्ट के इस निर्णय पर सरकार ने इसी बात का संज्ञान लेते हुए राहुल गांधी को संसद के भीतर और बाहर जनता से माफी मांगने की मांग की थी। आरएसएस पर आरोप, स्वतन्त्रता सेनानी वीर सावरकर पर अशिष्ट टिप्पणी, अमित शाह को मर्डर अभियुक्त कहने जैसे अनेक मामले हैं, जब राहुल गांधी ने आरोप लगा कर सनसनी फैला कर वाहवाही लूटी पर कभी कोई प्रमाण आदि नहीं दिये। राहुल का ये स्वभाव है, लोकतन्त्र मे बोलने की आज़ादी के नाम पर आरोप लगाओ और भाग जाओ। राहुल गांधी जैसे जिम्मेदार नेता चीनी सेना के सैनिकों द्वारा भारतीय "सैनिकों की पिटाई" जैसे गली छाप, ओछे शब्दो का उपयोग कैसे कर सकते है? बड़ा खेद और अफसोस है नेहरू-गांधी जैसे देश के सबसे बड़े प्रभावशाली राजनैतिक परिवार के सदस्य होने के नाते राहुल गांधी, क्या अपने आप को देश के कानून और संविधान से उपर समझते हैं? लेकिन लोकतन्त्र का तक़ाज़ा हैं कि राहुल गांधी को संवैधानिक संस्थाओं, लोगों, समूहों के स्वाभिमान और सम्मान को ठेस पहुंचाये बिना, उनके विरुद्ध अनर्गल, आधारहीन और ओछे आरोप लगाने से बचना चाहिये।

कटाक्ष | सुरेश मिश्र

टैरिफ कितना लगा लो, बाबू अंकल शेम
नहीं चलेगा आपका, अब कोई भी गेम
अब कोई भी गेम, फेम है सनकी वाला
नहीं चलेगा दांव, नमो पर धमकी वाला
कह सुरेश कविराय बदलता गिरगिट जितना
सठे साठ्यम होय, लगा लो टैरिफ कितना

दगाबाज चीन पर भरोसा का रिस्क क्यों?

जब भी हमारे देश का कोई प्रधानमंत्री चीन, पाकिस्तान और बंगलादेश जैसे शत्रु देशों से वैश्विक कूटनीति के नाम पर प्रेम और भरोसे की पींगे बढ़ाना चाहता है या फिर नेपाल, श्रीलंका, मालदीव, म्यांमार या तिब्बतियों पर भारतीयों की गाढ़ी कमाई लुटाता है तो मेरे मन में एक ही सवाल पैदा होता है कि हमारे इन नेताओं को इतिहास का ज्ञान नहीं है, या फिर भौगोलिक सच्चाई से ये नादान हैं। क्या इन्हें उन वीर जवानों और साम्प्रदायिक दंगा, आतंकवाद, नक्सलवाद, संगठित अपराध की भेंट चढ़े आमलोगों व सुरक्षा कर्मियों के चेहरे याद नहीं आते, उनकी विधवाओं और बच्चों, वृद्ध माता पिता आदि की याद नहीं आती जिनकी असमय मौत का एकमात्र कारण चीन, पाकिस्तान, बंगलादेश या इनका रिंग मास्टर अमेरिका की विध्वंसक नीतियां रही हैं। मसलन, यहां पर सवाल भूमि के किसी कब्जाए हुए टुकड़े या सांप्रदायिक मिजाज पर वर्चस्व की मानसिकता का नहीं है बल्कि उन दुर्भाग्यपूर्ण राजनीतिक-प्रशासनिक फैसलों से जुड़ा हुआ है जिसकी कीमत हमारे वीर जवानों और आम आदमियों को चुकानी पड़ती है। जैसा कि पूर्व प्रधानमंत्री अटलबिहारी बाजपेयी ने कहा था कि हम इतिहास बदल सकते हैं लेकिन भूगोल नहीं, के बारे में सिर्फ इतनी सी दलील देना चाहूंगा कि आप इतिहास और भूगोल को यथावत रहने दीजिए, बस अपने राजनीति विज्ञान के विषय वस्तु बदल दीजिए। आपको पता होना चाहिए कि राजनीति विज्ञान परिवर्तन शील होता है, इसलिए इसे हमारे वीर जवानों और आम आदमियों के अनुकूल बना दीजिए। आपको भी इस बात का आभास होगा कि हमारे दलित-पिछड़े लोग इन सूक्ष्म प्रशासनिक बारीकियों को नहीं समझ पाते हैं, इसलिए इस अहम बदलाव के लिए किसी जनादेश का इंतजार मत कीजिए बल्कि अपनी अंतरआत्मा से फैसले लीजिए। यह बात मैं इसलिए उठा रहा हूँ कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) के शिखर सम्मेलन में हिस्सा लेने के लिए इस महीने के आखिर में चीन जा सकते हैं। यह सम्मेलन 31 अगस्त और 1 सितंबर को चीन के उत्तरी शहर

तियानजिन में होना है। सवाल है कि ऐसा अप्रत्याशित कदम वह तब उठा रहे हैं जब अमेरिका-चीन प्रेरित हिन्दू विरोधी पाकिस्तानी आतंकवादी पहलगाम हमला और ऑपरेशन सिंदूर से मिले जख्मों को ज्यादा दिन नहीं बीते हैं जबकि साल 2020 में पूर्वी लद्दाख की गलवान घाटी में भारत और चीन के सैनिकों के बीच झड़प के बाद यह मोदी की पहली चीन यात्रा होगी। वह इससे पहले 2018 में चीन गए थे। सीधा सवाल है कि जब प्रधानमंत्री मोदी गलवान सैन्य झड़प से इतने व्यथित थे कि लगातार पांच सालों तक चीन नहीं गए तो अब फिर पहलगाम कांड के तुरंत बाद ऐसा क्यों कर रहे हैं? क्या आपकी अंतरात्मा अब मर चुकी है या फिर अप्रत्याशित अमेरिकी धोखे मिलने के बाद अगले चीनी धोखे खाने की बुनियाद रखने को लालायित मालूम पड़ते हैं! क्या आपको नहीं पता कि जवाहरलाल नेहरू और नरेंद्र मोदी की सद्भावना को मुंह को मुंह चिढ़ाने वाला चीन कभी भी भारत का सगा नहीं हो सकता। सुलगता सवाल है कि वर्ष1962 से साल 2020 तक जब चीन की फितरत नहीं बदली तो आगे फिर किस नीतिगत करिश्मे की उम्मीद आपको है। क्या वह डोकलाम झड़प विस्मृत कर चुके हैं? क्या वह तवांग दंश भूल चुके हैं? क्या बोमडिला उन्हें याद नहीं? क्या आपकी इस यात्रा से लद्दाख से लेकर अरुणाचल प्रदेश तक की उसकी क्षुद्र मानसिकता बदल जाएगी? क्या भारत को उसके ही पड़ोसियों द्वारा घेरने की उसकी फ़ितरत बदल जाएगी? यहां पर मैं यह समझ सकता हूँ कि हमारे कतिपय असरदार पर गद्दार नेताओं-अधिकारियों-उद्योगपतियों की तिकड़ी ने क्षणिक लाभवश अदूरदर्शिता दिखाते हुए अमेरिकी दबाव में भारतीय अर्थव्यवस्था को चीनी अर्थव्यवस्था पर निर्भर बना दिया लेकिन इसी दिक्कत को दूर करने के लिये ही तो यूपीए के प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह को 10 वर्षों के बाद सत्ता से बाहर करते हुए एनडीए के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को केंद्रीय सत्ता सौंपी गई। आप पिछले 11 वर्षों से सत्ता में हैं लेकिन यह समझने में असमर्थ प्रतीत हो रहे हैं कि रूसी दबाव में चीनी मित्रता का प्रयास अपने ही पैर में कुल्हाड़ी मारने जैसा मूर्खता भरा कदम साबित होगा। यह जान लीजिए कि इतिहास खुद को दोहराता है और आप इससे बच नहीं सकते। मेरी स्पष्ट राय है कि अमेरिका से तल्खी के बीच चीन-ईरान से बढ़ रही नज़दीकी कदापि भारत के पक्ष में नहीं होगी। खबर है कि पीएम नरेन्द्र मोदी एससीओ लीडर्स समिट में चीन के राष्ट्रपति शी चिनफिंग से मुलाकात कर सकते हैं। वहीं इस दौरान वो रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से भी द्विपक्षीय मुलाकात कर सकते है। वहीं, चीन यात्रा से एक दिन पहले पीएम का जापान जाने का भी कार्यक्रम है। भारतीय विदेश मंत्रालय ने इन दोनों ही यात्राओं को लेकर फिलहाल कोई औपचारिक बयान नहीं दिया है लेकिन बीते कुछ वक्त से भारत और चीन के संबंध सामान्य होने की दिशा में है। बीते महीने विदेश मंत्री एस जयशंकर चीन की यात्रा पर थे। उन्होंने राष्ट्रपति शी चिनफिंग के साथ मुलाकात में इस बात का जिक्र किया था कि किस तरह से पीएम मोदी और चिनफिंग के निर्देशन से द्विपक्षीय संबंधों को सकारात्मक दिशा मिली है। उसी चीन यात्रा के लिए ग्राउंड वर्क तैयार रहा करने के लिहाज से अहम थी। इससे पहले जून महीने में ही राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल और रक्षा मंत्री राजनाथ भी चीन का दौरा किया था। सवाल है कि इतने तल्खी भरे रिश्ते के बावजूद भी दोनों देश कैसे करीब आए तो जवाब होगा कि पिछले वर्ष रूस में मोदी-जिनपिंग की हुई मुलाकात के बाद द्विपक्षीय रिश्तों की बर्फ़ ही नहीं पिघली बल्कि पहलगाम आतंकी हमला और ऑपरेशन सिंदूर जैसा तात्कालिक जख्म भी मिला जिससे अमेरिका-चीन दोनों बेनकाब हुए।

– कमलेश पांडेय

क्यों फटते हैं बादल?

अभी पिछले दिनों उत्तराखंड, हिमाचल, जम्मू कश्मीर एवं उत्तरी पूर्वी भारत के विभिन्न राज्यों में अनेक प्राकृतिक आपदाएं देखने को मिली है। आईए, आज जानकारी लेते हैं इन आपदाओं के आने के कारण एवं दूसरी बहुत सी उपयोगी बातों के बारे में। हमारे चारों ओर की धरती लगातार बदल रही है। कभी तेज बारिश, कभी पहाड़ गिरने लगते हैं, तो कहीं अचानक पानी का सैलाब आ जाता है। ये सभी घटनाएं प्राकृतिक (प्रकृति से जुड़ी) होती हैं, और इन्हें समझना हमारे लिए जरूरी है। इन घटनाओं को सरल भाषा में समझते हैं। बादल फटना तब होता है जब बहुत कम समय में किसी इलाके में अत्यधिक बारिश हो जाती है। यह खासकर पहाड़ी क्षेत्रों में होता है। जब हवा में बहुत अधिक नमी जमा हो जाती है और वह एक छोटे इलाके में अचानक गिर जाती है तो उसे बादल फटना कहते हैं। परिणामः अचानक बाढ़ आ जाती है। मकान, सड़कें और पुल बह जाते हैं, जान-माल का भारी नुकसान होता है जैसे अभी-अभी उत्तराखंड, हिमाचल और जम्मू-कश्मीर में अक्सर बादल फटने की घटनाएं घटित हुई हैं। अपरदन का अर्थ है – धरती की ऊपरी परत का किसी बाहरी ताकत द्वारा हट जाना। यह हवा, पानी या बर्फ के कारण होता है। कैसे होता है ? तेज बारिश से मिट्टी बह जाती है। नदियों का पानी तटों को काटता है तेज हवा मिट्टी उड़ाकर कहीं और जमा कर देती है। परिणामः खेत बंजर हो जाते हैं। पहाड़ों की मिट्टी बह जाती है । नदियों में गाद जमा हो जाती है जिससे वह अधिक मात्रा में पानी धारण नहीं कर पाती हैं और बाद में इससे बाढ़ भी आने का खतरा होता है कई बार यह उपजाऊ खेतों को बंजारा भी बना देती है। अपक्षय एक धीमी प्रक्रिया है जिसमें चट्टानें टूट-टूटकर मिट्टी में बदल जाती हैं। यह गर्मी, ठंड, पानी और पेड़-पौधों की जड़ों के कारण होता है। अपक्षय कई प्रकार का होता है जैसे भौतिक अपक्षय इसमें तापमान के कारण चट्टान टूटती है जबकि रासायनिक अपक्षय में बारिश का पानी चट्टानों से रासायनिक क्रिया करता है और जैविक अपक्षय में पेड़-पौधों की जड़ें चट्टानों को तोड़ती हैं। मिट्टी बनती है जो खेती के लिए जरूरी होती है। लेकिन कई बार यही मिट्टी बारिश के पानी या हवा के साथ उड़कर दूसरे स्थान पर जाकर तबाही भी मचा देती है इससे धूल भरी आंधियां भी चलने की आशंका बनी रहती है। भूस्खलन तब होता है जब भारी बारिश या भूकंप के कारण पहाड़ों से मिट्टी, चट्टानें और पेड़ नीचे की ओर गिरने लगते हैं। भूस्खलन के प्रमुख कारणों में तेज बारिश, पेड़ों की कटाई, सड़क या निर्माण कार्य मुख्य हैं। पहाड़ी क्षेत्रों में भूस्खलन की वजह से कई बार रास्ते बंद हो जाते हैं, यातायात एवं संपर्क बाधित हो जाते हैं और गांव व शहर खतरे में आ जाते हैं, जान-माल की भी हानि होती है। वलन और अपभ्रंश की प्राकृतिक प्रक्रियाएं धरती की अंदरूनी हलचलों से जुड़ी होती हैं। जब दो टेक्टोनिक प्लेटें आपस में टकराती हैं, तो चट्टानें ऊपर की ओर मुड़ जाती हैं। उसे ही वलन कहते हैं। इससे पहाड़ बनते हैं, जैसे – हिमालय। पृथ्वी की अंदरूनी चट्टानों में तनाव की वजह से अपभ्रंश होता है और धरती में दरारें बनती हैं और एक हिस्सा ऊपर या नीचे चला जाता है, तो उसे अपभ्रंश कहते हैं। इससे भूकंप आ सकते हैं।

– डॉ. घनश्याम बादल

आज का कार्टून

साभार

जब राखी के एक धागे से एकजुट हुआ था बंगाल

रक्षा-बंधन भाई और बहन के भावनात्मक प्रेम को उत्सव का रूप देने वाला एक विशेष अवसर होता है। इस अवसर पर बहनें अपने भाईयों की कलाइओं पर एक पवित्र धागा 'राखी' बांधती हैं। यह प्रदर्शित करता है कि बलवान को सभी बुराइयों से निर्बलों की रक्षा करनी चाहिए। यह मुख्य रूप से भारत, मारीशस, नेपाल और पाकिस्तान के कुछ भागों में हिंदू, जैन एवं अधिकांश सिक्खों द्वारा मनाया जाता है। गुरूदेव रवींद्रनाथ टैगोर की दृष्टि में रक्षाबंधन का मनाया जाना पूर्णतः भिन्न था। उनके अनुसार राखी केवल बच्चों का त्योहार नहीं था बल्कि यह मानव जाति और मानवता का एक त्योहार था। उनका विश्वास था कि सामाजिक जीवन को सौहार्दपूर्ण बनाने के लिए एक-दूसरे की सहायता एवं सुरक्षा करना समाज के सभी सदस्यों की जिम्मेदारी है। उनके लिए रक्षा-बंधन सहानुभूति का त्योहार था। 1905 ई0 में जब अंग्रेजों ने धर्म के आधार पर बंगाल के विभाजन का निश्चय किया, तो रवींद्रनाथ टैगोर ने बंगाल के हिन्दु और मुसलमानों के बीच ब्रिटिश सम्राज के विरूद्ध उनके संघर्ष में प्रेम और एकता के बंधन को मजबूत करने के लिए रक्षाबंधांतो उत्सव के लिए एक समारोह आयोजित किया। उन्होंने 'रक्षाबंधांतो' को विभिन्न धर्मों के लोगों के बीच भ्रातृत्व और राष्ट्रीयता की अनुभूति के प्रसार के लिए एक प्लेटफॉर्म के रूप में प्रयोग किया। शांति निकेतन में उन्होंने शांतिपूर्ण

सह-अस्तित्व की भावना और विश्वास को बढ़ाने के लिए राखी महोत्सव जैसी मंडलियों की शुरूआत की। रक्षाबंधन सावन के पूर्णिमा के दिन मनाया जाता है। इस दिन बहनें अपने भाईयों की कलाईयों पर पवित्र राखी का धागा बांधती हैं और उनके दीर्घायु होने की प्रार्थना करती है। राखियां अनेक रंगों और डिजाईनों में उपलब्ध होती हैं। आदर्श रूप में राखियां रेशमी धागों के साथ सोने और चाँदी में सुंदर रूप में बहुमूल्य पत्थरों से सज़ा कर बनाई जाती हैं। भाई बदले में अपनी बहनों को उपहार देते हैं और उनके देखभाल करने की प्रतिज्ञा लेते हैं। उत्तर भारत में राखी पुर्णिमा को कजरी पूर्णिमा या कजरी नवमी भी कहा जाता है, जब गेहूं या जौ बोया जाता है और देवी भगवती की पूजा की जाती है। पश्चिमी राज्यों में यह त्योहार नारियल पूर्णिमा कहलाता है। दक्षिणी भारत में श्रावण पूर्णिमा एक महत्वपूर्ण धार्मिक अवसर होता है। ऐतिहासिक रूप से राखी का यह बंधन विभिन्न साम्राज्यों और शाही राज्यों के बीच एक मजबूत बंधन के रूप में सामने आया। भारतीय इतिहास साक्षी है कि राजपूत और मराठा रानियों ने मुगल राजाओं को भी राखियां भेजीं, उनके बीच मतभेदों के बावजूद उन्हें आपात स्थिति में सहयोग एवं संरक्षण प्रदान किया और उनके भाई होने के दावे को सम्मानित किया। इसलिए अगर हमलोग आज के संसार में, जो संकट एवं संघर्ष से भरा हुआ है, इस उत्सव की वास्तविक महत्ता को देखें तो इस प्रकार के धार्मिक कृत्य शांतिपूर्ण सह-अस्तित्व की कुंजी है। रक्षा-बंधन का शुभ दिन सामाजिक परिवर्तन के एक अवसर के रूप में मनाया जा सकता है। यह बंधन लोगों को प्रेम और बंधुत्व के एक स्थाई बंधन में बाँध सकता है। रवींद्रनाथ टैगोर ने मित्रों के बीच रक्षा-बंधन को लोकप्रिय बनाने के लिए सफेद धागों का प्रयोग किया। रक्षा-बंधन पर उनकी कविता- 'बंगलार माटी, बंगलार जल(ईश्वर, बंगाल की भूमि और जल को अपनी आशीर्वाद प्रदान करे) मातृभूमि और लोगों के प्रति उनके प्रेम को दर्शाता है।

– कुमार कृष्णन

चुनाव से पहले चिराग पासवान के बयानों से परेशान NDA

भाजपा नेतृत्व से मिल सकता है बड़ा मैसेज

महानगर नेटवर्क

पटना

अगले कुछ महीनों में विधानसभा चुनाव होने हैं, लेकिन केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान राज्य की नीतीश कुमार सरकार पर कानून-व्यवस्था को लेकर लगातार हमला बोलते रहे हैं. एनडीए का हिस्सा होने के बाद भी राज्य की नीतीश सरकार पर चिराग के तीखे तेवर कई बार बीजेपी की अगुवाई वाले गठबंधन को परेशानी में डाल देते हैं. बीजेपी नेतृत्व अब इस मामले में गार्जियन की भूमिका निभाने जा रही है ताकि वे आगे गठबंधन के लिए परेशानी का सबब न बने.पिछले कुछ महीनों में बिहार में कानून-व्यवस्था में तेजी से गिरावट आई है. ताबड़तोड़ फायरिंग और मर्डर की घटनाओं ने जहां राज्य की नीतीश सरकार को चिंता में डाल दिया तो वहीं चिराग पासवान अपने तेवर और सवालों से कानून व्यवस्था पर सवाल उठाकर एनडीए को परेशानी में डालते रहे. उनके बयानों ने विपक्ष को बिहार की नीतीश सरकार पर हमला करने का मौका दे दिया।

एनडीए नेताओं के लिए भ्रम की स्थिति

यही नहीं चिराग पासवान केंद्र सरकार में मंत्री होने के बाद भी राज्य में विधानसभा चुनाव लड़ने की बात लगातार सार्वजनिक मंचों पर कहते रहे हैं, इस वजह से एनडीए नेताओं में भी भ्रम की स्थिति बनी हुई है। अब उनके बयानों से परेशान बीजेपी के आलाकमान ने उनसे मुलाकात की। मुलाकात के दौरान चिराग पासवान को बीजेपी के एक वरिष्ठ नेता ने समझाया कि ऐसे बयानों से ना सिर्फ एनडीए को लेकर जनता में भ्रम फैलता है बल्कि नेताओं और कार्यकर्ताओं में भी असमंजस की स्थिति पैदा होती है। सूत्रों के अनुसार, बीजेपी नेतृत्व की ओर से जल्दी ही चिराग के साथ एक और मुलाकात की जाएगी जिसमें उन्हें बिहार चुनाव को देखते हुए विवादित बयानों से परहेज करने के साथ-साथ एनडीए के प्रति एकजुटता दिखाने और नेतृत्व को लेकर भ्रम पैदा करने वाले बयानों से बचने का संदेश दिया जा सकता है।

'हमने AIMIM को वोट दिया था, आपने पार्टी बदल ली'

आरजेडी विधायक पर फूटा किशनगंज के ग्रामीणों का गुस्सा

महानगर नेटवर्क

किशनगंज

किशनगंज जिले के कोचाधामन प्रखंड में आरजेडी विधायक इजहार अस्फी को ग्रामीणों और मतदाताओं के तीखे विरोध का सामना करना पड़ा है। विधायक जब ग्रामीणों के बीच पहुंचे तो उन्हें विरोध का सामना करना पड़ा। सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे वीडियो में देखा जा सकता है कि स्थानीय लोग विधायक पर पार्टी बदलने का आरोप लगाते हुए नाराजगी जाहिर कर रहे हैं। वायरल हो रहे वीडियो में एक युवक विधायक से कहता नजर आ रहा है,हमने आपको एआईएमआईएम के टिकट पर वोट दिया था।

कोचाधामन से विधायक चुने गए थे इजहार अस्फी

दरअसल, इजहार अस्फी 2020 के विधानसभा चुनाव में एआईएमआईएम के टिकट पर कोचाधामन से विधायक चुने गए थे। लेकिन बाद में उन्होंने आरजेडी का दामन थाम लिया। इस कदम से क्षेत्र के मतदाताओं में नाराजगी देखी जा रही है। वायरल वीडियो में ग्रामीण विधायक से तीखी बहस करते दिख रहे हैं। एक युवक ने उनसे सवाल किया कि उन्होंने मतदाताओं का विश्वास क्यों तोड़ा। जवाब में विधायक कहते सुने जा रहे हैं, तुम जिससे बात कर रहे हो, उसका नाम इजहार अस्फी है।

बिहार में खौफनाक कांड,बाप - बेटे को पेट्रोल छिड़क जलाया

पुत्र की मौत, पिता की हालत नाजुक

महानगर नेटवर्क

कटिहार

कटिहार जिले के कदवा थाना क्षेत्र से एक हैरान करने वाला मामला सामने आया है। यहां पर एक पिता-पुत्र पर कुछ अज्ञात लोगों ने पेट्रोल छिड़ककर आग लगा दी। इस घटना में 12 वर्षीय बेटे की मौत हो गई। जबकि पिता की हालात गंभीर बताई जा रही है। इलाज के पीड़ित को गंभीर हालात में कटिहार के सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया। पुलिस मामले की जांच में जुट गई है। पुलिस की तरफ से दावा किया जा रहा है कि जल्द ही आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

घटना कटिहार जिले के कदवा थाना क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले गांव कचोरा की है। यहां एक 12 वर्षीय बेटे और उसके पिता पर पेट्रोल छिड़ककर उसे जिंदा जलाने की कोशिश की गई। इस घटना में मासूम की मौत हो गई, जबकि उसके पिता की हालात गंभीर बनी हुई है। इसका अस्पताल में इलाज चल रहा है। घटना की जानकारी मिलने के बाद पुलिस मामले की छानबीन में जुट गई है।

सोते वक्त पेट्रोल डालकर लगा दी आग

घटना से इलाके में सनसनी फैल गई। लोगों ने बताया कि पिता-पुत्र रात में सोए हुए थे। इसी दौरान कुछ अज्ञात लोगों ने उन पर पेट्रोल छिड़ककर आग लगा दी। वहीं 12 वर्षीय बच्चे की मौत के बाद ग्रामीणों में भारी गुस्सा है। तनाव को देखते हुए स्थानीय पुलिस इलाके में गश्त कर रही है।

मृतक के दादा ने दर्ज कराई शिकायत

वहीं घटना की शिकायत मृतक के दादा लक्ष्मी मंडल ने कदवा थाने में दर्ज कराई है। परिजनों ने आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। उन्होंने बताया कि मृतक अपने पिता राम कल्याण मंडल के साथ सोया हुआ था। वहीं मृतक का दूसरा भाई अपने दादा के साथ सोया हुआ था। आग लगने के बाद दादा और उनके साथ सोया पोता चीखने चिल्लाने लगे। उनकी आवाज सुनकर आसपास के लोग पहुंचे और दोनों को इलाज के लिए अस्पताल लेकर गए। यहां उपचार के दौरान बेटे ने दम तोड़ दिया।

बाढ़ में डूबा बिहार का यह थाना,पानी में तैर रही पुलिस गाड़ी

दारोगा कर रहे नाव से गश्ती

महानगर नेटवर्क

पटना

बिहार में बाढ़ का संकट गहराने लगा है। गंगा-कोसी समेत तमाम प्रमुख नदियों का जलस्तर लगातार बढ़ा है। जिससे नदी का पानी रिहाइशी इलाके में फैलने लगा। बक्सर में गंगा का पानी अब घटने लगा है लेकिन बाढ़ से जो हालात बने हैं उससे लोगों की परेशानी नहीं कमी है। बक्सर के सिमरी प्रखंड के दर्जनों गांव में लोग बाढ़ से तबाह हैं। रामदास राय का डेरा थाना जलमग्न हो गया है। बक्सर में ग्रामीणों के साथ ही रामदास राय के डेरा थाने की पुलिस भी बाढ़ से तबाह है। बाढ़ का पानी थाने को घेर चुका है। पुलिस वाहन व जब्त की गयी गाड़ियां भी पानी में डूबी हुई है।

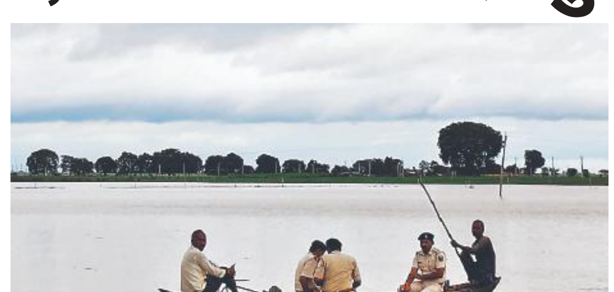

बक्सर के दर्जनों गांव में बाढ़ का पानी फैला

बक्सर के दर्जनों गांव में बाढ़ का पानी फैला हुआ है। ग्रामीण पानी में टापू बने क्षेत्र में किसी तरह गुजर बसर कर रहे हैं। गंगा का पानी बढ़ा तो दियारा के लोगों की समस्या बढ़ गयी। कई इलाकों का संकर्प टूट चुका है। सिमरी प्रखंड में एक दर्जन से अधिक स्कूल बाढ़ की चपेट में हैं। बच्चों की पढ़ाई पूरी तरह ठप है। प्रखंड क्षेत्र के 11 स्कूलों का काम दूसरे स्कूलों में शिफ्ट कर दिया गया है।

पानी घटा पर मुसीबत नहीं टली

बक्सर में गंगा का पानी नौ दिनों के बाद अब घटने लगा है। लेकिन जिन क्षेत्रों में बाढ़ का पानी घुसा हुआ है वहां परेशानियां अभी भी है। पानी घटने के बाद भी गंगा का जलस्तर बक्सर में खतरे के निशान के ऊपर ही है। जलस्तर में गुरुवार से मामूली कमी शुरू हुई। बक्सर-कोइलवर तटबंध अभी पूरी तरह सुरक्षित है। बक्सर में गंगा का जलस्तर आज शुक्रवार को दिन में 12 बजे के बाद 60.65 सेंटीमीटर दर्ज हुआ। गंगा यहां लाल निशान 60.32 के ऊपर बह रही है। अभी बारिश के आसार बने हुए हैं।

गंगा स्नान और प्रवेश पर पूर्ण प्रतिबंध

जिला प्रशासन ने श्रद्धालुओं की सुरक्षा को देखते हुए नमामि गंगा घाट को अस्थायी रूप से बंद कर दिया है। घाट पर स्नान और प्रवेश पूरी तरह प्रतिबंधित कर दिया गया है। प्रशासन ने श्रद्धालुओं को केवल अजगैबीनाथ घाट पर ही स्नान करने की अनुमति दी है, जहां सुरक्षा के मद्देनजर पुलिस बल की तैनाती, गोताखोरों की मौजूदगी और बैरिकेडिंग की व्यवस्था की गई है।

जमुई में चलती ट्रेन से गिरा मैकेनिक

- 4 घंटे ट्रैक किनारे पड़ा रहा
- ग्रामीणों और पुलिस ने अस्पताल पहुंचाया

महानगर नेटवर्क

जमुई

जमुई के किउल-जसीडीह रेलखंड पर गुरुवार की देर रात एक दुर्घटना हुई। कटौना रेलवे हॉल्ट के केबिन के पास ट्रेन में अधिक भीड़ होने के कारण एक युवक चलती ट्रेन से नीचे गिर गया। युवक की पहचान मुंगेर के तारापुर थाना क्षेत्र के गाजीपुर गांव निवासी साइन शाह का मोहम्मद इमरोज शाह के रूप में हुई है। इमरोज जमुई के झाझा में AC और बिल्डर का काम करता है। वह गुरुवार की रात ट्रेन से अपने घर जा रहा था। ट्रेन में अत्यधिक भीड़ के कारण वह कटौना रेलवे हॉल्ट के समीप चलती ट्रेन से गिर गया।

4 घंटे तक रेलवे ट्रैक किनारे पड़ा रहा

दुर्भाग्य से, इमरोज लगभग 4 घंटे तक रेलवे ट्रैक के किनारे घायल अवस्था में पड़ा रहा। शुक्रवार सुबह शौच के लिए जा रहे स्थानीय लोगों की नजर उस पर पड़ी। उन्होंने तुरंत केबिन मैन को सूचित किया, जिसने प्राथमिक उपचार करने के बाद मलयपुर थाने की पुलिस को जानकारी दी।

'बढ़िया काम नहीं की, चुनाव नहीं लड़ेगी'

पत्नी नीलम सिंह पर भड़के छोटे सरकार

महानगर नेटवर्क

मोकामा

मोकामा के चर्चित विधायक अनंत सिंह जेल से रिहा होने के बाद लगातार सुर्खियों में हैं। बाहर आते ही उन्होंने सबसे पहले 2025 में मोकामा सीट से खुद चुनाव लड़ने का ऐलान किया।

इसके साथ ही उन्होंने आरजेडी नेता तेजस्वी यादव को सीधी चुनौती देते हुए कहा कि अगर वे मोकामा से चुनाव लड़ेंगे तो उनकी जमानत जब्त कर देंगे। अब अनंत सिंह ने अपने ही गढ़ की मौजूदा विधायक और पत्नी नीलम देवी पर भी निशाना साधा है। उनका कहना है कि नीलम देवी ने काम नहीं किया और जनता से नहीं मिली जुली।

पत्नी नीलम पर क्या बोले

मीडिया से बातचीत में जब पत्नी को दोबारा चुनाव लड़ाने के सवाल पर पूछा गया तो अनंत सिंह ने साफ कहा, "नहीं, बढ़िया काम नहीं किया. गुस्सा नहीं है, लेकिन जनता से मेल-जोल नहीं रखा." पत्नी के खिलाफ बोलने पर सवाल करने पर उन्होंने कहा, "पत्नी रहे खचरी तो उसका कहें शुद्धा. कोई खचर है तो शुद्धा कहें." घर लौटने पर पत्नी के नाराज होने की बात पर भी उन्होंने जवाब दिया, "जो कहा है, वाजिब कहा है।

भाइयों से तंग आकर छपरा के जवान ने की आत्महत्या

छपरा। छपरा के जवान जितेंद्र सिंह ने ड्यूटी के दौरान अपनी सर्विस राइफल से गोली मारकर आत्महत्या कर ली। वे गोरखपुर एयरपोर्ट पर रनवे की सुरक्षा में डिफेंस सिक्योरिटी कॉर्प्स (DSC) के रूप में तैनात थे। जवान ने सर्विस राइफल (AK-103) से खुद के पेट में गोली मारी। वारदात का पता उस वक्त चला, जब रिलीवर ड्यूटी करने पहुंचा। देखा तो जवान की लाश खून से लथपथ रनवे पर पड़ी मिली। इसके बाद पुलिस बुलाई गई। पुलिस को शव के बगल में सुसाइड नोट मिला, जिसमें लिखा था- मैं अपने भाइयों से तंग आ चुका हूं, फर्जी केस ने जीना मुश्किल कर दिया है। अब बर्दाश्त नहीं होता। इस दर्द के साथ अब जीना कठिन हो रहा है। इसलिए जीवन को विराम दे रहा हूं।

फिलहाल, पुलिस ने शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है। आसपास के CCTV भी खंगाले जा रहे हैं, ताकि घटना का समय पता चल सके। घटना बुधवार देर रात की है।

पोस्टमार्टम के लिए शव दूसरी बार पहुंचा अस्पताल

महानगर नेटवर्क

समस्तीपुर

समस्तीपुर के वैनी पूसा थाने के गंगापुर गांव में 12 घंटे के अंदर एक विवाहिता का शव दूसरी बार सदर अस्पताल लाया गया। पहले पति ने बताया कि उसकी पत्नी सीढ़ी से गिर गई है, जिस कारण उसकी मौत हुई है। इस कारण सभी लोग बिना पोस्टमार्टम कराए लाश सदर अस्पताल से वापस ले गए। घटना की सूचना पर जब विवाहिता के पिता पहुंचे, तो इस मामले को हत्या बताया और हत्या को लेकर दुबारा शव सदर अस्पताल लाया गया है।

विवाहिता की पहचान गंगापुर गांव के टिंकू चौधरी की पत्नी आशा देवी (28) के रूप में की गई है। विवाहिता के पिता ने इसे हत्या का मामला बताया है और आरोप लगाया है कि उनकी बेटी की सास सौतेली है, जिसने उसे सिर पर वार कर मार डाला है। हालांकि, पति का कहना है कि उसकी मां के साथ झगड़ा हो रहा था इसी दौरान वह फिसल कर सीढ़ी से गिर पड़ी । जिससे उसकी मौत हुई है।

सौतेली सास करती थी परेशान

वैशाली के हाजीपुर हसारगंज के रहने वाले राजा सहनी ने बताया कि उन्होंने अपनी बेटी की शादी करीब 8 साल पहले वैनीपूसा गंगापुर गांव निवासी टिंकू चौधरी के साथ की थी। टिंकू की सौतेली मां है, जिस कारण सास बहू में कभी नहीं पटा। उनके दामाद भी मां की दबंगता के कारण कुछ नहीं बोल पाते हैं, कई बार मामले को लेकर पंचायती भी हुआ। लेकिन, स्थिति में सुधार नहीं हुआ। बहुत कम दिन ही वह ससुराल में रही। जब भी वह आती उसकी सांस झगड़ा और मारपीट करती, जिस कारण वह वापस चली जाती।

व्यापार

सेंसेक्स 4 महीने बाद 80 हजार के नीचे आया

मुंबई। शेयर बाजार में आज यानी 8 अगस्त को गिरावट रही। सेंसेक्स 4 महीने के बाद 80 हजार के स्तर से नीचे आया है। ये 765 अंक गिरकर 79,857 पर बंद हुआ। इससे पहले सेंसेक्स 9 मई को 79,454 पर पहुंचा था। वहीं निफ्टी में भी 246 अंक की गिरावट रही। ये 24,350 पर बंद हुआ। सेंसेक्स के 30 शेयरों में से 5 में तेजी और 25 में गिरावट रही। मेटल, IT, ऑटो और रियल्टी सेक्टर के शेयर्स में ज्यादा गिरावट रही। JSW सीमेंट और ऑल टाइम प्लास्टिक्स लिमिटेड का IPO कल से ओपन हो गए हैं। JSW सीमेंट इस IPO 3,600 करोड़ रुपए जुटाना चाहती है। JSW सीमेंट IPO का प्राइस बैंड 139 से 147 रुपए है। ऑल टाइम प्लास्टिक्स लिमिटेड इस IPO 400 करोड़ रुपए जुटाना चाहती है।

जुलाई में थाली सस्ती : सब्जियों की कीमतों में गिरावट से सालाना 14% तक कमी

महानगर नेटवर्क

नई दिल्ली

जुलाई में सब्जियों की कीमतों में कमी के चलते घर पर बने शाकाहारी और मांसाहारी दोनों तरह के भोजन की औसत लागत घट गई है। क्रिसिल इंटेलिजेंस की रोटी-चावल दर रिपोर्ट के अनुसार, शाकाहारी थाली की कीमत सालाना आधार पर 14% घटकर 28.1 हो गई, जो पिछले साल 32.6 थी। हालांकि जून की तुलना में इसमें 4% की बढ़ोतरी हुई, क्योंकि पिछले महीने इसकी कीमत 27.1 थी। मांसाहारी थाली की कीमत भी सालाना आधार पर 13% और मासिक आधार पर 2% घटकर 53.5 प्रति प्लेट पर आ गई। क्रिसिल इंटेलिजेंस के निदेशक पुशन शर्मा ने कहा कि निकट भविष्य में टमाटर के ऊंचे आधार प्रभाव के कारण थाली की कीमतें सालाना आधार पर कम बनी रह सकती हैं। साथ ही दालों के अधिक उत्पादन का अनुमान कीमतों को नरम रखने में मदद करेगा। हालांकि, आलू और प्याज की कीमतें स्थिर रहने की संभावना के कारण गिरावट सीमित रह सकती है। रिपोर्ट में बताया गया कि शाकाहारी थाली की लागत में कमी मुख्य रूप से टमाटर, प्याज और आलू की कीमतों में गिरावट के चलते आई है। दाल की कीमतें भी सालाना आधार पर 14% घटी हैं, जो अधिक उत्पादन और पर्याप्त स्टॉक की वजह से है।

अमेज़न पे ने डिजिटल गिफ्ट कार्ड को बनाया और भी खास

नई दिल्ली। भारत में डिजिटल गिफ्टिंग को और भी खास बनाने के लिए अमेज़न पे ने अपने ई-गिफ्ट कार्ड में नया पर्सनलाइजेशन फीचर जोड़ा है। इस फीचर की मदद से ग्राहक अब गिफ्ट कार्ड में अपनी फोटो या आर्टवर्क अपलोड कर सकते हैं, जिससे हर अवसर की बधाई और भी व्यक्तिगत और यादगार हो जाएगी। ग्राहक जैसे-जैसे भाई-बहन के इस प्यारे बंधन का जश्न मनाने की तैयारी कर रहे हैं, Amazon.in ने रक्षाबंधन स्टोर की शुरुआत की है, जो खूबसूरती से डिज़ाइन की गई राखियों, पारंपरिक मिठाइयों, फैशन, इलेक्ट्रॉनिक्स सहित सभी त्योहारों की ज़रूरतों के लिए वन स्टॉप डेस्टिनेशन है।

ATM से 500 के नोट निकलने हो जाएंगे बंद?

महानगर नेटवर्क

नई दिल्ली

मीडिया में चल रही खबरों में दावा किया गया कि एटीएम से 500 रुपए के नोट निकलना बंद हो जाएगा, लेकिन वित्त मंत्रालय ने इन अटकलों को खारिज कर दिया। संसद में सरकार ने स्पष्ट किया कि जनता की लेन-देन की जरूरतों को देखते हुए आरबीआई सभी मूल्यवर्ग के नोटों की संतुलित उपलब्धता सुनिश्चित करेगा।

छोटे मूल्यवर्ग के नोटों तक आसान पहुंच के लिए RBI ने बैंकों और व्हाइट लेबल एटीएम ऑपरेटर्स को निर्देश दिया है कि 30 सितंबर तक 100 और 200 रुपए के नोटों की हिस्सेदारी एटीएम में 75% तक बढ़ाई जाए और 31 मार्च 2026 तक इसे 90% तक ले जाया जाए।

सरकार ने स्पष्ट किया कि यह कदम 500 रुपए के नोटों को बंद करने के लिए नहीं, बल्कि आम लोगों के रोज़मर्रा के लेन-देन को आसान बनाने के लिए है। पहले भी RBI इस तरह के निर्देश जारी करता रहा है, ताकि नकदी की कमी से जनता को परेशानी न हो और फेक रिपोर्ट्स से फैली गलतफहमियों को दूर किया जा सके।

हैरियर और सफारी का ऑल-न्यू एडवेंचर वेरिएंट लॉन्च

मुंबई। भारत की प्रमुख एसयूवी निर्माता कंपनी, टाटा मोटर्स ने आज अपनी लोकप्रिय एसयूवी टाटा हैरियर और टाटा सफारी में ऑल-न्यू एडवेंचर X वेरिएंट लॉन्च किया। इस नए वेरिएंट में एडवेंचर, शानदार प्रदर्शन और ढेर सारे फीचर्स हैं, जो ग्राहकों को बेहतरीन अनुभव और रोमांच से भरपूर लाइफस्टाइल जीने का मौका देते हैं।

एडवेंचर X वेरिएंट में इस कीमत पर पहली बार कई खास फीचर्स दिए गए हैं, जिनमें एडाप्टिव क्रूज कंट्रोल के साथ एडीएएस (AT), 360 एचडी सराउंड व्यू, ऑटो होल्ड के साथ ट्रेल होल्ड इलेक्ट्रॉनिक पार्किंग ब्रेक, ट्रेल रिस्पॉन्स मोड्स (नॉर्मल, रफ, वेट), लैंड रोवर से प्रेरित कमांड शिफ्टर(एटी), और अन्य शानदार फीचर्स जैसे मेमोरी और वेलकम फंक्शन वाली एर्गो लक्स ड्राइवर सीट, 26.03 सेमी अल्ट्रा व्यू ट्विन स्क्रीन सिस्टम, ट्रेल सेंस ऑटो हेडलैंप्स, एक्वा सेंस वाइपर्स और मल्टी ड्राइव मोड्स (सिटी, स्पोर्ट, इको) शामिल हैं।

आइस मेक रेफ्रिजरेशन ने Q1 में दर्ज की मजबूत आय वृद्धि

मुंबई/अहमदाबाद। आइस मेक रेफ्रिजरेशन लिमिटेड, जो 50 से अधिक नवीनतम कूलिंग और रेफ्रिजरेशन समाधानों का अग्रणी निर्माता है, ने 30 जून को समाप्त तिमाही के लिए अपने वित्तीय परिणामों की घोषणा की। कंपनी ने लाभप्रदता पर अस्थायी दबाव के बावजूद, राजस्व में निरंतर वृद्धि की गति को बनाए रखा है। इस तिमाही में कंपनी ने 111.50 करोड़ का एकीकृत संचालन राजस्व दर्ज किया, जो Q1 FY25 में 85.23 करोड़ की तुलना में 30% से अधिक की वार्षिक वृद्धि दर्शाता है। यह प्रदर्शन कोल्ड रूम, औद्योगिक रेफ्रिजरेशन और ट्रांसपोर्ट रेफ्रिजरेशन जैसे मुख्य क्षेत्रों में मजबूत मांग, सटीक ऑर्डर निष्पादन और बढ़ते बाज़ार विस्तार को दर्शाता है। हालांकि, मौसमी इनपुट लागत में उतार-चढ़ाव, वित्त लागत में वृद्धि और इन्वेंटरी समायोजन के कारण Q1 FY26 में कंपनी को -1.47 करोड़ का घाटा हुआ, जबकि पिछले वर्ष की समान तिमाही में 3.64 करोड़ का शुद्ध लाभ हुआ था। प्रबंधन ने इसे अल्पकालिक प्रभाव बताया है और भरोसा जताया है कि कंपनी की बुनियादी आर्थिक स्थिति मजबूत बनी हुई है।

11 अगस्त को खुलेगा आईकोडेक्स पब्लिशिंग सॉल्यूशंस का आईपीओ

नई दिल्ली। उत्पाद विकास के व्यवसाय में लगी कंपनी iCODEX पब्लिशिंग सॉल्यूशंस, अपने SME पब्लिक इश्यू से 42.03 करोड़ रुपये तक जुटाने की योजना बना रही है। कंपनी को बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज के SME प्लेटफॉर्म पर अपना पब्लिक इश्यू लॉन्च करने की मंजूरी मिल गई है। पब्लिक इश्यू 11 अगस्त को सब्सक्रिप्शन के लिए खुलेगा और 13 अगस्त को बंद होगा। पब्लिक इश्यू से प्राप्त राशि का उपयोग नए कार्यालय परिसर और हार्डवेयर की खरीद, कार्यशील पूंजी की आवश्यकता, सामान्य कॉर्पोरेट उद्देश्यों और बिक्री के प्रस्ताव के लिए किया जाएगा। इंडकैप एडवाइजर्स प्राइवेट लिमिटेड इस इश्यू का एकमात्र बुक रनिंग लीड मैनेजर है। 10 रुपये प्रति शेयर अंकित मूल्य वाले 41,20,800 इक्विटी शेयरों की आरंभिक सार्वजनिक पेशकश में 31,89,600 इक्विटी शेयरों का नया इश्यू और 7,24,800 इक्विटी शेयरों का बिक्री का प्रस्ताव शामिल है।

मास्कटीवी ने लांच किया "वॉच & अर्न" मॉडल

महानगर नेटवर्क

मुंबई

भारत में पहली बार ऐसा हुआ है जब कोई OTT प्लेटफॉर्म सिर्फ मनोरंजन ही नहीं, बल्कि कमाई का मौका भी दे रहा है। MaskTV ने "Watch & Earn" मॉडल लॉन्च किया है – एक क्रांतिकारी पहल जिसके तहत दर्शक अब वेब सीरीज़, फ़िल्में और शोज़ देखकर क्रिप्टो टोकन कमा सकते हैं। इस अनोखे मॉडल में यूज़र्स MaskTV पर कंटेंट देखते हैं और उन्हें बदले में क्रिप्टो में इनाम मिलता है। बाद में इन टोकनों को कैश में बदला जा सकता है या दूसरी डिजिटल संपत्तियों में उपयोग किया जा सकता है। यह कॉन्सेप्ट खासतौर पर उन भारतीय दर्शकों के लिए फायदेमंद है जो OTT कंटेंट देखना पसंद करते हैं लेकिन साथ ही कमाई भी करना चाहते हैं। मास्क टीवी के सीईओ चिरंजीवी भट्ट ने कहा, "हम चाहते हैं कि भारत के लोग क्रिप्टो को सिर्फ एक जटिल तकनीक न समझें, बल्कि इसे सीखें, अपनाएं और उससे कमाई भी करें। MaskTV एक माध्यम है जिससे आम दर्शक भी डिजिटल फ्यूचर से जुड़ सके।

महानगर मीडिया नेटवर्क प्रा. लिमिटेड के लिए प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक अंतेश आर सिंह द्वारा, महानगर मीडिया नेटवर्क प्राइवेट लिमिटेड 501, ओमेगा हाउस, हीरानंदानी गार्डन्स, पवई, मुंबई-400076 से प्रकाशित एवं **डांगट मीडिया प्रा.लि.**, 22, दीघा एम आई डी सी, टी टी सी इंडस्ट्रियल एरिया, विष्णु नगर, दीघा, नवी मुंबई - 400708 में मुद्रित। ● फोन नंबर: 022-25705039 ईमेल : hmahanagar@gmail.com
● कार्यकारी संपादक : राघवेंद्र नाथ द्विवेदी* (पी.आर.बी. अधिनियम के अंतर्गत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार)

सीएम योगी ने देश की जनता से स्वदेशी अपनाने का किया आह्वान

विदेशी चीजों का पैसा देश के खिलाफ इस्तेमाल होता है

महानगर संवाददाता

लखनऊ

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने लखनऊ के काकोरी में आयोजित काकोरी ट्रेन एक्शन शताब्दी महोत्सव के समापन समारोह में देश की जनता से स्वदेशी अपनाने का आह्वान किया है। उन्होंने कहा कि स्वदेशी वस्तुओं के अपनाने से देश में रोजगार पैदा होंगे और ये राष्ट्रहित के लिए जरूरी है। आजादी की लड़ाई के दौरान महात्मा गांधी ने भी स्वदेशी का आह्वान किया था। इस दौरान सीएम योगी ने बच्चियों से राखी भी बंधवाई। मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि गोरखपुर का चौरीचौरा कांड और लखनऊ का काकोरी कांड हमारे देश के महान क्रांतिकारियों के साहस का सबूत है। हम उनके साहस और बलिदान को नमन करते हैं। इस मौके पर उन्होंने 13 अगस्त से 15 अगस्त तक हर घर तिरंगा अभियान के तहत घरों में तिरंगा लगाने की अपील की। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री योगी ने शहीद जवानों के परिजनों को भी सम्मानित किया।

बच्ची की जिद पर सीएम योगी ने खाई मिठाई

कार्यक्रम में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बच्चियों से राखी बंधवाई। इस दौरान एक बच्ची ने उनसे मिठाई खाने की जिद की जिस पर योगी मुस्कुराए और मिठाई खाकर बच्ची को आशीर्वाद दिया। सीएम योगी ने बच्चियों को गिफ्ट भी दिया। इसके पहले उन्होंने समारोह को संबोधित करते हुए लोगों से स्वदेशी चीजों का उपयोग करने की अपील की। उन्होंने कहा कि भले ही महंगी ही मिलें लेकिन आने वाले त्योहारों में स्वदेशी चीजें ही खरीदें। इस दौरान सीएम योगी भी काफी खुश नजर आए। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि जब हम विदेशी चीजें खरीदते हैं तो इसका पैसा बाहर जाता है जो कि आतंकवाद और नक्सलवाद को बढ़ाता है और हमारे देश के खिलाफ ही इस्तेमाल होता है।

सरकारी कर्मचारियों को मुख्यमंत्री का तोहफा

उत्तर प्रदेश सरकार ने सरकारी कर्मचारियों और अधिकारियों को बड़ा तोहफा दिया है। अब वे घर खरीदने या बनाने के लिए 25 लाख रुपये तक का लोन 7.5 फीसदी ब्याज दर पर ले सकेंगे। पहले यह सीमा 7.5 लाख रुपये थी, जिसे अब तीन गुना से अधिक बढ़ा दिया गया है। इस निर्णय से राज्य के लाखों सरकारी कर्मचारी लाभान्वित होंगे। अपर मुख्य सचिव वित्त दीपक कुमार द्वारा जारी शासनादेश के अनुसार, इस सुविधा का लाभ केवल वही कर्मचारी ले सकेंगे, जिन्होंने न्यूनतम पांच वर्ष की नियमित सेवा पूरी कर ली हो। लोन की राशि तय करने के लिए तीन मानकों में से जो कम होगा, वही मान्य होगा। पहला कर्मचारी के 34 महीने का मूल वेतन, दूसरा 25 लाख रुपये और तीसरा भवन की वास्तविक कीमत। वहीं, लोन की वसूली ब्याज सहित अधिकतम 20 वर्षों में की जाएगी।

रक्षाबंधन पर महिलाओं के लिए रोडवेज की बसों में निःशुल्क यात्रा

● अब तक परियोजना में 100 करोड़ से अधिक का व्यय

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रक्षाबंधन पर्व के मद्देनजर 8 से 10 अगस्त तक महिलाओं के लिए रोडवेज की बसों में निःशुल्क यात्रा की हाल में घोषणा की है। आपको बता दें कि इस रक्षाबंधन का त्योहार 9 अगस्त को मनाया जाना है। वहीं प्रदेश में भारतीय जनता पार्टी की सरकार बनने के बाद पिछले आठ वर्षों में रक्षाबंधन के अवसर पर करीब सवा करोड़ महिलाओं ने रोडवेज की बसों में निःशुल्क यात्रा की है। यह जानकारी राज्य सरकार ने सोमवार को एक आधिकारिक बयान में दी। उत्तर प्रदेश सरकार की तरफ से जारी बयान के मुताबिक, प्रदेश में 2017 में आदित्यनाथ के नेतृत्व में सरकार बनने के बाद रक्षा बंधन के मौके पर रोडवेज की बसों में महिलाओं के लिए निशुल्क यात्रा की योजना का लाभ 1.23 करोड़ से ज्यादा महिलाओं ने उठाया है। सरकारी आंकड़ों के अनुसार, इस योजना पर अब तक 100 करोड़ रुपये से अधिक का व्यय किया जा चुका है। बयान में कहा गया है कि वर्ष 2017 में जहां लगभग 11 लाख महिलाओं ने इस सेवा का लाभ उठाया था।

रुक रुककर हो रही बारिश से बाढ़ का खतरा बरकरार, प्रशासन अलर्ट

महानगर संवाददाता

लखनऊ

प्रदेश में मानसून सक्रिय है। प्रदेश के ज्यादातर हिस्सों में बारिश हो रही है। वहीं पहाड़ों पर हो रही बारिश का असर भी अब मैदानी इलाकों में दिखने लगा है। गंगा-यमुना समेत तमाम प्रमुख नदियों का जलस्तर बढ़ गया है, जिसकी वजह से कई जिले बाढ़ की चपेट में हैं। हालांकि पिछले कुछ दिनों की तुलना में गंगा, यमुना और घाघरा नदी के जलस्तर में कमी आई है। बावजूद इसके वाराणसी, प्रयागराज, मिर्जापुर, बिजनौर, आजमगढ़, मऊ, गाजीपुर, बलिया जिले के कई गांव बाढ़ की चपेट में हैं। वहीं मौसम विभाग के मुताबिक प्रदेश के पश्चिमी संभाग में आज कुछ जगहों पर गरज-चमक के साथ बारिश की बौछारें पड़ेंगी, जबकि पूर्वी संभाग में अनेक स्थानों पर झमाझम बारिश होने का अनुमान जताया गया है। इस दौरान कहीं-कहीं भारी बारिश होने की चेतावनी दी गई है। शनिवार 9 अगस्त को बारिश के सिलसिले में और तेजी आएगी और प्रदेश के ज्यादातर हिस्सों में झमाझम बारिश होगी। इस बार रक्षाबंधन के त्योहार पर झमाझम बारिश हो सकती है।

जनजीवन पूरी तरह से अस्त-व्यस्त

आगामी 13 अगस्त तक प्रदेश में बादलों की आवाजाही जारी रहेगी। बारिश की वजह से मौसम सुहाना बना हुआ है। अगले दो दिनों प्रदेश के अधिकतम तापमान में 2-3 डिग्री की गिरावट आ सकती है। प्रदेश के आजमगढ़ में घाघरा नदी का जलस्तर बढ़ने की वजह से जनपद की सगड़ी तहसील पर बाढ़ का खतरा मंडरा रहा है। नदी के प्रवाह देखते हुए ग्रामीणों में दहशत का माहौल है। इसी बीच जिला प्रशासन ने बाढ़ से निपटने के लिए अभी से तैयारियां शुरू कर दी है। गुरुवार को डीएम, पुलिस अधीक्षक समेत तमाम अधिकारियों ने बाढ़ प्रभावित इलाकों का निरीक्षण किया। अधिकारियों ने इस दौरान दावा किया कि बाढ़ से निपटने के लिए पूरी तैयारी की गई है। जबकि अभी इन क्षेत्रों में खतरे की स्थिति फिलहाल नहीं है। जबकि गाजीपुर में गंगा नदी के बढ़ते जलस्तर ने जनजीवन को पूरी तरह अस्त-व्यस्त कर दिया है। जिले की पांच तहसीलें—सदर, जमानिया, मोहम्मदाबाद, सैदपुर, और करंडा—बाढ़ की चपेट में हैं। सरकारी आंकड़ों के अनुसार, गाजीपुर के लगभग 150 गांव बाढ़ के पानी से बुरी तरह प्रभावित हो चुके हैं। हालांकि राहत की बात यह है कि गंगा का जलस्तर, जो खतरे के निशान से 1.5 मीटर ऊपर बह रहा था, अब आधा सेंटीमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से घटने लगा है। प्रयागराज के मेजा में पिछले कई दिनों से लोग बाढ़ से परेशान थे। दो दिनों से गंगा नदी के जलस्तर में कमी आने पर लोगों ने राहत की सांस ली थी। लेकिन शुक्रवार सुबह से हो रही मूसलाधार बारिश ने एक बार फिर लोगों को सकते में डाल दिया है। तटीय इलाकों में रहने वाले लोगों को फिर से बाढ़ की चिंता सताने लगी है। बारिश के कारण लोगों के घरों में पानी घुसने लगा है। करीब एक सप्ताह से लोग बाढ़ से चारों तरफ घिरे थे। हालांकि दो दिनों से कुछ राहत मिली थी।

भाजपा के लोगों ने मुझ पर हमला करवाया : स्वामी प्रसाद मौर्य

लखनऊ। यूपी के पूर्व मंत्री स्वामी प्रसाद मौर्य ने बीते दिनों रायबरेली में खुद पर हुए हमले को लेकर भाजपा पर आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि भाजपा के लोगों ने मुझ पर हमला करवाया। ये तो अच्छा हुआ कि मैंने अपनी यात्रा की सूचना पहले दे दी थी नहीं तो स्थिति गंभीर हो जाती। वहां पर मेरे समर्थक और पुलिसकर्मी मौजूद थे। लखनऊ में अपने आवास पर मीडिया को संबोधित करते हुए स्वामी प्रसाद ने कहा कि प्रदेश में कानून व्यवस्था ध्वस्त है। भाजपा संरक्षित गुंडे, माफिया और बदमाश अब प्रदेश के विपक्ष के नेताओं को निशाना बना रहे हैं। इसमें भाजपा के नेता भी शामिल हैं। स्वामी प्रसाद ने कहा कि भाजपा सरकार के मंत्री-विधायक इस सरकार से संतुष्ट नहीं हैं। विधायकों को भी पीटा गया है। सत्ता पक्ष के विधायक भी मारपीट के शिकार हुए हैं। मारपीट के शिकार हुए विधायक पिछड़ा और एससी-एसटी समाज के थे। मामले में एफआईआर दर्ज नहीं हुई है।

बाराबंकी-हैदरगढ़ मार्ग पर बस पर गिरा पेड़, 4 महिलाओं सहित 5 की मौत

बाराबंकी। जिला मुख्यालय से नौ किलोमीटर दूर हैदरगढ़ मार्ग पर रोडवेज की अनुबंधित बस पर गूलर का पेड़ गिर गया। पेड़ बस के अगले हिस्से पर गिरा। हादसे में चार महिलाओं समेत पांच लोगों की मौत हो गई। एक महिला की पहचान शहर के मोहल्ला गुलरिया गार्दा की निवासी शिक्षा मेहरोत्रा (53) के रूप में हुई है। तीन अन्य महिलाओं की आयु 40 से 45 साल के मध्य है। पेड़ काटकर लोगों को निकाला गया। बताया जा रहा है कि हादसे के समय बस में 40 लोग सवार थे। हादसे के बाद कई

यात्री खिड़की से कूदकर निकले। बारिश के दौरान हुए हादसे के कारण राहत व बचाव कार्य में देर लगी। घटना पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गहरा शोक व्यक्त किया है। उन्होंने मृतकों के शोक संतप्त परिजनों के प्रति संवेदना व्यक्त की है और मृतकों के परिजनों को 5 लाख की आर्थिक सहायता देने के निर्देश दिए हैं। मुख्यमंत्री जी ने जिला प्रशासन के अधिकारियों को घायलों को तत्काल अस्पताल पहुंचाकर उनका समुचित उपचार कराने के निर्देश दिए हैं। साथ ही, घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की भी कामना की है। सवारियां लेकर बाराबंकी से हैदरगढ़ जा रही बस पर करीब साढ़े 10 बजे जैदपुर थाना क्षेत्र की ग्राम हरख में स्थित राजा बाजार के पास पेड़ गिर पड़ा। पेड़ इतनी तेज गिरा कि बस के आगे का हिस्सा क्षतिग्रस्त हो गया। बारिश के बीच में पहुंचे ग्रामीणों ने पुलिस और वन विभाग को सूचना दी। बस के अंदर फंसे लोगों की चीखपुकार दिल को दहला देने वाली थी। पेड़ काटने का काम वन विभाग के कर्मचारियों ने किया। ग्रामीण सहयोग में लगे रहे। सीएमओ अवधेश कुमार यादव ने बताया कि हादसे में चार महिला व एक ड्राइवर सहित कुल पांच की मौत हुई है। बस में सवार एक यात्री नादिया ने बताया कि वो देवाशरीफ होकर वापस लौट रही थीं कि रास्ते में हादसा हो गया। हादसे में उनकी मां घायल हुई हैं।

संभल हिंसा मामले में जियाउर रहमान बर्क को हाईकोर्ट से राहत, कार्रवाई पर रोक

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट से संभल के सांसद जियाउर रहमान बर्क को राहत बड़ी मिली है। हाईकोर्ट ने निचली अदालत की अग्रिम कार्यवाही पर रोक लगा दी है। हाईकोर्ट ने याचिका पर राज्य सरकार से तीन हफ्ते में जवाब मांगा है। 9 सितंबर को होगी मामले की सुनवाई अगली होगी। हाईकोर्ट ने पुलिस की उस चार्जशीट पर रोक लगा दी है जिसमें संभल सांसद का भी जिक्र है। सपा सांसद जिया उर रहमान बर्क की तरफ से पूर्व अपर महाधिवक्ता एवं वरिष्ठ अधिवक्ता इमरान उल्लाह, विनीत विक्रम और इकबाल अहमद ने पक्ष रखा। जबकि राज्य सरकार की तरफ से अपर महाधिवक्ता मनीष गोयल ने पक्ष रखा। याचिका में संभल हिंसा के मामले में दाखिल चार्जशीट को हाईकोर्ट में चुनौती दी गई है। बता दें संभल में पिछले साल 24 नवंबर को शाही जामा मस्जिद के सर्वे के दौरान हुई हिंसा मामले में एसआईटी ने इस वर्ष जून में कोर्ट में चार्जशीट दाखिल की थी। इस चार्जशीट में सपा सांसद जियाउर्रहमान बर्क और जामा मस्जिद के सदर जफर अली समेत कुल 23 को आरोपी बनाया गया था।

सुप्रीम कोर्ट के आदेश के खिलाफ इलाहाबाद हाईकोर्ट के 13 न्यायाधीश

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट के 13 न्यायाधीशों ने देश की सर्वोच्च अदालत सुप्रीम कोर्ट के एक हालिया आदेश के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। इन जजों ने हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस अरुण भंसाली को पत्र लिखकर फुल कोर्ट मीटिंग बुलाने की मांग की है। सोशल मीडिया पर यह पत्र तेजी से वायरल हो रहा है, हालांकि इसकी आधिकारिक पुष्टि अभी तक नहीं हुई है। 4 अगस्त 2025 को सुप्रीम कोर्ट के जज जस्टिस जे.बी. पारदीवाला और जज जस्टिस आर. महादेवन की बेंच ने इलाहाबाद

हाईकोर्ट के जज जस्टिस प्रशांत कुमार के खिलाफ कड़ा रुख अपनाते हुए आदेश दिया था कि उन्हें रिटायरमेंट तक आपराधिक मामलों की सुनवाई से हटा दिया जाए। साथ ही, निर्देश दिया गया था कि वे किसी वरिष्ठ और अनुभवी जज के साथ डिवीजन बेंच में बैठकर काम करें। यह निर्देश उस फैसले के बाद आया जिसमें इलाहाबाद हाईकोर्ट के जज जस्टिस प्रशांत कुमार ने कहा था कि दीवानी विवादों में धन की वसूली के लिए वैकल्पिक रूप से आपराधिक अभियोजन का इस्तेमाल किया जा सकता है। वायरल पत्र में इलाहाबाद हाईकोर्ट के 13 जजों ने जस्टिस प्रशांत कुमार के समर्थन में लिखा है कि 4 अगस्त का आदेश बिना नोटिस दिए जारी किया गया और उसमें "विद्वान न्यायाधीश" के खिलाफ अनावश्यक रूप से तीखी टिप्पणियां की गईं।

फर्जी कॉल सेंटर का भंडाफोड़, 11 गिरफ्तार

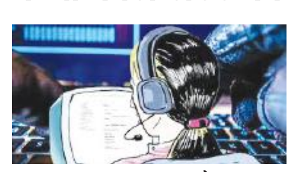

सहारनपुर। जनपद में घंटाघर स्थित एक होटल में चल रहे फर्जी अंतरराष्ट्रीय कॉल सेंटर का पुलिस ने भंडाफोड़ किया है। कॉल सेंटर के माध्यम से अमेरिका के नागरिकों को टेक्निकल सपोर्ट के नाम पर साइबर ठगी का शिकार बनाया जा रहा था। पुलिस ने मौके से 11 लोगों को गिरफ्तार किया है, जिनमें सात पुरुष और चार महिलाएं शामिल हैं। उनके पास से 14 लैपटॉप, 11 मोबाइल, पांच हैडफोन, तीन चार्जर और 4900 रुपये नकद बरामद किए हैं। शुक्रवार को पुलिस लाइन में एसपी देहात सागर जैन ने बताया कि पिछले कुछ दिनों से शहर कोतवाली व साइबर क्राइम पुलिस को घंटाघर स्थित एक होटल में संदिग्ध गतिविधि होने की जानकारी मिल रही थी। शुक्रवार को पुलिस ने होटल में छापा मारकर फर्जी कॉल सेंटर का पर्दाफाश किया। मौके से दिल्ली निवासी रोहित शर्मा, करण सरीन, सोनिया, विक्रम, असम निवासी अलींग दौलगुपुनू, मणिपुर निवासी जसटीन उर्फ जेनगुलीन सिंगसन, सैमुअल, दार्जलिंग निवासी प्रयास, निकिता, नागालैंड निवासी चेनींयहुन, सायरोनिलिया को पकड़ा। यह सभी पिछले करीब एक महीने से होटल में फर्जी कॉल सेंटर चला रहे थे।

प्लास्टिक मुक्त होगा काशी विश्वनाथ मंदिर

दुकानदारों को दी गई बांस की टोकरी व स्टील का लोटा

वाराणसी। श्रीकाशी विश्वनाथ धाम को पूरी तरह प्लास्टिक मुक्त करने की शुरुआत कर दी गई है। खासकर प्लास्टिक की टोकरी और प्लास्टिक लोटा पर रोक लगाई जा रही है। भक्तों से भी अपील की जा रही है कि वह मंदिर में प्लास्टिक की टोकरी समेत कुछ लेकर न आएं। वहीं इस व्यवस्था को लेकर श्रद्धालुओं में भी काफी उत्साह है। उनका कहना है कि ये अच्छी पहल है। शुक्रवार को श्रीकाशी विश्वनाथ धाम मंदिर प्रशासन ने 'प्लास्टिक मुक्त धाम' पहल को लेकर गंभीरता पूर्वक प्रयास शुरू कर दिया है। मंदिर न्यास द्वार, मंदिर परिसर के दुकानदारों को पारंपरिक

और पर्यावरण अनुकूल प्लास्टिक सामग्रियों के विकल्प उपलब्ध कराने के लिए बांस की टोकरी और स्टील के लोटे वितरित किए गए हैं। यह मंदिर परिसर को प्लास्टिक से मुक्त करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। इस अवसर पर स्थानीय जनप्रतिनिधि विधायक नीलकंठ तिवारी के साथ ही क्षेत्रीय पार्षद कनकलता तिवारी व अन्य लोगों ने मंदिर के इस अभियान का स्वागत करते हुए फूल माला विक्रेताओं से सहयोग की अपेक्षा की। श्रीकाशी विश्वनाथ मंदिर के मुख्य कार्यपालक अधिकारी, एसडीएम तथा अन्य विभिन्न वार्डों के पार्षद भी अभियान के दौरान उपस्थित रहे।

अंबेडकर स्मारक के अंदर खाने पीने का सामान बेच रहे कर्मचारियों पर गिरी गाज

लखनऊ। राजधानी लखनऊ में बड़ी कार्रवाई हुई है। डॉ. भीमराव अंबेडकर सामाजिक परिवर्तन स्थल स्मारक में तैनात 10 कर्मचारियों को निलंबित कर दिया गया है। इनमें से 6 कर्मचारी स्मारक के प्रवेश द्वार व अंदर ठेले के जरिए खानपान व अन्य सामान बेचते पाए गए जबकि दो अवैध प्लॉटिंग और निर्माण में लिप्त लोगों से अवैध वसूली करते पकड़े गए। एक सहायक लेखाकार को टेंडर की पत्रावली में अनावश्यक टीका टिप्पणी लिखने तथा एक क्लर्क को गड़बड़ी के आरोप में सस्पेंड किया है। एलडीए वीसी प्रथमेश कुमार ने गुरुवार को सभी को निलंबित कर जांच के आदेश दिए। जिन 6 कर्मचारियों को स्मारक स्थल पर दुकानदारी करते हुए पकड़ा, वे सभी सफाईकर्मी के पद पर तैनात थे। यह कर्मचारी न केवल स्मारक परिसर की सार्वजनिक जगह पर अतिक्रमण कर रहे थे, बल्कि वहां आने वाले पर्यटकों और श्रद्धालुओं के लिए भी असुविधा का कारण बन रहे थे। निलंबित कर्मचारियों के नाम हैं हरिन्द्र प्रसाद, नवल किशोर गुप्ता, संतोष कुमार, ऊषा देवी, अशोक, विनेश कुमार। इन सभी को स्मारक समिति के सदस्य सचिव प्रथमेश कुमार के आदेश के बाद निरीक्षण टीम द्वारा रंगे हाथों पकड़ा गया।

सपा की 'पीडीए पाठशाला' का ऐसे जवाब देगी भाजपा

लखनऊ। सपा की पीडीए पाठशाला का भाजपा जवाब देगी। भारतीय जनता पार्टी ने समाजवादी पार्टी की 'पीडीए पाठशाला' के दांव को काउंटर करने की तैयारी शुरू कर दी है। भाजपा के सूत्रों की माने तो इसको लेकर सभी क्षेत्रीय अध्यक्षों, जिला प्रभारियों और जिला अध्यक्षों को एक पत्र भेजा गया है। इस पत्र के माध्यम से पदाधिकारियों से कहा गया है कि वे स्वतंत्रता दिवस समारोह के तहत 10 से 15 अगस्त तक पार्टी द्वारा निकाली जाने वाली आगामी 'तिरंगा यात्रा' के दौरान बच्चों से तिरंगा फहराएंगे। पार्टी ने अपने पदाधिकारियों को 1.6 लाख मतदान केंद्रों में से प्रत्येक पर कम

से कम 500 तिरंगे फहराने का काम सौंपा है। यह अभियान मुख्य रूप से भारतीय जनता युवा मोर्चा (भाजयुमो) और भाजपा की महिला मोर्चा की मदद से चलाया जाएगा। भाजपा के एक पदाधिकारी ने इसकी पुष्टि करते हुए बताया कि जिन इलाकों में सपा ने बच्चों के कोमल मन को प्रभावित करने के लिए 'पीडीए पाठशालाएं' स्थापित करने का प्रयास किया है, वहां अभियान और भी जोरदार तरीके से चलाया जायेगा। उन्होंने कहा, 'हम विपक्ष के जातिवादी रवैये का मुकाबला राष्ट्रवादी विचारधारा से करेंगे।' उन्होंने जोर देकर कहा कि युवा मोर्चा राज्य भर के स्कूलों और कॉलेजों में छात्रों तक पहुंचेगा।

■ पहलगाम में हुए आतंकी हमले में 26 लोग मारे गए थे। पत्र में पीएम मोदी के नेतृत्व में यह एक नया, समृद्ध और शक्तिशाली आत्मनिर्भर भारत है। हर गौरवान्वित भारतीय ने हाथ में तिरंगा लेकर ऑपरेशन सिंदूर की सफलता का जश्न मनाया। भाजपा के प्रदेश प्रवक्ता अवनीश त्यागी ने कहा कि पार्टी कार्यकर्ताओं के लिए हमेशा ही राष्ट्र प्रथम होता है। ऑपरेशन सिंदूर की सफलता इसका एक उदाहरण है। जिस तरह से पीएम मोदी के नेतृत्व में पाकिस्तान को आतंकवाद का करारा जवाब दिया गया। उसी तरह से हर देशद्रोही को जवाब दिया जाएगा, चाहे वो देश के अंदर हो या देश के बाहर हो। राजनीतिक विश्लेषकों का कहना है कि दरअसल भाजपा द्वारा राष्ट्रीय ध्वज फहराने के लिए बच्चों का चयन सपा की पीडीए पाठशाला का एक प्रतीकात्मक जवाब है। भाजपा का इरादा पार्टी को जातिगत पहचान से ज्यादा राष्ट्रीय गौरव को बढ़ावा देने वाली पार्टी के रूप में चित्रित करने का है। दरअसल 1.6 लाख मतदान केंद्रों में से प्रत्येक पर 500 तिरंगे फहराने का भाजपा का लक्ष्य भी उसकी विशिष्ट बूथ-स्तरीय सूक्ष्म-प्रबंधन रणनीति को मजबूत करने का ही एक हिस्सा है। क्षेत्रीय अध्यक्षों, जिला प्रभारियों और जिला अध्यक्षों को भेजे गए पत्र में 'ऑपरेशन सिंदूर' की सफलता का भी खुला जिक्र किया गया है जो 22 अप्रैल को पहलगाम में हुए हमले के बाद मई में चलाया गया था।

मार्निंग वॉक पर निकले पूर्व पार्षद को मारी गोली, हालत गंभीर

महानगर संवाददाता

प्रयागराज

दारागंज में मॉर्निंग वॉक पर निकले पूर्व पार्षद अशोक कुमार सोनकर को बदमाशों ने गोली मार दी। एक गोली हाथ में, जबकि दूसरी गोली जांघ में लगी। गंभीर रूप से घायल अवस्था में उन्हें एसआरएन अस्पताल ले जाया गया। घटना के बाद बाइक सवार बदमाश भाग निकले। बताया जा रहा है कि बदमाश कई दिनों से उनकी रेकी कर रहे थे। घटना की जानकारी मिलने पर स्थानीय पुलिस मौके पर पहुंच गई। बदमाशों की खोजबीन के लिए कई टीमें लगाई गई हैं। दिन दहाड़े हुई घटना से इलाके में दहशत फैल गई है। पुलिस लूट की बात से इनकार कर रही है। डीसीपी अभिषेक भारती ने मौके पर पहुंचकर जायजा लिया। कहा कि प्रथम दृष्टया रंजिश में वारदात को अंजाम देने बात सामने आ रही है। फिलहाल मामले की छानबीन की जा रही है।

तेज रफ्तार कार ने ऑटो को मारी टक्कर, महिला की मौके पर ही मौत, सात घायल

झांसी। झांसी-खजुराहो नेशनल हाइवे पर मऊरानीपुर थाना क्षेत्र के बड़ागांव तिगैला के पास शुक्रवार को एक दिल दहला देने वाला हादसा हुआ। तेज रफ्तार कार ने सवारियों से भरे एक ऑटो में जोरदार टक्कर मार दी, जिससे मौके पर चीख-पुकार मच गई। इस भीषण हादसे में एक महिला की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि आधा दर्जन से अधिक यात्री गंभीर रूप से घायल हो गए। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, हादसा इतना भयावह था कि ऑटो के परखच्चे उड़ गए। स्थानीय लोगों और राहगीरों ने तुरंत मौके

पर पहुंचकर घायलों की मदद शुरू की। सूचना मिलते ही मऊरानीपुर पुलिस भी घटनास्थल पर पहुंची और बचाव कार्य में जुट गई। घायलों को तत्काल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मऊरानीपुर ले जाया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद सात गंभीर रूप से घायल यात्रियों को झांसी मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया गया। पुलिस के अनुसार, हादसे की जांच शुरू कर दी गई है। मृतक महिला की पहचान खरकामाफ थाना लहचूरा निवासी हरकुंवर 60 पत्नी कुंजीलाल के तौर पर हुई है। चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार के बाद सात गंभीर रूप से घायलों को झांसी मेडिकल कॉलेज के लिए रिफर कर दिया। कोतवाली में तैनात दरोगा द्वारा समय पर एम्बुलेंस न पहुंचने पर प्राइवेट वाहन से स्वास्थ्य केंद्र लाया गया। जहां दरोगा द्वारा घायलों को गोद मे उठाकर स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया।

आजम ने विनीत बनकर हिंदू युवती से रचाई शादी, केस दर्ज

गोंडा। नगर कोतवाली क्षेत्र अंतर्गत एक मोहल्ले की रहने वाली एक हिंदू लड़की से पश्चिम बंगाल के आजम हसन शेख ने खुद को विनीत सिंह बताकर शादी की। इसके बाद पीड़िता को जब जानकारी हुई कि युवक मुस्लिम है तो दोनों के बीच झगड़ा हुआ। तब आरोपी लड़की को लेकर जबरदस्ती कोलकाता चला गया। वहां आरोपी के परिजनों को जब जानकारी हुई कि लड़की हिंदू है तो जबरन धर्मांतरण का दबाव बनाने के लगे, उस दौरान वह गर्भवती थी। पीड़िता के मुताबिक, धर्म परिवर्तन करने से मना करने पर आरोपी आजम हसन शेख ने अपने पिता अकबर अली, मां राशिदा, बहन मनुजा ने उसके साथ मिलकर मारपीट की। इसके बाद एक मौलवी के पास ले जाकर उसका धर्मांतरण कराया, फिर मुस्लिम रीति रिवाज से उसके साथ निकाह कराया। इसके बाद मौलवी के कहने पर आरोपियों ने दो माह का गर्भपात करवा दिया। पीड़िता ने बताया कि, वह किसी तरीके से कोलकाता के बरईपुर साउथ 24 काजीपारा मजिस्द थाना बरईपुर वेस्ट बंगाल से भाग करके गोंडा आई है। उसने गोंडा नगर कोतवाली में तहरीर देकर के आरोपी आजम सहित अन्य आरोपियों पर धर्म परिवर्तन और गर्भपात कराए जाने को लेकर मुकदमा दर्ज कराया।

राहुल के आरोपों पर चंद्रशेखर की प्रतिक्रिया

भारत निर्वाचन आयोग को स्पष्ट जवाब देना चाहिए

लखनऊ। भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के नेता और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी द्वारा वोट चोरी का आरोप लगाने के मामले में नगीना सांसद चंद्रशेखर आजाद ने प्रतिक्रिया दी है। आजाद समाज पार्टी (कांशीराम) के राष्ट्रीय अध्यक्ष ने संसद परिसर में पत्रकार से बात करते हुए कहा कि भारत निर्वाचन आयोग को इन आरोपों का जवाब देना चाहिए। नगीना सांसद ने कहा कि अगर जनता किसी सरकार को पसंद नहीं कर रही है तो सत्ता परिवर्तन के लिए मतदान लोगों का हथियार है। यह अधिकार संविधान ने

जनता को दिया है।, हालांकि अब इस पर भी सवाल उठ रहे हैं। मैंने भी यह प्रेस वार्ता देखी। एक ही व्यक्ति के कई कई जगह वोट है। पिता के नाम में दिक्कत है। ऐसे में लोगों का भरोसा बरकरार रखने के लिए भारत निर्वाचन आयोग को स्पष्ट जवाब देना चाहिए। लोकतंत्र का मतलब ही विश्वास है, लोगों की आस्था लोकतंत्र में बनाए रखने के लिए इसका फेयर जवाब देना चाहिए। गुरुवार को प्रेस वार्ता के बाद शुक्रवार को एक वीडियो जारी कर कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) को 'संस्थागत चोरी' करार देते हुए शुक्रवार को आरोप लगाया कि निर्वाचन आयोग गरीबों का मताधिकार छीनने के उद्देश्य से इस 'चोरी' को अंजाम देने के लिए भारतीय जनता पार्टी (BJP) के साथ 'खुलेआम सांठगांठ' कर रहा है।

मैंने संसद में संविधान की शपथ ली है

चुनाव आयोग के कागज भेजने पर भड़के राहुल गांधी

महानगर नेटवर्क

बेंगलुरु

वोटर लिस्ट में धांधली के आरोपों पर राहुल गांधी ने चुनाव आयोग पर शुक्रवार को फिर से हमला बोला। उन्होंने बेंगलुरु में कांग्रेस की रैली को संबोधित करते हुए कहा कि मेरे आरोपों पर चुनाव आयोग मुझसे शपथ लेने को कह रहा है। उन्होंने कहा कि मुझसे इलेक्शन कमिशन एफिडेविट मांगता है। मेरे से कहा जा रहा है कि मुझे शपथ लेनी है। मैंने तो संसद भवन के अंदर संविधान की शपथ ली है। संविधान की कॉपी लहराते हुए उन्होंने कहा कि मैंने इस पर हाथ रखकर शपथ ली है। इस दौरान राहुल गांधी ने एक और सनसनीखेज आरोप लगाते हुए कहा कि कांग्रेस के सवालों पर जनता जवाब मांग रही है। इसलिए चुनाव आयोग ने अपनी वेबसाइट बंद कर ली है।

राहुल गांधी ने कहा कि आज हिंदुस्तान की जनता जब इलेक्शन कमिशन से हमारे डेटा को लेकर सवाल पूछ रही है तो उसने अपनी वेबसाइट को बंद कर दिया। मध्य प्रदेश, बिहार की वेबसाइट

बंद कर दी हैं। वे जानते हैं कि यदि हिंदुस्तान की जनता ने इसी डेटा को लेकर सवाल पूछना शुरू कर दिया तो उनका पूरा ढांचा गिर जाएगा। हालांकि उनका यह दावा गलत पाया गया है। मध्य प्रदेश और बिहार के चुनाव आयोग की वेबसाइट जब हमने खोलने का प्रयास किया तो वह चालू है। वहां किसी भी तरह की जानकारी आसानी से पहले की तरह ही हासिल की जा सकती है। बेंगलुरु के 'फ्रीडम पार्क' में आयोजित 'वोट अधिकार रैली' को संबोधित करते हुए राहुल गांधी ने कहा कि वोटर लिस्ट में धांधली के लिए जिम्मेदार अधिकारियों को एक न एक दिन पकड़ा जाएगा, क्योंकि यह एक अपराधिक कृत्य है।

'आप संविधान पर अटैक करेंगे तो हम आप पर करेंगे'

उन्होंने संविधान की प्रति दिखाते हुए कहा, 'अगर आप (अधिकारी) इस पर आक्रमण करेंगे तो हम पर आक्रमण करेंगे।' राहुल गांधी ने कहा, 'हमारी मांग है कि चुनाव आयोग पूरे देश की मतदाता सूची को डिजिटल स्वरूप में प्रदान करे और सीसीटीवी फुटेज दे। अगर हमें यह मिलता है, तो हम यह साबित कर देंगे कि वोट चोरी सिर्फ कर्नाटक में नहीं, बल्कि पूरे हिंदुस्तान में की गई है।' उन्होंने दावा किया कि यदि इलेक्ट्रॉनिक डेटा मिल जाए तो वह यह साबित कर देंगे कि प्रधानमंत्री वोट की चोरी करके इस पद पर आए हैं।

भारतीय पहनावा देख कपल को नहीं मिली रेस्टोरेंट में एंट्री

नई दिल्ली। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने दिल्ली के एक रेस्टोरेंट में भारतीय पहलावे के कारण एक कपल को एंट्री से रोकने वाला वीडियो सामने आने के बाद अधिकारियों को जांच कर आवश्यक कार्रवाई करने के निर्देश दिए। दिल्ली के पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री कपिल मिश्रा ने शुक्रवार को 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि पीतमपुरा के एक रेस्तरां में भारतीय परिधानों पर प्रतिबंध का एक वीडियो सामने आया है। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने इसे गंभीरता से लिया है। अधिकारियों को मामले में जांच करने और तत्काल कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए हैं।'' सोशल मीडिया के एक उपयोगकर्ता द्वारा 'एक्स' पर साझा किये गये इस घटना के एक वीडियो का हवाला देते हुए मिश्रा ने कहा, दिल्ली में यह 'अस्वीकार्य' है। कथित घटना तीन अगस्त को पीतमपुरा मेट्रो परिसर स्थित एक रेस्तरां में हुई। वीडियो में टी-शर्ट पहने एक व्यक्ति और कुर्ता-सलवार पहने एक महिला कथित तौर पर भारतीय परिधान पहनने के कारण प्रवेश न दिए जाने की शिकायत करते हुए देखे जा सकते हैं।

चुनाव में ड्यूटी करने वाले कर्मचारियों को निर्वाचन आयोग का तोहफा

ECI ने बढ़ाया मानदेय

महानगर नेटवर्क

नई दिल्ली

भारतीय निर्वाचन आयोग ने चुनाव के दौरान ड्यूटी करने वाले कर्मचारियों का मानदेय बढ़ाने का फैसला किया है। आयोग की तरफ से जारी विज्ञप्ति के मुताबिक चुनावी प्रक्रिया में पदों पर काम करने वाले कर्मचारियों के मानदेय में वृद्धि की गई है। आयोग की तरफ से जारी बयान में कहा गया कि केंद्र से लेकर स्थानीय प्राधिकरणों तक के चुनाव में अधिकारी और कर्मचारी समेत तमाम चुनावी मशीनरी काम करती है। ऐसे में इन्हें इनके काम का बेहतर मुआवजा मिले इसके लिए मानदेय बढ़ाया गया है।

निर्वाचन आयोग के मुताबिक पीठासीन अधिकारी एवं मतगणना पर्यवेक्षक के पहले 350 रुपए प्रतिदिन मिलते थे, अब नए मानदेय के हिसाब से इन्हें 500 रुपए प्रतिदिन या 2000 रुपए एकमुश्त दिए जाएंगे। वहीं मतदान अधिकारी को पहले 250 रुपए

प्रतिदिन दिया जाता था। नए मानदेय भुगतान के तहत इन्हें 400 रुपए प्रतिदिन या 1600 रुपए एकमुश्त दिए जाएंगे। इसके अलावा 'मतगणना सहायक' को पहले 250 रुपए प्रतिदिन के हिसाब से दिए जाते थे। नए नियमों के हिसाब से इस पद पर बैठे व्यक्ति को 450 रुपए प्रतिदिन या 1350 रुपए एकमुश्त दिए जाएंगे।

इसके अलावा विभिन्न कामों के लिए चुनावों में मदद करने वाले चतुर्थ श्रेणी कर्मचारियों को पहले जहां 200 रुपए प्रतिदिन दिया जाता था। उनका मानदेय बढ़ाकर अब 350 रुपए प्रतिदिन या फिर 1400 रुपए एकमुश्त दिए जाएंगे। इसके अलावा कॉल सेंटर या कंट्रोल रूम के चतुर्थ श्रेणी के कर्मचारी को 200 रुपए प्रतिदिन या फिर 1000 रुपए एकमुश्त भुगतान किया जाएगा। वीडियो सर्विलांस टीम, वीडियो व्यूइंग टीम, लेखा दल, कंट्रोल रूम, कॉल सेंटर, मीडिया सर्टिफिकेशन, निगरानी समिति, उड़नदस्ते जैसे कामों में लगे कर्मचारियों को उनके पद के हिसाब से मानदेय मिलेगा। इन कार्यों को कर रहे श्रेणी-1 और 2 के कर्मचारी जिनको पहले 1200 रुपए दिए जाते थे उनको अब एक मुश्त 3000 रुपए दिए जाएंगे। वहीं दूसरी ओर श्रेणी-3 के कर्मचारी जिनको पहले 1000 रुपए दिए जाते थे। उनको अब से 2000 रुपए दिए जाएंगे।

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने वापस लिया इनकम टैक्स बिल 2025

सोमवार को पेश किया जाएगा नया विधेयक

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने शुक्रवार को लोकसभा में इनकम टैक्स बिल, 2025 वापस ले लिया। बिहार में वोटर लिस्ट SIR के मुद्दे पर विपक्षी दलों के सदस्यों के हंगामे के बीच वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने प्रवर समिति की रिपोर्ट के अनुसार आयकर विधेयक, 2025 को वापस लेने की अनुमति मांगी। सदन की मंजूरी के बाद उन्होंने आयकर विधेयक वापस ले लिया। प्रवर समिति की रिपोर्ट 21 जुलाई 2025 को सदन में पेश की गई थी। आयकर विधेयक, 2025 को आयकर अधिनियम, 1961 की जगह लेने के लिए लाया गया था। इनकम टैक्स बिल का नया वर्जन 11 अगस्त को लोकसभा में पेश किया जाएगा। सूत्रों ने बताया कि आईटी बिल के नए और अपडेटेड वर्जन में प्रवर समिति की ज्यादातर सिफारिशें शामिल की जाएंगी। विधेयक के विभिन्न संस्करणों की वजह से भ्रम की स्थिति से बचने और सभी बदलावों को शामिल करते हुए एक स्पष्ट और अपडेटेड वर्जन उपलब्ध कराने के लिए इनकम टैक्स बिल का नया वर्जन सोमवार को सदन में विचार के लिए पेश किया जाएगा।

प्रवर समिति ने क्या सुझाव दिए?

प्रवर समिति ने इनकम टैक्स बिल में कई बदलावों का सुझाव दिया था। लोकसभा में पेश किए जाने के तुरंत बाद यह विधेयक स्क्रूटनी के लिए प्रवर समिति को भेज दिया गया था। 31 सदस्यों वाली प्रवर समिति ने इस विधेयक पर कुछ सुझाव दिए थे। उन्होंने नए कानून में धार्मिक कम चैरिटेबल ट्रस्टों को दिए गए गुमनाम दान पर कर छूट जारी रखने का भी समर्थन किया।

नए बिल में क्या था?

सरकार ने नए बिल में गैर-लाभकारी संगठनों (NPOs) को विशुद्ध रूप से धार्मिक ट्रस्टों द्वारा प्राप्त गुमनाम दान पर टैक्स लगाने से छूट दी है। हालांकि बिल के अनुसार दान प्राप्त करने वाले किसी भी धार्मिक ट्रस्ट द्वारा प्राप्त (जो अस्पताल और शैक्षणिक संस्थान चलाने जैसे अन्य चैरिटेबल काम भी करते हों) पर कानून के अनुसार टैक्स लगाया जाएगा।

हिंदू देवताओं का अपमान नहीं कर सकते

भगवान कृष्ण और गोपियों की फोटो पर ऐसे भद्दे कमेंट पर भड़का HC

महानगर नेटवर्क

नई दिल्ली

हिंदू देवताओं के अपमान से जुड़े केस को लेकर मद्रास हाईकोर्ट ने तमिलनाडु पुलिस को फटकार लगाई है। कोर्ट का कहना है कि हिंदू देवी-देवताओं को अपमानजनक तरीके से पेश करने को सही नहीं ठहराया जा सकता। साथ ही अदालत ने फेसबुक पोस्ट को लेकर दर्ज केस की जांच करने के तरीके और फिर उसे बंद करने पर भी पुलिस की आलोचना की है। फेसबुक पोस्ट में भगवान कृष्ण को गोपियों को कपड़े लेकर भागते हुए दिखाया गया था, जिसमें फूहड़ कैप्शन लिखे गए थे। जस्टिस के मुरली शंकर मामले की सुनवाई कर रहे थे। उन्होंने कहा कि धार्मिक चित्रों को किस तरह से दिखाया जा रहा है, इसमें संवेदनशीलता रखनी चाहिए। साथ ही कहा कि सरकार को भी यह सुनिश्चित करना चाहिए कि अभिव्यक्ति की

आजादी की वजह से धार्मिक भावनाएं आहत ना हों। 4 अगस्त को आए अदालत के फैसले में कहा गया, 'हिंदू देवताओं को अपमानजनक तरीके से दिखाना, लाखों की भावनाओं को जानबूझकर चोट पहुंचाने को सही नहीं ठहराया जा सकता। ऐसे काम दुश्मनी, धार्मिक उन्माद, सामाजिक अव्यवस्था और सांप्रदायिक तनाव भड़का सकते हैं। धार्मिक चिह्नों और देवताओं के प्रति गहरे सम्मान के मद्देनजर ऐसे काम सामाजिक तनाव पैदा कर सकते हैं, जो बड़े वर्ग को नुकसान पहुंचा सकता है।' आगे कहा गया, 'ऐसे में यह जरूरी है कि इस तरह की चीजों को संवेदनशीलता के साथ पेश किया जाए। सरकार को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि अभिव्यक्ति की आजादी से धार्मिक भावनाएं आहत ना हों।'

क्या था मामला

एक फेसबुक पोस्ट पर दो कमेंट्स थे, जिनमें से एक में कहा गया था कि कृष्ण जयंती ऐसे व्यक्ति का पर्व है, जो नहाती हुईं महिलाओं के कपड़े चुराते हैं। सतीश कुमार नाम के यूजर के अकाउंट से कमेंट किया गया था। इसपर पी परमसिवन नाम के शख्स ने आपराधिक केस दर्ज कराया।

'जोखिम में डाल दिए भारत-अमेरिका के रिश्ते'

- ट्रंप की सनक का अमेरिकी सांसद ने किया विरोध

महानगर नेटवर्क

नई दिल्ली

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भारत पर 50% टैरिफ लगाने का ऐलान किया है। पहले चरण का 25% टैरिफ बीते गुरुवार से लागू हो चुका है, जबकि दूसरे चरण का 25% अतिरिक्त टैरिफ 27 अगस्त से लागू हो जाएगा। टैरिफ के मसले पर भारत सरकार का रुख भी स्पष्ट नजर आ रहा है और वह अमेरिका के किसी भी दबाव को मानती नजर नहीं आ रही है। इस बीच अमेरिका में भी डोनाल्ड ट्रंप की सनक के विरोध में सुर नजर आने लगे हैं। अमेरिकी संसद के एक सदस्य ने कहा है कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के 'टैरिफ वार' ने अमेरिका-भारत साझेदारी को मजबूत बनाने के लिए वर्षों से सावधानीपूर्वक किए गए काम को जोखिम में डाल दिया है। प्रतिनिधि सभा के सदस्य ग्रेगरी मीक्स ने गुरुवार को कहा कि अमेरिका के भारत के साथ "गहरे रणनीतिक और आर्थिक" तथा दोनों देशों के लोगों के बीच संबंध हैं। मीक्स डेमोक्रेटिक पार्टी के सांसद हैं और वह 'हाउस फॉरेन अफेयर्स कमेटी डेम्स' के रैंकिंग सदस्य भी हैं। उन्होंने X पर एक पोस्ट में कहा कि ट्रंप के 'टैरिफ वार' ने अमेरिका-भारत साझेदारी को प्रगाढ़ करने के लिए वर्षों से सावधानीपूर्वक किए गए काम को जोखिम में डाल दिया है।

SLAT 2026 के लिए रजिस्ट्रेशन शुरू

28 दिसंबर 2025 को होगी परीक्षा

नई दिल्ली। सिम्बायोसिस लॉ एडमिशन टेस्ट (SLAT) 2026 के लिए रजिस्ट्रेशन प्रक्रिया शुरू हो चुकी है। यह एग्जाम उन स्टूडेंट्स के लिए है, जो लॉ एजुकेशन में भविष्य बनाना चाहते हैं। SLAT एग्जाम की तारीख 20 दिसंबर 2025 (शनिवार) और 28 दिसंबर 2025 (रविवार) तय की गई हैं। SLAT एग्जाम का आयोजन सिम्बायोसिस इंटरनेशनल (डीम्ड यूनिवर्सिटी) द्वारा किया जाता है। यह एग्जाम पुणे, नोएडा, हैदराबाद और नागपुर में स्थित सिम्बायोसिस लॉ स्कूलों में अंडरग्रेजुएट लॉ कोर्सेस में एडिमशन के लिए ज़रूरी है। SLAT 2026 एग्जाम देश भर के 68 शहरों में आयोजित किया जाएगा और इसे लॉ एजुकेशन के लिए स्टूडेंट्स की योग्यता का मूल्यांकन करने के लिए डिज़ाइन किया गया है। ये एग्जाम कंप्यूटर-आधारित टेस्ट (CBT) होता है, जिसमें 60 मिनट में कुल 60 प्रश्नों के उत्तर देने होते हैं। यह परीक्षा हर साल केवल दिसंबर महीने में आयोजित की जाती है। इसमें लॉजिकल रीजनिंग, लीगल रीजनिंग, एनालिटिकल रीजनिंग, रीडिंग कॉम्प्रिहेंशन, और जनरल नॉलेज जैसे विषयों में हर एक से कुल 12 प्रश्न पूछे जाते हैं।

सुप्रीम कोर्ट ने राजद्रोह कानून पर सरकार से जवाब मांगा

कोर्ट संवैधानिक वैधता पर विचार करेगा | याचिकाकर्ता ने कहा- नया कानून भी पुराने जैसा सख्त

महानगर नेटवर्क

नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट ने 2023 में बने नए कानून भारतीय न्याय संहिता (BNS) में राजद्रोह से जुड़ी धारा 152 को लेकर केंद्र सरकार से जवाब मांगा है। कोर्ट ने कहा है कि वह इसकी संवैधानिक वैधता यानी संविधान के अनुसार सही होने पर विचार करेगा। याचिका सेना के रिटायर्ड मेजर जनरल एस.जी. वोम्बटकेरे ने दायर की है। उन्होंने कहा है कि BNS की धारा 152, पुराने राजद्रोह कानून (IPC की धारा 124A) की तरह ही है, बल्कि उससे भी ज्यादा

सख्त, खतरनाक और अस्पष्ट है। CJI बीआर गवई, जस्टिस के विनोद चंद्रन और जस्टिस एनवी अंजारिया की बेंच ने याचिका पर नोटिस जारी किया। कोर्ट ने इस याचिका में उस पुराने मामले से जोड़ने का आदेश भी दिया है जिसमें पहले से IPC के राजद्रोह कानून को चुनौती दी गई थी। इस मुद्दे पर अगली सुनवाई में सरकार को कोर्ट में अपना पक्ष रखना होगा। यह संविधान के अनुच्छेद 14 (समानता), अनुच्छेद 19(1)(a) (अभिव्यक्ति की आजादी) और अनुच्छेद 21 (जीवन और स्वतंत्रता) का उल्लंघन करता है। इसमें इस्तेमाल किए गए शब्द (जैसे "जानबूझकर" या "इरादे से") ठीक से परिभाषित नहीं हैं, जिससे सरकार इनका गलत इस्तेमाल कर सकती है।

चाहती हूं भारत भाषाई आतंक के बिना फले-फूले

ममता बनर्जी ने किस पर साधा निशाना

महानगर नेटवर्क

कोलकाता

मैं चाहती हूं कि भारत भाषाई आतंक के बिना फले-फूले। यह बात पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने कही। उन्होंने भाजपा शासित राज्यों में बंगाली भाषी प्रवासियों के कथित उत्पीड़न को लेकर हो रहे विरोध प्रदर्शनों के बीच यह बात कही। ममता बनर्जी ने इस दौरान नोबेल पुरस्कार विजेता रवींद्रनाथ टैगोर का भी उल्लेख किया। उन्होंने यह भी आशा जताई कि लोग ऐसे भारत को लेकर जागरुक होंगे जहां रवींद्रनाथ की भाषा, बांग्ला, को सभी नागरिकों का सम्मान, गरिमा और प्यार मिलेगा। ममता बनर्जी ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, 'मैं विश्व कवि रवींद्रनाथ टैगोर के चरणों में अपनी श्रद्धा अर्पित

करती हूं। वे हर पल हमारे हृदय में निवास करते हैं। वे हमारी आत्मा के कवि हैं, और मैं आज उन्हें अपने हृदय की गहराइयों से स्मरण करती हूं। वे हमारे संरक्षक और हमारे पथ प्रदर्शक हैं।' बनर्जी ने यह टिप्पणी टैगोर की 84वीं पुण्यतिथि के दिन की, जो बंगाली कैलेंडर के अनुसार श्रावण मास के 22वें दिन पड़ती है।

300 सस्ता LPG सिलेंडर के लिए बड़ा फैसला

मोदी सरकार ने 12060 करोड़ किया मंजूर

महानगर नेटवर्क

नई दिल्ली

केंद्रीय कैबिनेट ने पीएम उज्ज्वला योजना के लिए 12060 करोड़ रुपये की मंजूरी दे दी है। साल 2016 में शुरू की गई इस स्कीम के तहत 10 करोड़ से ज्यादा लाभार्थियों को सामान्य ग्राहकों के मुकाबले 300 रुपये सस्ता एलपीजी सिलेंडर मिलता है। देश की राजधानी दिल्ली में एक सामान्य ग्राहक के लिए 14.2 किलोग्राम वाले घरेलू रसोई गैस सिलेंडर की कीमत 853 रुपये है। वहीं, उज्ज्वला योजना के तहत लाभार्थियों को

300 रुपये की सब्सिडी के साथ 553 रुपये में एलपीजी सिलेंडर दिया जाता है। बता दें कि सिलेंडर की कीमत हर राज्य में अलग-अलग हो सकती है।

बीते एक मई को प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना (पीएमयूवाई) के नौ वर्ष पूरे हो गए हैं। मई 2016 में शुरू की गई पीएमयूवाई योजना के लाभार्थी को 14.2 किलोग्राम के एलपीजी सिलेंडर पर साल में अधिकतम नौ बार रिफिल के लिए 300 रुपये की सब्सिडी मिलेगी, जबकि 5 किलोग्राम के सिलेंडर पर समानुपातिक लाभ मिलेगा। इस कदम का उद्देश्य कम आय वाले परिवारों के लिए एलपीजी को और अधिक किफायती बनाना और वैश्विक कीमतों में उतार-चढ़ाव के बावजूद इसका निरंतर उपयोग सुनिश्चित करना है। इस बीच, केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बताया कि सरकार ने अंडर रिकवरी के लिए तीन सार्वजनिक क्षेत्र की तेल विपणन कंपनियों (ओएमसी) को 30,000 करोड़ रुपये की सरकारी मदद को मंजूरी दी है। ये सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनियां इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन, भारत पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड और हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड हैं।

'कर्तव्य भवन' के ओपन ऑफिस से खुश नहीं हैं मंत्रालयों के अफसर

- पीएम मोदी के उद्घाटन करने से पहले ही PMO को लिखा था पत्र

नई दिल्ली। कर्तव्य भवन के उद्घाटन से पहले ही अफसरों और कर्मचारियों ने नाराजगी जताते हुए प्रधानमंत्री कार्यालय और शहरी मामलों के मंत्रालय को पत्र लिख दिया। यह पत्र CSS की ओर से लिखा गया। अब आपके मन में सवाल उठ रहा होगा कि नई दिल्ली में इतने शानदार ऑफिस में शिफ्ट होने के बाद आखिर अफसरों और कर्मचारियों को किस बात की परेशानी है? उन्हें तो खुश होना चाहिए कि उन्हें आलीशान दफ्तर में काम करने का मौका मिला है। CSS की ओर से लिखे गए पत्र में कहा गया है कि ऑफिस का जो लेआउट है, उससे वहां काम करने वालों की गोपनीयता और उनकी कार्य कुशलता पर खराब असर पड़ रहा है। CSS फोरम के महासचिव यतेंद्र चंदेल की तरफ से लिखे गए पत्र में कर्तव्य भवन-3 में बैठने के इंतजामों पर सवाल उठाया गया है।

पेज 1 का शेष

राहुल गांधी का दावा पुरानी बोतल में नई शराब जैसा...

अब इन लोगों को पता है कि साल 2025 में वह तरीका नहीं अपनाया जा सकता। ऐसे में लोगों को यह कहते हुए गुमराह करने की कोशिश कर रहे हैं कि मतदाता सूची में गड़बड़ी है। इसमें बताया जा रहा है कि एक ही नाम का वोटर कई जगहों पर है। आयोग ने कहा कि हकीकत यह है कि जिस आदित्य श्रीवास्तव के तीन अलग-अलग राज्यों में होने की गड़बड़ी वाली बात कही जा रही है, उसे कई महीने पहले ठीक किया जा चुका है।

सुप्रीम कोर्ट की तौहीन कर रहे हैं

चुनाव आयोग ने कहा कि कमल नाथ मामले में आए फैसले के बाद मामला सेटल हो चुका है। लेकिन बार-बार इस मुद्दे को उठाकर राहुल गांधी साबित कर रहे हैं कि वह सुप्रीम कोर्ट के फैसले का सम्मान नहीं करते हैं। आयोग ने कहा कि कानून में आपत्ति जताने का रास्ता है, लेकिन कानूनी रास्ता अख्तियार करने की जगह राहुल गांधी बार-बार मुद्दे को सनसनीखेज बना रहे हैं। अगर राहुल गांधी को लगता है कि उनका विश्लेषण सही है तो फिर उन्हें कानून का सम्मान करते हुए शपथपत्र पर साइन करना चाहिए। अन्यथा चुनाव आयोग पर झूठा आरोप लगाने के लिए उन्हें देश से माफी मांगनी चाहिए।

मच्छरजनित रोगों की रोकथाम, बढ़ाई गई जागरूकता

नई दिल्ली। मच्छरों से फैलने वाली बीमारियों के खिलाफ़ शहर की लड़ाई में योगदान देते हुए डाबर की ओर से भारत के जाने-माने पर्सनल ऐप्लीकेशन मॉस्क्युटो रेपेलेन्ट ब्राण्ड ओडोमॉस ने सुरक्षा बंधन कैंपेन के लॉन्च की घोषणा की है। सुरक्षा के प्रतीक, रक्षाबंधन के त्योहार के उपलक्ष्य में यह कैंपेन लाया गया है। जिस तरह से बहन भाई की कलाई पर राखी बांध कर उसकी सुरक्षा की कामना करती है, ठीक उसी तरह ओडोमॉस मच्छरों से सुरक्षा देता है। इस कैंपेन के तहत ओडोमॉस ने छात्रों के बीच ओडोमॉस बैण्ड बांटे, उन्हें मच्छरों से फैलनी वाली बीमारियों और इनकी रोकथाम के बारे में जागरुक बनाया। मुंबई में इस पहल की शुरुआत करते हुए डाबर ने विजेता प्राथमिक विद्यालय के बच्चों के बीच एक जागरूकता सत्र आयोजित किया, जिसका उद्देश्य छात्रों, शिक्षकों और अभिभावकों को डेंगू फैलाने वाले मच्छरों से प्रभावी बचाव के उपायों के बारे में शिक्षित करना था। इस अवसर पर विशेष अतिथि के रूप में समाजसेविका बेबीताई लांडगे और डाबर इंडिया लिमिटेड

से दिनेश कुमार , विजेता प्रथमिक विद्यालय में प्रिंसिपल फरीदा शेख, अक्षदा कलांबे और सभी कर्मचारी।उपस्थित थे। कैंपेन के तहत डाबर ने बच्चों में ओडोमॉस मॉस्क्युटो रेपेलेन्ट प्रोडक्ट्स भी वितरित किए। कंपनी ने मच्छरों से फैलने वाली बीमारियों जैसे डेंगू, मलेरिया और चिकनगुनिया के कारण, लक्षण एवं रोकथाम के बारे में जागरुकता बढ़ाने के लिए एक सेमिनार का आयोजन भी किया। इस पहल पर बात करते हुए वैभव राठी, मार्केटिंग हैड- होम केयर, डाबर इंडिया लिमिटेड ने कहा, सुरक्षा बंधन कैंपेन समाज के स्वास्थ्य को बढ़ावा देने के लिए डाबर ओडोमॉस के प्रयासों पर रोशनी डालता है।

देश का लोकतंत्र है, मजाक नहीं

राहुल के दावे को लेकर ECI की प्रतिक्रिया पर भड़की प्रियंका गांधी

नई दिल्ली। कांग्रेस नेता राहुल गांधी के वोट चोरी संबंधी आरोपों पर निर्वाचन आयोग द्वारा शपथ पत्र मांगे जाने की प्रियंका गांधी ने आलोचना की है। उन्होंने निर्वाचन आयोग पर निशाना साधते हुए कहा कि अगर उन्हें (आयोग) को लगता है कि उनकी जिम्मेदारी केवल भाजपा के प्रति है, तो उन्हें इस बात पर पुनर्विचार करने की जरूरत है। वह बिना जांच किए इन आरोपों को गलत कैसे बता रहे हैं? प्रियंका का यह बयान राहुल गांधी द्वारा निर्वाचन आयोग पर लगाए गए वोट चोरी के आरोपों के बाद आया है, जिसमें उन्होंने निर्वाचन आयोग पर कर्नाटक में फर्जी वोट बनाने का आरोप लगाया था। इसके बाद गुरुवार को कम से कम तीन राज्यों के मुख्य निर्वाचन अधिकारियों ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी से उन मतदाताओं के नाम साझा करने को कहा

था, जिनके बारे में कांग्रेस नेता ने दावा किया था कि उन्हें मतदाता सूची में गलत तरीके से शामिल किया गया है या बाहर रखा गया है।

संसद परिसर में मीडिया से बात करते हुए प्रियंका ने कहा कि समझ लीजिए, वे जो शपथपत्र मांग रहे हैं, वह एक ऐसे कानून के तहत है, जिसके मुताबिक आपको 30 दिन के भीतर याचिका देनी होती है, अन्यथा कुछ नहीं होगा। तो फिर वे हलफनामा क्यों मांग रहे हैं? इतना बड़ा खुलासा किया गया है। अगर यह अनजाने में हुआ है, तो इसकी जांच कीजिए। प्रियंका ने कहा कि आरोपों की जांच करने के बजाय वह कह रहे हैं कि एक हलफनामे पर हस्ताक्षर करो, क्या वह संसद में ली जाने वाली शपथ से भी बड़ी शपथ है? हमने वह शपथ ली है, हम सब कुछ सार्वजनिक रूप से कह रहे हैं और आपको सबूत भी दिखा रहे हैं। कांग्रेस महासचिव ने राहुल गांधी के दावों को दोहराते हुए कहा कि एक विधानसभा में एक विधानसभा में एक लाख से ज्यादा फर्जी वोट पाए गए हैं, जिसका मतलब है कि वे जिसे भी वोट देंगे, वही जीतेगा। कांग्रेस नेता ने कहा, यह हमारे देश का लोकतंत्र है। यह कोई मज़ाक नहीं है।

भाई-बहन को स्नेह की डोर में बांधता है रक्षाबंधन त्योहार

भाई-बहन का पावन त्योहार रक्षाबंधन इस साल 9 अगस्त को मनाया जाएगा। इस दिन बहन भाई को राखी बांधती है। हिंदू धर्म में शुभ मुहूर्त में कार्य करने का विशेष महत्व बताया गया है। रक्षाबंधन के दिन भी शुभ मुहूर्त में राखी बांधना शुभ होता है। इस वर्ष रक्षाबंधन या राखी बांधने के लिए शुभ मुहूर्त प्रात: काल से ही आरम्भ हो जाएगा। श्रावण मास के शुक्ल पक्ष की पूर्णिमा तिथि को मनाया जाने वाला पर्व रक्षाबंधन इस वर्ष भद्रा से पूरी तरह मुक्त रहेगा। करीब 40 वर्षों बाद बन रहे इस संयोग की वजह से बहनें बिना किसी दोष के पूरे दिन भाइयों की कलाई पर राखी बांध सकेंगी। इस वर्ष रक्षाबंधन पर सर्वार्थ सिद्धि योग, सौभाग्य योग, बुधादित्य योग सहित बृहस्पति और शुक्र की युति व चंद्रमा का श्रवण नक्षत्र में गोचर इस दिन को और भी पुण्यदायी बना रहे हैं।

भद्रा का साया नहीं लेकिन राहुकाल की अड़चन

हिंदू धर्म में भद्राकाल में राखी बांधना वर्जित है, लेकिन इस बार रक्षा बंधन के भद्रा सूर्योदय से पूर्व समाप्त हो जाएगी। भद्रा का साया भले ही राखी पर नहीं रहेगा, लेकिन राहुकाल की अड़चन आएगी। ज्योतिष शास्त्र में राहुकाल को भी मांगलिक कार्यों के लिए शुभ नहीं माना गया है। 09 अगस्त को राहुकाल सुबह 09 बजकर 07 मिनट से सुबह 10 बजकर 47 मिनट तक रहेगा।

बहनें ऐसे बांधें राखी

रक्षाबंधन के पावन दिन सबसे पहले बहनें बहनें भाई के माथे पर तिलक लगाएं। अक्षत् (चावल) लगाएं। फिर रक्षा सूत्र बांधें। उनका मुंह मीठा अवश्य कराएं। इसके बाद बहनें भाई की आरती अवश्य करें। वहीं भाई भी बहनों को अवश्य कुछ न कछ उपहार दें।

राखी बंधन का शुभ मुहूर्त

<u>रक्षा बंधन पर राखी बांधने के ब्रह्म मुहूर्त से लेकर अन्य शुभ मुहूर्त :</u> रक्षा बंधन पर राखी बांधने के लिए ब्रह्म मुहूर्त सुबह 04 बजकर 22 मिनट से सुबह 05 बजकर 04 मिनट तक रहेगा। सर्वार्थ सिद्धि योग सुबह 05 बजकर 47 मिनट से दोपहर 02 बजकर 23 मिनट तक रहेगा। अभिजित मुहूर्त दोपहर 12 बजे से दोपहर 12 बजकर 53 मिनट तक रहेगा। विजय मुहूर्त दोपहर 02 बजकर 40 मिनट से दोपहर 03 बजकर 33 मिनट तक रहेगा। गोधूलि मुहूर्त शाम 07 बजकर 06 मिनट से शाम 07 बजकर 27 मिनट तक रहेगा।

रक्षाबंधन के दिन मनाई जाएगी नारली पूर्णिमा

हिंदू पंचांग में सावन की पूर्णिमा तिथि न केवल रक्षा बंधन का पावन पर्व लाती है,बल्कि समुद्र देवता से जुड़ा एक त्योहार भी साथ लाती है। यह त्योहार समुद्र से जुड़े समुदाय मनाते हैं, इसे नारली पूर्णिमा के नाम से जाना जाता है। यह दिन मुख्य रूप से महाराष्ट्र, गोवा, कोंकण और दक्षिण भारत के तटीय इलाकों में बड़ी श्रद्धा से मनाई जाती है। यह पर्व 9 अगस्त को मनाया जाएगा, ठीक उसी दिन रक्षाबंधन का त्योहार भी है। ऐसे में इसकी धार्मिक महत्व और भी बढ़ गया है। माना जाता है कि यह त्योहार मछुआरा समुदाय के लिए बेहद खास होती है।

पूर्णिमा तिथि का आरंभ 08 अगस्त को दोपहर 02.12 बजे होगा, जो 9 अगस्त की दोपहर 01.24 बजे तक रहेगा। चूंकि हिंदू धर्म में उदया तिथि की मान्यता है ऐसे में 9 अगस्त को ही नारली पूर्णिमा मनाई जाएगी।

शुभ मुहूर्त

ब्रह्म मुहूर्त-	तड़के 04.22 बजे से 05.04 बजे तक
अभिजीत मुहूर्त-	तड़के 04.43 से 05.47 बजे तक
विजय मुहूर्त-	दोपहर 02.40 बजे से 03.33 बजे तक
गोधूलि मुहूर्त-	शाम 07.063 बजे से 07.27 बजे तक

कैसे करनी है इस दिन पूजा?

सुबह जल्दी स्नान करें और साफ कपड़े पहनें। फिर पूजा के स्थान या समुद्र/नदी के किनारे को गंगाजल से शुद्ध करें। अब भगवान वरूण देव की मानसिक स्थापना करें और उनका ध्यान करें। फिर एक नारियल लें और उस पर हल्दी-कुमकुम लगाएं, लाल कपड़ा बाधें और समुद्र देव को अर्पित करें। धूप-दीप, अक्षत, फूल, चंदन और जल से भगवान वरुण की पूजा करें। पूजा के अंत में वरूण देव के मंत्रों (ॐ वरुणाय नमः) का जप करें। अंत में प्रसाद वितरित करें।

गायत्री जयंती पर मंत्र का जाप विशेष फलदायी

गायत्री जयंती साल में दो बार मनाई जाती है। यह ज्येष्ठ माह के शुक्ल पक्ष की एकादशी तिथि को और श्रावण मास की पूर्णिमा तिथि को मनाई जाती है। गायत्री जयंती आध्यात्मिक जागरण का पर्व, आत्मा की शुद्धि, विचारों की पवित्रता और आत्मबोध का दिन है। देवी गायत्री सभी वेदों की जननी हैं इसलिए इन्हें वेदमाता कहा गया है। गायत्री मंत्र का जप इस दिन विशेष फलदायी होता है। कहते हैं इस दिन उपवास, मंत्रजप, ध्यान और यज्ञ करने से जन्म-जन्मांतर के पाप मिटते हैं। यहां से आप जान सकते हैं कि सावन की गायत्री जयंती कब है, इसकी पूजा कैसे की जाती है, मंत्र, कथा और आरती भी यहां मौजूद है।

गायत्री मंत्रः
ॐ भूर्भुवः स्वः
तत्सवितुर्वरेण्यं
भर्गो देवस्य धीमहि।
धियो यो नः
प्रचोदयात्॥

पौराणिक मान्यता के अनुसार, ब्रह्मा जी जब सृष्टि की रचना कर रहे थे, तब उन्हें यज्ञ की आवश्यकता पड़ी। यज्ञ के लिए एक पत्नी की जरूरत थी। उस समय देवी गायत्री ब्रह्मा जी की सहधर्मिणी के रूप में प्रकट हुईं। **एक अन्य कथा के अनुसार** – महर्षि विश्वामित्र घोर तपस्या में लीन थे। उन्होंने इंद्र सहित देवताओं को भी अपनी तपस्या से विचलित कर दिया। तप से संतुष्ट होकर ब्रह्माजी ने उन्हें गायत्री मंत्र प्रदान किया। गायत्री मंत्र के उच्चारण से उन्हें दिव्य ज्ञान और ब्रह्मतेज की प्राप्ति हुई। इस दिन को ही गायत्री जयंती के रूप में मनाया जाता है।

गायत्री जयंती कब है?

हर साल की तरह साल 2025 में भी दो बार गायत्री जंयती मनाई जा रही है। बात करें सावन के महीने की गायत्री जयंती की तो अगस्त में 9 अगस्त 2025 को गायत्री जयंती है।

गायत्री जयंती 2025 पूजन विधि :

इस दिन सुबह जल्दी उठकर स्नान करें और व्रत का संकल्प लें। चौकी में देवी गायत्री की तस्वीर स्थापित करें। देवी गायत्री को तिलक लगाएं, फूल अर्पित करें। देवी गायत्री के समक्ष दीपक जलाएं और धूपबत्ती जलाएं। साथ में गायत्री मंत्र का जाप करें। देवी को फल, मिठाई और अन्य प्रसाद चढ़ाएं। ब्राह्मणों को भोजन कराएं और दान और दक्षिणा दें। प्रसाद को सभी लोगों में बांटे।

बैली फैट से निजात दिला सकते हैं ये वेट लॉस टिप्स

बढ़ता मोटापा आज हर दूसरे व्यक्ति के लिए एक बड़ी समस्या बन गया है। बिजी लाइफस्टाइल और खानपान की खराब आदतों ने इस समस्या को और ज्यादा बढ़ा दिया है। घंटों एक जगह बैठकर काम करने से व्यक्ति की कमर के आसपास चर्बी जमा होने लगती है। जो ना सिर्फ देखने में खराब लगती है,बल्कि सेहत से जुड़े कई रोगों की भी घंटी हो सकती है। आमतौर पर एक हेल्दी वेट लॉस के लिए हेल्थ एक्सपर्ट किचन से जंक फूड हटाने की सलाह देते हैं। अपनी रोजमर्रा की आदतों में थोड़ा सा बदलाव करके आप बड़ी आसानी से अपना वेट लॉस कर सकते हैं। बैली फैट कम करने के लिए 6 असरदार टिप्स जिन्हें फॉलो करके कोई भी बड़ी आसानी से अपना कई किलो वजन कम कर सकता है। बैली फैट से निजात दिला सकते हैं ये वेट लॉस टिप्स

पर्याप्त नींद लें :- जल्दी वेट लॉस करने के लिए ऋषभ सबसे पहले अच्छी नींद लेने की सलाह देते हैं। अपर्याप्त नींद भूख को नियंत्रित करने वाले हार्मोन को बाधित करके भूख को बढ़ाती है। जिससे व्यक्ति ओवरईटिंग करने लगता है और उसका वजन बढ़ जाता है। ऐसे में मोटापा कंट्रोल रखने के लिए रोजाना 7-9 घंटे की नींद जरूर लें।

वेट लॉस एक्टिविटी :- वर्कआउट के अलावा की जाने वाली एक्टिविटी असल में आपकी वेट लॉस जर्नी को आसान बनाती हैं। इसके लिए जिम के अलावा आप 10,000 कदम पैदल चलने और लिफ्ट की जगह सीढ़ियों से चढ़ने-उतरने का लक्ष्य रखें।

मेडिटेशन करें :- जल्दी हेल्दी वेट लॉस के लिए स्ट्रेस फ्री रहने की सलाह देते हैं। लंबे समय तक तनाव में रहने से पेट और उसके आसपास की जगह पर चर्बी जमा होने लगती है। ऐसे में तनाव कम करने के लिए रोजाना 10 मिनट मेडिटेशन करने की कोशिश करें। यह आपका तनाव दूर करके जादुई तरीके से वेट लॉस करने में मदद करता है।

जंक फूड से बनाएं दूरी :- भूख लगने पर अगर आप कुछ भी खा लेते हैं तो अपनी इस आदत को तुरंत बदल डालिए। अगर आप असल में अपना वजन कम करना चाहते हैं तो उसकी शुरुआत सबसे पहले किचन से रखे जंक फूड को हटाकर करें।

क्रैश डाइट से बचें :- क्रैश डाइट करने से भले ही कुछ समय के लिए वेट लॉस में मदद मिल सकती हो,लेकिन यह लंबे समय में आपके मेटाबॉलिज्म को नुकसान पहुंचा सकती है। एक हेल्दी वेट लॉस के लिए व्यक्ति को अपनी रोजमर्रा की आदतों में बदलाव लाना जरूरी है।

प्रोटीन से भरपूर हैं वेज सैंडविच

अगर आप अपने सैंडविच में कुछ खास चीजें डालती हैं, तो झटपट आप एक प्रोटीन रिच सैंडविच भी बना सकती हैं। यहां हम आपको वेज सैंडविच के ऑप्शन बता रहे हैं, जो हेल्दी होने के साथ साथ काफी टेस्टी भी हैं।

प्रोटीन से भरपूर सैंडविच

आजकल के बिजी लाइफस्टाइल में हर कोई कुछ ऐसा चाहता है, जो झटपट बन भी जाए और हेल्दी भी हो। सैंडविच इन दोनों डिमांड में फिट बैठता है। बेस्ट बात है कि घर के बच्चों से ले कर बड़े तक, मजे से सैंडविच खाते हैं। टेस्ट के अलावा अब जरा हेल्थ की बात करते हैं। तो अगर आप अपने सैंडविच में कुछ खास चीजें डालती हैं, तो झटपट आप एक प्रोटीन रिच सैंडविच भी बना सकती हैं। यहां हम आपको वेज और नॉन वेज, दोनों तरह के कुछ ऑप्शन बता रहे हैं, जो हेल्दी होने के साथ साथ खूब टेस्टी भी हैं।

पनीर भुर्जी सैंडविच

पनीर एक अच्छा वेज प्रोटीन का सोर्स है और काफी टेस्टी भी लगता है। ऐसे में आप पनीर की भुर्जी बना सकती हैं, जिसमें पनीर को क्रश कर के उसे प्याज, शिमला मिर्च, टमाटर और हल्के मसालों के साथ फ्राई किया जाता है। इस भुर्जी को ब्रेड में फिल करें और टोस्ट कर लें, तैयार है आपका वेज प्रोटीन पनीर सैंडविच।

हम्मस वेज सैंडविच

हम्मस वेज सैंडविच बनाने के लिए उबले हुए छोले लें और इनमें ऑलिव ऑयल, नींबू का रस, लहसुन, तिल और थोड़ा सा नमक डालकर मिक्सर में पीस लें। आपकी क्रीमी प्रोटीन रिच स्प्रेड तैयार है। अब इसे ब्रेड पर मक्खन की तरह लगाएं और उपर कई हुई सब्जियां डालकर फिल करें। बहुत ही टेस्टी सैंडविच बनकर तैयार होता है।

मूंग स्प्राउट सैंडविच

मूंग स्प्राउट सैंडविच बनाने के लिए स्प्राउट्स में प्याज, टमाटर, हरा धनिया और चाट मसाला मिलाकर एक फिलिंग तैयार करें। अब इसे ब्रेड में डालकर उसे ग्रिल कीजिए। झटपट बनकर तैयार है आपका प्रोटीन और फाइबर से भरपूर स्वादिष्ट सैंडविच।

सोया सैंडविच

इसे बनाने के लिए सबसे पहले सोयाबीन चंक्स को क्रश कर लें यानी उसके छोटे-छोटे टुकड़े कर लें। अब एक पैन में तेल गर्म करें, उसमें लहसुन अदरक का पेस्ट, प्याज, टमाटर, हरी मिर्च, हल्के मसाले और सोया चंक्स डालकर एक फिलिंग बना लें। इसे ब्रेड में फिल करें और ब्रेड को सेंक लें। ये प्रोटीन और स्वाद से भरपूर सैंडविच है।

पीनट बटर सैंडविच

बिल्कुल भी टाइम नहीं है और झटपट कुछ हेल्दी सा बनाना है, तो पीनट बटर सैंडविच बना लें। इसके लिए बस ब्रेड पर पीनट बटर स्प्रेड करें और ऊपर से कुछ कटी हुई बनाना की स्लाइसेज रखें। मीठे के शौकीन हैं, तो ये प्रोटीन रिच सेंडविच आपका फेवरिट बन जाएगा।

बेसन चीला सैंडविच

कुछ अलग हटकर, टेस्टी सा खाने का मन है तो बेसन चीला सैंडविच ट्राई कर सकती हैं। इसके लिए सबसे पहले एक सिंपल बेसन चीला बनाकर तैयार कर लें। अब इसे फिलिंग की तरह ब्रेड के बीच रखें, उसमें हल्का सा चाट मसाला, ढेर सारी सब्जियां रखें और ब्रेड को हल्का टोस्ट कर लें। जो बच्चे हेल्दी के नाम से दूर भागते हैं, वो भी बड़े चाव से इसे खाएंगे।

खजूर और नट्स के लड्डू

रक्षाबंधन के मौके पर घर में मिठाई न रहे ऐसा हो ही नहीं सकता है, क्योंकि ये मिठाई भाई बहन के रिश्ते में मिठास घोलने का काम करती है. लेकिन हर बार बाजार से मिठाई लाना न तो बजट फ्रेंडली होता है और न ही हेल्थ। लेकिन अगर घर में भी मिठाई बनाई जाए तो लोगों के सामने सबसे बड़ी दुविधा ये होती है कि बिना चीनी के कौन सी मिठाई बनाई जाए। क्योंकि कई लोग हेल्थ को ध्यान में रखते हुए शुगर फ्री मिठाई को ही ज्यादा प्रीफर करते हैं। अगर आप भी इस रक्षा बंधन बिना चीनी के मिठाई ऐसी बनाना चाहते हैं जो टेस्ट होने साथ साथ यूनिक भी हो तो यह खबर आपके लिए है। जी हां आज हम आपको खजूर और नट्स लड्डू बनाने की पूरी विधि बताएंगे। खास बात ये है कि इस मिठाई को बनाने के लिए चीनी की जरूरत होती ही नहीं है।

जरूरी सामग्री

1 कप खजूर (बीज निकालकर), 1/4 कप बादाम, 1/4 कप काजू, 1/4 कप अखरोट, 1/4 कप पिस्ता, 1 चम्मच घी, 1/2 चम्मच इलायची पाउडर

कैसे बनाएं खजूर और नट्स के लड्डू

सबसे पहले सभी ड्राई फ्रूट्स को बारीकी से काट लें या हल्का दरदरा पीस लें। एक पैन में 1 चम्मच घी डालकर ड्राई फ्रूट्स को हल्का सा भून लें जब तक उसमें से खुशबू आना न शुरू हो जाए। खजूर को मिक्सर में पीसकर पेस्ट बना लें। अब खजूर का पेस्ट उसी पैन में डालें और 3-4 मिनट तक ड्राई फ्रूट्स के साथ मिलाएं। जब मिश्रण गाढ़ा हो जाए और पैन छोड़ने लगे, तो गैस बंद कर दें। हल्का ठंडा होने पर हाथों में थोड़ा सा घी लगाकर छोटे-छोटे लड्डू बना लें।

खास टिप

आप चाहें तो इसमें चिया सीड्स या फ्लैक्स सीड्स भी मिलाकर इसे और ज्यादा हेल्दी बना सकते हैं। एयरटाइट डिब्बे में स्टोर करें, 7-10 दिन तक फ्रेश रहते हैं।

मैग्नस कार्लसन बने

पहले शतरंज ई-स्पोर्ट्स विश्व कप 2025 चैंपियन

रियाद। विश्व नंबर एक नॉर्वे के ग्रांडमास्टर मैग्नस कार्लसन (टीम लिक्विड) ने ईरान के ग्रांडमास्टर अलीरेज़ा फिरौज़जा (टीम फाल्कन्स) को फाइनल में लगातार दो सेटों में 3-1, 3-1 से हराकर पहले शतरंज ई-स्पोर्ट्स विश्व कप 2025 का खिताब अपने नाम कर लिया। इस जीत के साथ कार्लसन ने न केवल इतिहास रच दिया बल्कि 2,50,000 डॉलर की पुरस्कार राशि और अपनी टीम के लिए 1000 अंक भी अर्जित किए। फाइनल मुकाबला टेनिस की तरह तीन सेटों का था, जिसमें प्रत्येक सेट चार बाजियों का था। अगर ज़रूरत पड़ती तो तीसरा सेट दो बाजियों का होता। कार्लसन ने पहला सेट दो जीत और दो ड्रॉ से 3-1 से जीता। दूसरा सेट फिरौज़जा ने एक जीत से शुरू किया, पर अगले तीनों बाजियाँ हारकर मैच भी गँवा दिया। अमेरिका के ग्रांडमास्टर हिकारू नाकामुरा (टीम फाल्कन्स) ने भारत के ग्रांडमास्टर अर्जुन एरिगैसी (टीम जेन. जी) को 3.5-2.5 से हराकर तीसरा स्थान हासिल किया। अर्जुन ने पहली बाजी में जीत दर्ज की थी, इसके बाद मुकाबला बराबरी पर चलता रहा लेकिन निर्णायक बाजी नाकामुरा ने जीतकर कांस्य पदक पर कब्जा जमाया। नाकामुरा को 1,45,000 डॉलर और अर्जुन को 1,15,000 डॉलर की पुरस्कार राशि मिली। इस टूर्नामेंट में सभी बाजियाँ 10 मिनट के समय नियंत्रण पर खेली गईं। ई स्पोर्ट्स नियमों के अंतर्गत खिलाड़ियों को शोर-रहित हेडफोन पहनने और संगीत सुनने की छूट दी गई। कुल पुरस्कार राशि 15 लाख डॉलर थी और शतरंज खिलाड़ियों को 2.7 करोड़ डॉलर की ई-स्पोर्ट्स साझा इनामी राशि का हिस्सा भी मिला। इस जीत के बाद कार्लसन ने कहा,'सेमीफाइनल वास्तव में सबसे कठिन था और आर्मागेडन की कुछ चालों ने ही फर्क पैदा किया। आज के मुकाबलों में मुझे अधिक नियंत्रण महसूस हुआ, खासकर पहले खेल के बाद। मैं कभी-कभी जल्दी चलने को तरजीह देता हूँ बजाय ज्यादा सोचने के।'

ग्लेन मैक्ग्रा ने की भविष्यवाणी

एशेज 2025 में इंग्लैंड का सफाया करेगा ऑस्ट्रेलिया

नई दिल्ली। महान तेज गेंदबाज ग्लेन मैक्ग्रा ने एशेज से पहले एक बार फिर भविष्यवाणी की है। उन्होंने 2025-26 की श्रृंखला में ऑस्ट्रेलिया को इंग्लैंड का 5-0 से सफाया करने का समर्थन किया है। अपने शानदार करियर में छह एशेज जीत में अहम भूमिका निभाने वाले इस पूर्व तेज गेंदबाज का मानना है कि घरेलू परिस्थितियां और ऑस्ट्रेलिया का स्थिर कोर बेन स्टोक्स की टीम के खिलाफ बहुत मजबूत साबित होगा। मैक्ग्रा ने कहा, 'मेरे लिए भविष्यवाणी करना बहुत दुर्लभ है, है ना? और मैं कोई अलग भविष्यवाणी नहीं कर सकता - 5-0।' उन्होंने अपनी परंपरा को कायम रखा जिससे वे शायद ही कभी विचलित हुए हों। 21 नवंबर से शुरू होने वाली पांच मैचों की श्रृंखला नए विश्व टेस्ट चैंपियनशिप चक्र में ऑस्ट्रेलिया का पहला घरेलू दौरा होगा। इस बीच इंग्लैंड अपने हालिया निराशाजनक रिकॉर्ड का बोझ ढोते हुए ऑस्ट्रेलिया जा रहा है। उन्होंने 2010-11 की सीरीज के बाद से ऑस्ट्रेलिया में कोई टेस्ट नहीं जीता है, जब एंड्रयू स्ट्रॉस ने उन्हें 3-1 से यादगार जीत दिलाई थी। तब से उन्हें दो व्हाइटवॉश (2006-07, 2013-14) और 2017-18 में 4-0 से हार का सामना करना पड़ा है। मैकग्राथ ने अपने आत्मविश्वास का एक बड़ा कारण ऑस्ट्रेलिया की गेंदबाजी की गहराई को बताया और पैट कमिंस, मिशेल स्टार्क, जोश हेजलवुड तथा नाथन लियोन की दमदार चौकड़ी को एक बड़ा फायदा बताया। उन्होंने कहा, 'मुझे अपनी टीम पर पूरा भरोसा है। जब पैट कमिंस, मिशेल स्टार्क, जोश हेजलवुड और नाथन लियोन अपने घरेलू मैदान पर अच्छा प्रदर्शन कर रहे हों, तो यह काफी मुश्किल होने वाला है। इसके अलावा, इंग्लैंड का जो रिकॉर्ड रहा है, उसे देखते हुए यह देखना दिलचस्प होगा कि क्या वे कोई टेस्ट जीत पाते हैं।'

इंग्लैंड ने 2023 एशेज में घरेलू मैदान पर 2-2 से रोमांचक ड्रॉ हासिल करने के लिए वापसी की, लेकिन 2015 के बाद से वे कलश पर कब्जा नहीं कर पाए हैं। अब जबकि यह मुकाबला ऑस्ट्रेलिया की तेज और उछाल भरी पिचों पर लौट रहा है, मैकग्राथ को उम्मीद है कि मेजबान टीम अपना दबदबा फिर से कायम करेगी। ऑस्ट्रेलिया ने आखिरी बार 2013-14 में घरेलू धरती पर 5-0 से एशेज वाइटवॉश किया था, एक ऐसी सीरीज जिसे मैकग्राथ अक्सर निर्मम और अनुशासित टेस्ट क्रिकेट का स्वर्णिम मानक मानते हैं।

ऑस्ट्रेलिया की अंडर-19 टीम में

दो भारतीय को मिली जगह

भारत की अंडर-19 टीम के खिलाफ खेलेंगे

मेलबर्न। भारतीय मूल के दो क्रिकेटरों आर्यन शर्मा और यश देशमुख को अगले महीने भारत अंडर-19 टीम के खिलाफ होने वाली घरेलू श्रृंखला के लिए शुक्रवार को ऑस्ट्रेलिया की 15 सदस्यीय टीम में शामिल किया गया। शर्मा जहां विक्टोरिया के बल्लेबाज हैं, वहीं ऑलराउंडर देशमुख न्यू साउथ वेल्स के उन 5 खिलाड़ियों में शामिल हैं जिन्हें टीम में चुना गया है। इस टीम को ऑस्ट्रेलिया के पूर्व मुख्य कोच टिम नीलसन कोचिंग देंगे। इस श्रृंखला की शुरुआत 21, 24 और 26 सितंबर को ब्रिस्बेन के इयान हीली ओवल में खेले जाने वाले तीन एकदिवसीय मैचों से होगी।

इसके बाद 30 सितंबर से तीन अक्टूबर तक ब्रिस्बेन में और सात से 10 अक्टूबर तक मैकाय में दो चार दिवसीय मैच खेले जाएंगे। नीलसन की अंडर-19 टीम के कोच के रूप में यह पहली श्रृंखला होगी। वह इससे पहले 2007 से 2011 तक ऑस्ट्रेलिया की सीनियर पुरुष टीम के कोच रह चुके हैं।

ऑस्ट्रेलिया पुरुष अंडर-19 टीम

साइमन बज, एलेक्स टर्नर, स्टीव होगन, विल मालजचुक, यश देशमुख, टॉम होगन, आर्यन शर्मा, जॉन जेम्स, हेडन शिलर, चार्ल्स लैचमुंड, बेन गॉर्डन, विल बायरोम, केसी बार्टन, एलेक्स ली यंग, जेडन ड्रेपर। रिजर्व : जेड हॉलिक, टॉम पैडिंगटन, जूलियन ओसबोर्न।

एशिया कप से पहले ऑस्ट्रेलिया दौरा क्यों है महत्वपूर्ण

हॉकी टीम के कप्तान हरमनप्रीत ने बताई वजह

बेंगलुरु। भारतीय पुरुष हॉकी टीम के कप्तान हरमनप्रीत सिंह ने शुक्रवार को कहा कि मजबूत ऑस्ट्रेलियाई टीम का उसके घरेलू मैदान पर सामना करने से उनकी टीम को इस महीने के आखिर में होने वाले एशिया कप से पहले उन क्षेत्रों की पहचान करने में मदद मिलेगी जिनमें सुधार की जरूरत है। भारतीय टीम आज तड़के ऑस्ट्रेलिया के लिए रवाना हो गई, जहां वह 15 से 21 अगस्त तक पर्थ हॉकी स्टेडियम में मेजबान टीम के खिलाफ चार मैचों की महत्वपूर्ण श्रृंखला खेलेगी। हरमनप्रीत ने टीम के रवाना होने से पहले कहा, 'ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ उनके घरेलू मैदान पर खेलना हमेशा बड़ी चुनौती होती है और एशिया कप के लिए तैयारी के इस चरण में हमें इसी की जरूरत है।'

उन्होंने कहा, 'हम इस श्रृंखला को एशिया कप की तैयारी के एक महत्वपूर्ण हिस्से के रूप में देख रहे हैं। हमारा ध्यान एक इकाई के रूप में सुधार करने, मजबूत प्रतिद्वंद्वी के खिलाफ खुद को परखने और एशिया कप के लिए राजगीर जाने से पहले जरूरी लय हासिल करने पर है।' हरमनप्रीत ने कहा, 'ऑस्ट्रेलिया के इस दौरे से हमें एशिया कप से पहले उन क्षेत्रों की पहचान करने में मदद मिलेगी जिनमें सुधार करने की आवश्यकता है। हम ऑस्ट्रेलिया जैसी मजबूत टीम के खिलाफ अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने के लिए उत्साहित हैं।' ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ मैच 15, 16, 19 और 21 अगस्त को खेले जाएंगे। इस श्रृंखला से टीम प्रबंधन को एशिया कप के लिए अंतिम टीम के चयन करने में भी मदद मिलेगी। एशिया कप 29 अगस्त से राजगीर में शुरू होगा। इस टूर्नामेंट का विजेता विश्व कप के लिए सीधे क्वालीफाई करेगा।

भारत का वेलम्मल स्कूल बना फीडे विश्व स्कूल्स टीम शतरंज चैम्पियन

एलेक्जेंड्रिया। विश्व चंपोइओन डी गुकेश और प्रज्ञानन्दा के स्कूल के नाम से पहचान रखने वाले भारत की वेलम्मल एमएचएस स्कूल चेन्नई ने एक बार फिर अपने शतरंज प्रभुत्व का प्रदर्शन करते हुए 2025 फीडे विश्व स्कूल्स टीम चैंपियनशिप का खिताब अपने नाम कर लिया। अमेरिका के एपिस्कोपल हाई स्कूल के सुंदर परिसर में आयोजित इस प्रतियोगिता में विश्वभर से युवा प्रतिभाशाली खिलाड़ियों ने भाग लिया। आठ राउंड में सभी मैच जीतकर वेलम्मल एमएचएस ने स्वर्ण पदक पर कब्ज़ा जमाया। यह जीत भारत के लिए अंतरराष्ट्रीय स्तर पर एक और बड़ी सफलता है। वेलम्मल स्कूल इससे पहले भी कई प्रतिष्ठित खिताब जीत चुका है, और इस स्कूल के पूर्व छात्र ग्रैंडमास्टर डी गुकेश ,आर. प्रग्गानंधा और लियॉन मेंडोंका जैसे नाम आज विश्व शतरंज में प्रसिद्ध हैं। प्रतियोगिता के अंतिम राउंड में वेलम्मल पहले ही अपराजेय बढ़त बना चुका था। दूसरे स्थान के लिए संघर्ष बेहद रोमांचक रहा, जहां सात टीमें आखिरी राउंड तक रेस में थीं। अंततः कजाखस्तान के 'नेशनल स्कूल ऑफ फिजिक्स एंड मैथेमैटिक्स' ने रजत पदक जीता। अमेरिका की 'द हार्कर स्कूल' ने भी समान अंक अर्जित किए, पर टाईब्रेक में तीसरे स्थान पर रही। चौथे स्थान पर कजाखस्तान की ही 'अस्ताना 2 आरएसपीएम' रही। प्रतियोगिता में सर्वश्रेष्ठ व्यक्तिगत प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को बोर्ड मेडल भी प्रदान किए गए। तीन खिलाड़ियों ने 8 में से 8 जीतकर परफेक्ट स्कोर बनाया – कजाखस्तान के इमांगाली अखिलबाए (बोर्ड 2), किर्गिस्तान की एदिसा बेरदीबाएवा (बोर्ड 3), और भारत के प्रणव के. पी. (रिजर्व बोर्ड), जिन्होंने वेलम्मल एमएचएस स्कूल की ओर से खेला। जैसे ही वेलम्मल एमएचएस स्कूल के विजेता घोषित हुए, भारतीय राष्ट्रगान की धुनों के बीच मंच पर भारतीय ध्वज लहराया गया और खिलाड़ियों पर रंग-बिरंगे कंफ़ेटी की बौछार हुई। इसी के साथ इस प्रतिष्ठित अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता का समापन हुआ, जो न केवल खेल कौशल का प्रदर्शन था, बल्कि वैश्विक एकता, मित्रता और शतरंज के उज्ज्वल भविष्य का संदेश भी लेकर आया।

पूर्व क्रिकेटर सबा करीम का बड़ा दावा

ब्रिस्बेन की जीत ओवल से भी बड़ी

नई दिल्ली। टीम इंडिया ने ओवल में इंग्लैंड पर 6 रन की ऐतिहासिक जीत दर्ज की और एंडरसन-तेंदुलकर ट्रॉफी 2-2 से बराबरी पर समाप्त हुई। इंग्लैंड दौरा भारतीय टीम के लिए सफल रहा, जिसे कई क्रिकेट विशेषज्ञो ने श्रृंखला शुरू होने से पहले ही इसलिए कमतर आंक लिया था क्योंकि उन्होंने एक युवा टीम चुनी थी। हालांकि शुभमन गिल की अगुवाई वाली टीम ने एजबेस्टन और ओवल दोनो में यादगार जीत दर्ज करके अपने सभी संदेहियो को करारा जवाब दिया। ओवल में मिली जीत को भारतीय प्रशंसक आने वाले कई सालो तक याद रखेंगे, लेकिन पूर्व भारतीय क्रिकेटर सबा करीम का मानना है कि 2021 में बॉर्डर-गावस्कर सीरीज में गाबा में ऑस्ट्रेलिया पर मेन इन ब्लू की तीन विकेट से जीत ज़्यादा प्रभावशाली थी। गौरतलब है कि इस जीत के साथ ही भारत 32 सालो में ब्रिस्बेन में खेले गए टेस्ट मैच में ऑस्ट्रेलिया को हराने वाली पहली टीम बन गया। करीम ने कहा, 'ब्रिस्बेन बड़ा था। ऑस्ट्रेलिया में ऐसा पहले कभी नहीं हुआ, और वो भी एक बेहद युवा टीम के साथ, जिसके ज़्यादातर नियमित खिलाड़ी मैदान से बाहर चोटिल थे। भारत के लिए इस तरह की जीत अविश्वसनीय थी। और आम तौर पर, मुझे लगता है कि इसी तरह आप किसी टीम का विकास देखते है, जब आप अच्छा प्रदर्शन करते है और मैच जीतते है, तब भी जब आपके एक या दो नियमित खिलाड़ी उपलब्ध नहीं होते।' उन्होंने आगे कहा, 'इस टेस्ट मैच में भी, हमारे पास जसप्रीत बुमराह नहीं थे, हमारे पास ऋषभ पंत नहीं थे, फिर भी हम मैदान पर उतरे और आखिरी टेस्ट मैच जीता। अगर आप तुलना करें, तो मैं पहले ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ ड्रॉ की बात करूंगा। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ ड्रॉ ज्यादा मुश्किल था क्योंकि परिस्थितियां काफी अलग थी और फिर आप एक बेहतरीन गेंदबाजी आक्रमण के खिलाफ थे। बल्लेबाजी प्रदर्शन, उस तरह का जोश, उस तरह का रक्षात्मक खेल देखना बहुत अच्छा था। इंग्लैंड अलग था क्योंकि मुझे लगता है कि ड्रॉ कराने के लिए लंबे समय तक संघर्ष करना पड़ा।'

पार्थिव पटेल ने की भारतीय बल्लेबाज की तारीफ

उन्होंने अपनी बल्लेबाजी से आलोचकों को करारा जवाब

नई दिल्ली। पूर्व भारतीय विकेटकीपर पार्थिव पटेल ने टेस्ट कप्तान शुभमन गिल की तारीफ करते हुए कहा है कि उन्होंने अपनी बल्लेबाजी से आलोचकों को करारा जवाब दिया है। 'फॉलो द ब्लूज' पर बात करते हुए जियोहॉटस्टार विशेषज्ञ पार्थिव पटेल ने 2025 के इंग्लैंड दौरे के दौरान शुभमन गिल द्वारा आलोचकों को दिए गए जवाब पर विचार किया। उन्होंने कहा, 'चार शतक, 75.40 की औसत और 750 से ज्यादा रन-सभी अलग-अलग परिस्थितियों में बनाए गए। पहले, जब वह बल्लेबाजी करने उतरे, तो सवाल थे- क्या वह सेना देशों में अच्छा प्रदर्शन कर पाएंगे? क्या वह लगातार अच्छा प्रदर्शन कर पाएंगे? लेकिन देखिए उन्होंने क्या जवाब दिए। हेडिंग्ले में पहली पारी में 147 रन। दूसरी पारी में लोगों ने कहा कि उन्होंने उस बड़े स्कोर के बाद अपना विकेट गंवा दिया। फिर एजबेस्टन में पहली पारी में 269 रन बनाए। फिर से, चर्चा थी कि यह कम साबित हो सकता है, लेकिन उन्होंने दूसरी पारी में 161 रन बनाए। तीसरे टेस्ट में, वह दोनों पारियों में जल्दी आउट हो गए और उनके फॉर्म को लेकर फिर से सवाल उठने लगे, जबकि उन्होंने पिछले मैच में 430 रन बना लिए थे। और फिर मैनचेस्टर में वह शतक आया, एक ऐसे मैच में जिसे भारत को ड्रॉ कराना था। जब भी यह एक चुनौती रही है, जब भी सवाल पूछे गए हैं, गिल ने अपनी बल्लेबाजी से उनका बखूबी जवाब दिया है।' इंग्लैंड श्रृंखला के दौरान भारत के बल्लेबाजी प्रदर्शन में रवींद्र जडेजा की महत्वपूर्ण भूमिका पर पार्थिव ने कहा, 'जडेजा द्वारा बनाए गए 516 रनों का महत्व इसलिए भी बढ़ जाता है क्योंकि पहले टेस्ट मैच में भारत को दो बार बल्लेबाजी क्रम के पतन का सामना करना पड़ा था। ऐसे समय में छठे और सातवें नंबर पर बल्लेबाजों का योगदान महत्वपूर्ण हो जाता है-और रवींद्र जडेजा का नाम स्वाभाविक रूप से आता है, क्योंकि वह उस स्थान पर हैं। उसके बाद बाकी श्रृंखला में एक भी बल्लेबाजी क्रम का पतन नहीं हुआ। जिस तरह से उन्होंने बल्लेबाजी की और जो निरंतरता दिखाई, वह भारत के लिए बेहद महत्वपूर्ण थी। इस संबंध में जो बात केएल राहुल पर लागू होती है, वह रवींद्र जडेजा पर भी लागू होती है। एक वरिष्ठ खिलाड़ी के लिए ऐसे क्षणों में खड़े रहना महत्वपूर्ण होता है, और जडेजा ने इस श्रृंखला में ठीक यही किया है।'

संजू सैमसन ने की राजस्थान रॉयल्स से रिलीज की मांग

चाहते है चेन्नई सुपर किंग्स से खेलना

नई दिल्ली। आईपीएल के 2025 सीजन में खराब प्रदर्शन के बाद राजस्थान रॉयल्स के खेमे में तनाव की खबरे आ रही है। एक रिपोर्ट के अनुसार, आईपीएल 2026 की नीलामी इस साल के अंत में होने की उम्मीद है। कप्तान संजू सैमसन ने नीलामी से पहले फ्रैंचाइजी से अलग होने की इच्छा जताई है। सैमसन ने कथित तौर पर रॉयल्स को अपना अनुरोध भेज दिया है। या तो उन्हें ट्रेड किया जाए या रिलीज। जिससे उन्हें नीलामी में शामिल होने का मौका मिल सके। सैमसन के परिवार के सदस्यो ने खुले तौर पर कहा है कि 30 वर्षीय सैमसन अब फ्रैंचाइजी के साथ बने नहीं रहना चाहते। इस मतभेद की मुख्य वजह टीम में उनकी भूमिका से जुड़ी हुई प्रतीत होती है। सैमसन पारी की शुरुआत करना चाहते है और अपनी बल्लेबाजी क्रम खुद तय करना चाहते है, लेकिन वैभव सूर्यवंशी और यशस्वी जायसवाल जैसी युवा प्रतिभाओ के उभरने से टीम के लिए यह मुश्किल हो गया है। सैमसन और फ्रैंचाइजी के बीच असहमति के कुछ और भी कारण हो सकते है। हालांकि अंतिम निर्णय फ्रैंचाइजी को ही लेना है, क्योंकि उनका अनुबंध 2027 तक है। इससे फ्रैंचाइजी मुश्किल स्थिति में है। किसी ऐसे प्रमुख खिलाड़ी को टीम में रखना जो नाखुश है।

'हम सभी को उसका समर्थन करना चाहिए'

एशिया कप टीम में इस सीनियर बल्लेबाज को चाहते हैं अकरम

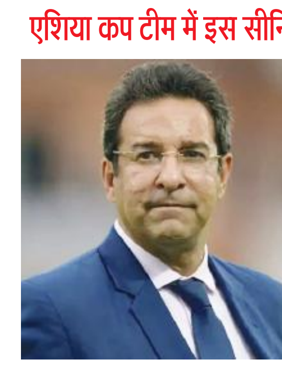

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के पूर्व तेज गेंदबाज वसीम अकरम ने अगले महीने होने वाले एशिया कप के लिए देश के शीर्ष बल्लेबाज बाबर आजम की टी-20 अंतरराष्ट्रीय टीम में वापसी की मांग की है और टीम में एक अनुभवी खिलाड़ी की आवश्यकता पर जोर दिया है। दिसंबर 2024 में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ आखिरी मैच के बाद से पाकिस्तान ने बाबर को टी20 अंतरराष्ट्रीय प्रारूप से बाहर कर दिया है। उनके औसत दर्जे के स्कोर और निराशाजनक स्ट्राइक रेट के बाद यह स्पष्ट हो गया कि बाबर अब प्रबंधन की योजनाओं में नहीं हैं। एशिया कप के करीब आने और पाकिस्तान अभी भी इस रोमांचक टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट के लिए अपने सर्वश्रेष्ठ संयोजन की तलाश में है, ऐसे में अकरम ने पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (PCB) से बाबर को टीम में फिर से शामिल करने का आग्रह किया है। उन्होंने यह भी कहा कि अगर उनके पास अधिकार होता, तो वह यह फैसला लेते। अकरम ने एक इंटरव्यू में कहा, 'अगर मेरे पास अधिकार होता, तो मैं बाबर आजम को राष्ट्रीय टी20 टीम में जरूर शामिल करता। एशिया कप और फिर विश्व कप नजदीक आ रहे हैं, और हमें एक सीनियर बल्लेबाज की जरूरत है। प्रशंसकों को याद होगा कि जब उन्होंने 2019 में समरसेट के लिए खेला था, तब उन्होंने लगभग 150 के स्ट्राइक रेट से रन बनाए थे। उनमें परिस्थिति के अनुसार अपनी बल्लेबाजी को ढालने की क्षमता है।' पाकिस्तान के पूर्व तेज गेंदबाज ने कहा कि 'स्विंग के सुल्तान' ने परिस्थिति के अनुसार अपनी बल्लेबाजी शैली को ढालने की बाबर की क्षमता पर जोर देकर अपनी बात रखी। अकरम का मानना है कि 'दुनिया के सर्वश्रेष्ठ' खिलाड़ियों में से एक होने के नाते बाबर जिम्मेदारी उठा सकते हैं और बाकी टीम को अपने साथ ले जा सकते हैं। अकरम ने बाबर की वापसी की उम्मीद जताई, क्योंकि उनमें अभी भी बहुत कुछ बाकी है और विभिन्न पदों पर खेलने की उनकी बहुमुखी प्रतिभा उन्हें मुख्य कोच माइक हेसन के लिए एक अहम खिलाड़ी बनाती है। उन्होंने कहा, 'जब हम 140 या 160 रनों के लक्ष्य का पीछा कर रहे होते हैं, खासकर बड़ी टीमों के खिलाफ तो हमें किसी ऐसे खिलाड़ी की जरूरत होती है जो जिम्मेदारी ले सके और बाकी 10 खिलाड़ियों को अपने साथ लेकर चल सके। बाबर दुनिया के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों में से एक है। वह अपने खेल को प्रारूप और मैच की स्थिति के अनुसार ढाल लेता है - उसने पहले भी ऐसा किया है और भविष्य में भी कर सकता है।' अकरम ने कहा, 'बाबर में अभी भी बहुत क्रिकेट बाकी है और वह पाकिस्तान के लिए बहुत कुछ हासिल कर सकता है।

चेन्नई ग्रांड मास्टर्स शतरंज

अर्जुन एरीगैसी की जीत से शुरुआत निहाल जर्मनी के विन्सेंट से हारे

चेन्नई। भारत के अब तक के सबसे मजबूत ग्रांड मास्टर्स क्लासिकल शतरंज टूर्नामेंट क्वांटबॉक्स चेन्नई ग्रांड मास्टर्स शतरंज के पहले दिन पहले राउंड के पांच मुकाबलों मे दो परिणाम जीत और हार के तौर पर सामने आए जबकि तीन बाजियां बेनतीजा रही। प्रतियोगिता के टॉप सीड ग्रांड मास्टर भारत के अर्जुन एरीगैसी नें एक बार फिर अपने अभियान आरंभ जीत के साथ किया है, अर्जुन नें यूएसए के आवोण्डर लियांग के खिलाफ सफ़ेद मोहरो से राय लोपेज ओपनिंग मे एक प्यादा कुर्बान करते हुए रोचक बाजी खेली और 49 चालों मे जीत दर्ज की । वहीं भारत के निहाल सरीन को जर्मनी के विन्सेंट केमर के खिलाफ एक करेबी हार का सामना करना पड़ा, काले मोहरो से गुन्फ़ील्ड ओपनिंग मे अंत तक चले मुकाबले मे लगभग ड्रॉ होती बाजी मे पराजय का सामना करना पड़ा।

DPL में प्रियांश का आया तूफान, 52 गेंदों में ठोका शतक

प्रियांश आर्या ने ठोका तूफानी शतक, 9 छक्के मारे, सिर्फ इतनी गेंदों में जड़ी सेंचुरी

नई दिल्ली। दिल्ली प्रीमियर लीग 2025 के लीग मैच में आउटर दिल्ली वॉरियर्स की ओर से खेलते हुए युवा खिलाड़ी प्रियांश आर्या ने शतक लगाया। उन्होंने ये शतकीय पारी ईस्ट दिल्ली राइडर्स के खिलाफ खेली। अपनी इस पारी के दौरान प्रियांश आर्या ने ईस्ट दिल्ली राइडर्स के किसी भी गेंदबाज को नहीं छोड़ा और सभी के खिलाफ आक्रामक क्रिकेट खेला। इंडियन प्रीमियर लीग 2025 में पंजाब किंग्स की ओर से खेलते हुए उन्होंने धमाकेदार बल्लेबाजी की थी और अब दिल्ली प्रीमियर लीग में भी उन्होंने अपनी टीम के लिए दमदार पारी खेली। प्रियांश ने ईस्ट दिल्ली राइडर्स के खिलाफ 56 गेंद पर 111 रन बनाए। उन्होंने अपनी इस पारी के दौरान सात चौके और 9 छक्के लगाए। युवा खिलाड़ी ने अपना शतक सिर्फ 52 गेंद पर पूरा किया। इस टूर्नामेंट के अपने पहले तीन मैच में प्रियांश आर्या बड़ा स्कोर बनाने में नाकाम रहे थे लेकिन अहम समय पर वो फॉर्म में वापस लौटे और शतकीय पारी खेली। उनकी इस पारी की वजह से आउटर दिल्ली वॉरियर्स ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 7 विकेट खोकर 231 रन बनाए। प्रियांश आर्या के अलावा करन गर्ग ने 43 रन का योगदान दिया. इससे पहले युवा खिलाड़ी ने DPL 2025 के अपने पहले तीन मैच में कुल 50 रन बनाए थे। आउटर दिल्ली वॉरियर्स भी इस बात से काफी खुश होगी कि तूफानी बल्लेबाज सही समय पर अपनी फॉर्म में वापस आ चुका है। आर्या भी अपने इसी फॉर्म को दिल्ली प्रीमियर लीग 2025 के बचे हुए मुकाबलों में जारी रखना चाहेंगे। इससे पहले प्रियांश ने IPL 2025 में पंजाब किंग्स की ओर से खेलते हुए 17 मैच में 27.95 के औसत से 475 रन बनाए थे। उन्होंने एक शतक और दो अर्धशतक जड़े थे। बाएं हाथ के इस ओपनर का बेस्ट स्कोर 103 रन था। उन्होंने चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ अपने घर में ये शतक बनाया था। 23 साल के इस बल्लेबाज ने 39 गेंद पर शतक पूरा किया था और वो IPL में चौथे सबसे तेज शतक लगाने वाले खिलाड़ी बन गए थे। उनकी इसी बल्लेबाजी की वजह से पंजाब किंग्स ने इंडियन प्रीमियर लीग 2025 के फाइनल में अपनी जगह पक्की की थी।

महाराष्ट्र में भाषा विवाद अभी पूरी तरह थमा नहीं है। इस बीच अभिनेत्री काजोल का एक वीडियो सामने आया है। इस वायरल वीडियो को देखने के बाद हिंदी भाषी नेटिजन्स का गुस्सा भड़क गया है और वे अभिनेत्री को ट्रोल कर रहे हैं।

भाषा विवाद के बीच अचानक क्यों ट्रोल हुईं काजोल?

हिंदी बोलने से जुड़ा है मामला...

दरअसल, हुआ यह कि काजोल हाल ही में मुंबई में आयोजित महाराष्ट्र राज्य फिल्म पुरस्कार में शामिल हुईं। इस दौरान इस कार्यक्रम में काजोल एक रिपोर्टर पर नाराजगी जताती दिखीं और वह भी इस बात पर क्योंकि उसने अभिनेत्री से हिंदी बोलने को कहा।

हिंदी में बोलने पर कहने को रिपोर्टर पर भड़कीं काजोल

पुरस्कार समारोह में काजोल को भारतीय सिनेमा में उनके योगदान के लिए प्रतिष्ठित राज कपूर पुरस्कार से सम्मानित किया गया। काजोल ने पुरस्कार ग्रहण करने के बाद वहां लोगों को संबोधित किया और आभार जताया।
इस दौरान उन्होंने अधिकांश समय मराठी और अंग्रेजी बोली। मीडिया से बातचीत में उन्होंने अधिकांश जवाब मराठी भाषा में दिए। इसी दौरान एक रिपोर्टर ने उन्हें हिंदी में अपनी बात दोहराने को कहा। इस पर काजोल भड़क गईं।

मनसे ने शेयर किया वीडियो

हिंदी में बोलने पर टोके जाने पर काजोल ने रिपोर्टर से कहा, 'अभी मैं हिंदी में बोलूं'? इतना ही नहीं, अभिनेत्री ने आगे कहा, 'जिसे समझना है वो समझ लेंगे'। काजोल का यह वीडियो इंटरनेट पर वायरल हो रहा है। नेटिजन्स उन्हें बुरी तरह ट्रोल कर रहे हैं। कुछ नेटिजन्स सवाल कर रहे हैं, 'हिंदी भाषा बोलने से दिक्कत है तो हिंदी फिल्में क्यों करती हो?' कुछ नेटिजन्स ने लिखा, 'इन्हें मराठी के साथ इंग्लिश बोलने में दिक्कत नहीं है, लेकिन हिंदी बोलने से दिक्कत है'। इस बीच राज ठाकरे की अगुवाई वाली मनसे ने अपने एक्स अकाउंट से काजोल का यह वीडियो शेयर किया है।

टीवी की सबसे ज्यादा फीस लेने वाली एक्ट्रेस बनने पर

स्मृति ईरानी बोलीं

मेरे पास दूसरों को स्टार बनाने...

स्मृति ईरानी ने लंबे समय के बाद टीवी पर कमबैक किया है। वह सालों बाद क्योंकि सास भी कभी बहू थी 2 में तुलसी बनकर वापस आई हैं और फैंस उन्हें काफी पसंद कर रहे हैं। शो की टीआरपी भी काफी अच्छी आई है। वहीं ऐसी रिपोर्ट्स थीं कि स्मृति अब सबसे ज्यादा फीस लेने वाली एक्ट्रेस बन गई हैं। उन्होंने अनुपमा की रुपाली गांगुली को पछाड़ दिया है। अब इस पर स्मृति ने अपनी बात रखी है। स्मृति ने अपने स्ट्रगलिंग एक्ट्रेस से तुलसी बनने तक के बारे में बात की। उन्होंने कहा, 'हां, मैं तुम्हारे चेहरे पर खुशी देख रही हूं। हमें देखने वाले सभी लोग यह नहीं जानते कि हमें बतौर कर्मचारी अपने कॉन्ट्रैक्ट्स को लेकर मोल-भाव करना पड़ता है।

मैं यूनियन का पार्ट हूं तो पहली चीज जो मैं करती हूं कि अपना यूनियन नंबर रजिस्टर करती हूं। हम एक लंबे ऑर्गेनाइजेशन का पार्ट हैं। मैंने लड़कों और लड़कियों को पछाड़ दिया है और जो भी मैं कमा रही हूं वो काफी हार्ड वर्क से हो रहा है।' स्मृति ने यह भी कहा कि लीड एक्टर का रोल इंडिजुअल सक्सेस से अलग है। वह बोलीं, 'आइडिया यह है, क्या आप सच में स्टार हैं या आपकी प्रोफेशनल कैपेसिटी है आपके आस-पास के लोगों को स्टार बनाने की? मुझे लगता है कि वास्तव में मेरे पास उन लोगों को स्टार बनाने की क्षमता है जो मेरे साथ हैं। अगर तुलसी है तो अमर उपाध्याय ने अपना खुद का मार्केट बना लिया है।'जब उनसे पूछा गया कि क्या यंग एर्टर्स उन्हें एक अनुभवी कलाकार के रूप में देखते हैं या एक पॉलिटिशियन के रूप में तो उन्होंने कहा, 'मुझे जो चीज अच्छी लगती है वो ये कि कई पॉलिटिक्स को डिस्कस करते हैं। वे जानना चाहते हैं कि संसद कैसे काम करता है। अमर उनमें से हैं जो सबसे ज्यादा बात करते हैं।'

सैयारा की रिलीज के बाद अनीत पड्डा का जागा प्यार

सोशल मीडिया पर लिखा लव लेटर

फिल्म 'सैयारा' से रातोंरात प्रसिद्ध हुईं एक्ट्रेस अनीत पड्डा ने आज सोशल मीडिया हैंडल पर एक लव पोस्ट शेयर किया है। इस पोस्ट में अनीत का प्यार साफ झलक रहा है। अनीत की इस पोस्ट पर कई सेलेब्स और फैंस ने अपनी प्रतिक्रिया दी है।

अनीत का पोस्ट

अनीत ने आज इंस्टाग्राम हैंडल पर अपनी कई शानदार तस्वीरें शेयर की हैं। इन तस्वीरों के साथ अनीत ने एक लव पोस्ट शेयर किया है। इस पोस्ट के साथ अनीत ने कैप्शन में लिखा, 'मैं अब बेहतर महसूस कर रही हूं और बस यही कहना चाहती हूं कि मैं तुमसे प्यार करती हूं। मैं तुम्हें नहीं जानती, लेकिन मेरा दिल कहता है कि मैं तुमसे प्यार करती हूं।

अनीत ने किया प्यार का इजहार

आगे अनीत ने इस पोस्ट में लिखा, 'तुमने मुझे इतना प्यार दिया है कि वह मेरे दिल में भारी-सा लगता है। मैं समझ नहीं पा रही कि इसे कैसे लौटाऊं। मुझे डर है कि आगे क्या होगा, डर है कि मैं काफी नहीं रहूंगी। लेकिन मेरे पास जो कुछ भी है, चाहे वह छोटा-सा हिस्सा ही क्यों न हो, मैं उसे तुम्हारे सामने रख दूंगी। अगर यह तुम्हें हंसाए, रुलाए, या कुछ भूला हुआ याद दिलाए, अगर यह तुम्हें थोड़ा कम अकेला महसूस कराए, तो शायद मेरा होना सार्थक है। मैं कोशिश करती रहूंगी, भले ही अधूरी हूं, पर अपने पूरे दिल से।

सेलेब्स और फैंस के कमेंट्स

अनीत के इस प्यारे पोस्ट पर बॉलीवुड एक्ट्रेस अदिति राव हैदरी ने लाल दिल वाले इमोजी बनाए हैं। वहीं टीवी एक्ट्रेस कनीका मान ने लिखा, 'मैं एक प्रशंसक हूं', अहान पांडे की मां डीन पांडे ने लिखा, 'यह मेरे लिए खत्म नहीं हो रहा है.. हमेशा मेरे दिल में रहेगा अनीत.. लव यू', एक फैन ने लिखा, 'कितना प्यारा', एक और फैन ने लिखा, 'आप तो बस परफेक्ट से भी कहीं बढ़कर हैं', वहीं अनीत के कई फैंस ने लाल दिल वाले और फायर इमोजी बरसाए हैं।

बॉर्डर 2 को लेकर मेकर्स का प्लान

सनी देओल के साथ इस दिन रिलीज करेंगे अनाउंसमेंट टीजर

बॉर्डर 2 की जबसे अनाउंसमेंट हुई है तबसे फिल्म को देखने के लिए फैंस काफी एक्साइटेड हैं। फिल्म में सनी देओल, वरुण धवन, दिलजीत दोसांझ और अहान शेट्टी लीड रोल में हैं। फिल्म की रिलीज को तो अभी काफी समय है, लेकिन इस बीच फैंस के लिए एक गुड न्यूज आई है। मेकर्स बॉर्डर 2 के अनाउंसमेंट वीडियो को रिलीज करने का प्लान कर रहे हैं। फिल्म के डायरेक्टर अनुराग सिंह ने 1 मिनट का अनाउंसमेंट वीडियो बनाया है सनी देओल के साथ जिसमें भारत-पाकिस्तान की लड़ाई और बॉर्डर 2 की स्पिरिट को दिखाया जाएगा।

टीजर के साथ मेकर्स यह भी प्लान कर रहे हैं कि फिल्म की रिलीज डेट को दोबारा अनाउंस करें जो है 26 जनवरी 2026 को। अनाउंसमेंट टीजर 15 अगस्त 2025 को रिलीज होगा। रिपोर्ट्स के मुताबिक टीजर सभी मल्टीप्लेक्स में दिखाया जाएगा इंडीपेंडेस डे के वीकेंड पर वो भी वॉर 2 के साथ। यह फिल्म 1972 के भारत-पाकिस्तान की लड़ाई पर आधारित है, और वहीं से शुरू होती है जहां बॉर्डर (1997) खत्म हुई थी। बॉर्डर 2 की बात करें तो फिल्म को जे पी दत्ता, भूषण कुमार, निधि दत्ता प्रोड्यूस कर रहे हैं। बॉर्डर 2 के लिए मेकर्स आइकॉनिक गाने संदेशे आते हैं को भी रीक्रिएट करेंगे जिसके सिंगर हैं सोनू निगम और अरिजीत सिंह। बता दें कि कुछ समय पहले खबर आई थी कि दिलजीत को बॉर्डर 2 में रिप्लेस किया जाएगा, लेकिन ये खबरें गलत साबित हुई। दरअसल, जब दिलजीत की फिल्म सरदार जी 3 आई तो इसे भारत में बैन कर दिया गया था क्योंकि इसमें पाकिस्तानी एक्ट्रेस हानिया आमिर थीं। फिल्म भारत छोड़कर दूसरे देशों में रिलीज हुई थी। इसी वजह से लोगों ने डिमांड की थी कि दिलजीत को बॉर्डर 2 से हटाया जाए, लेकिन दिलजीत फिल्म में हैं और शूटिंग भी उन्होंने कर ली है।

उदयपुर फाइल्स सिनेमाघरों में रिलीज

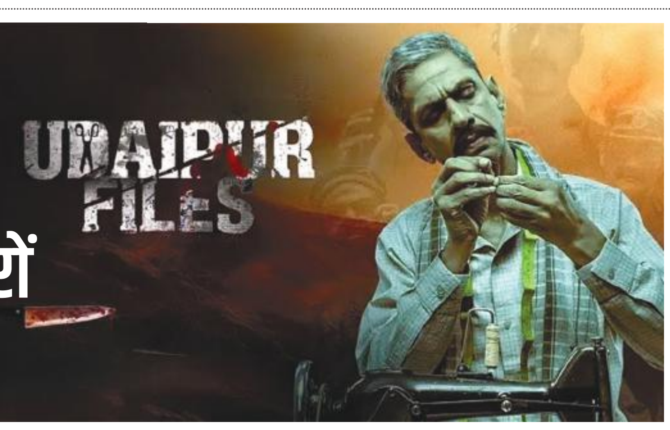

उदयपुर के बहुचर्चित कन्हैयालाल हत्याकांड पर आधारित फिल्म उदयपुर फाइल्स आज देशभर के सिनेमाघरों में रिलीज हो रही है। संवेदनशील विषय को देखते हुए उदयपुर में सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए हैं। पुलिस और प्रशासन ने शहरभर में अतिरिक्त फोर्स तैनात कर रखी है, ताकि फिल्म के प्रदर्शन के दौरान किसी तरह की अप्रिय स्थिति न हो। कन्हैयालाल के बेटे यश तेली ने बताया कि वे परिवार सहित फिल्म देखने जाएंगे। उनका कहना है कि फिल्म में उनके पिता की तालिबानी तरीके से की गई हत्या और उससे जुड़े पूरे घटनाक्रम को दिखाया गया है। उन्होंने आम जनता से भी फिल्म देखने की अपील करते हुए कहा कि यह फिल्म सच को सामने लाने का एक माध्यम है और हर किसी को इस घटना की सच्चाई जाननी चाहिए। इस फिल्म की रिलीज पर पहले अंतरिम रोक लगी थी। 10 जुलाई को दिल्ली हाईकोर्ट ने कुछ संगठनों और एक आरोपी मोहम्मद जावेद की याचिका पर सुनवाई करते हुए प्रदर्शन पर रोक लगा दी थी। इसके बाद मामला सुप्रीम कोर्ट पहुंचा, जहां 25 जुलाई 2025 को फिल्म रिलीज की अनुमति मिल गई। हालांकि इसके बाद भी विवाद खत्म नहीं हुआ और मामला दोबारा दिल्ली हाईकोर्ट में पहुंचा। 1 अगस्त को दिल्ली हाईकोर्ट ने केंद्र सरकार को फिल्म की समीक्षा कर निर्णय लेने के निर्देश दिए। इसके बाद सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय ने एक समिति गठित की, जिसने फिल्म को देखकर रिपोर्ट सौंपी। रिपोर्ट के आधार पर 6 अगस्त को फिल्म को रिलीज की मंजूरी दे दी गई। मंत्रालय ने स्पष्ट किया कि सेंसर बोर्ड और फिल्म निर्माता ने समिति की सिफारिशों के आधार पर अतिरिक्त कट लगाए हैं, ताकि संवेदनशील पहलुओं का ध्यान रखा जा सके। फिल्म के निर्माता अमित जानी ने सोशल मीडिया पर जारी वीडियो संदेश में कहा कि इस फिल्म का मकसद किसी भी समुदाय को निशाना बनाना नहीं है, बल्कि एक सच्ची घटना को जनता तक पहुंचाना है। उन्होंने कहा कि इस घटना ने पूरे देश को हिला दिया था और फिल्म के जरिए उस समय की वास्तविकता को लोगों के सामने रखा गया है।

कैटरीना ने विकी कौशल संग की प्रेग्नेंसी अनाउंसमेंट?

कैटरीना कैफ और विकी कौशल का कुछ दिनों पहले वीडियो वायरल हुआ था जिसमें कटरीना कुछ सूज कपड़े पहने नजर आ रही थीं। हर बार की तरह फिर इस बार भी एक्ट्रेस के प्रेग्नेंसी की खबरों को और हवा मिल गई। वहीं इस बीच कुछ पोस्ट वायरल हो रहे हैं जिसमें बताया जा रहा है कि कटरीना और विकी ने प्रेग्नेंसी की अनाउंसमेंट की है। इतना ही नहीं उसमें यह भी दावा किया गया कि बेबी अक्टूबर या नवंबर में हो सकता है। पोस्ट में लिखा था कि 2025 में हम 3 मेंबर का परिवार बन जाएंगे। यह पोस्ट कई इंस्टाग्राम अकाउंट पर शेयर हुआ है। हालांकि आपको बता दें कि यह पोस्ट फेक है। दोनों ने कोई अनाउंसमेंट नहीं की है। बता दें कि 30 जुलाई को विकी और कटरीना मुंबई से अलीबाग गए थे और इसी दौरान का दोनों का एक वीडियो वायरल हुआ था। इस दौरान कटरीना ने व्हाइट शर्ट पहनी थी जो काफी लूज थी। दोनों की प्रोफेशनल लाइफ की बात करें तो विकी अब संजय लीला भंसाली की फिल्म लव एंड वॉर में नजर आएंगे जिसमें उनके साथ आलिया भट्ट और रणबीर कपूर नजर आएंगे। फिल्म 2026 में रिलीज होगी। वहीं कटरीना की बात करें तो वह लास्ट टाइगर 3 में नजर आई थीं। इसके बाद से उन्होंने किसी नई फिल्म की अनाउंसमेंट नहीं की है। कटरीना के काफी समय से शूटिंग ना करने की वजह से ही उनके प्रेग्नेंसी की खबरें और वायरल हो रही हैं।

बॉलीवुड एक्ट्रेस स्वरा भास्कर दिनों अपने पति और राजनेता फहाद अहमद संग रियलिटी शो 'पति पत्नी और पंगा' में नजर आ रही हैं। शो के दौरान फैंस को स्वरा और फहाद के बीच की केमिस्ट्री को करीब से जानने का मौका मिल रहा है। दोनों एक-दूसरे को लेकर कई सारी बातें भी शेयर कर रहे हैं। शो के दौरान कभी वो एक-दूसरे की कमियां बताते हैं तो कभी खूबियां, जिसे न सिर्फ जजेस बल्कि फैंस भी काफी एंजाय कर रहे हैं। एक तरफ जहां स्वरा और फहाद की जोड़ी को पसंद किया जा रहा है, वहीं, दूसरी तरफ उन्हें सोशल मीडिया पर ट्रोलिंग का भी सामना करना पड़ रहा है।

स्वरा भास्कर ने पति फहाद को 'छपरी' कहने वाले ट्रोल को दिया मुंहतोड़ जवाब

कई यूजर्स ने तो स्वरा के पति फहाद को 'छपरी' और 'डोंगरी का रेहड़ी-पटरी वाला' कहा था। ऐसे में अब एक्ट्रेस ने ट्रोलर्स को करारा जवाब दिया है। दरअसल, हाल ही में 'पति पत्नी और पंगा' के प्रीमियर हुए। शो से स्वरा और फहाद के कई वीडियो सोशल मीडिया पर सामने आए हैं। ऐसे में इन वीडियो क्लिप पर लोगों के जमकर रिएक्शन भी आए। एक ट्रोल ने एक्स (ट्विटर) पर लिखा, 'परिणीति चोपड़ा को अपने पति को रियलिटी टॉक शो में ले जाते हुए देखने के बाद, स्वरा भास्कर ने भी ऐसा ही करने का सोचा।' इसी यूजर ने आगे लिखा, 'वह अपने डोंगरी के छपरी पति को एक रियलिटी शो में ले गई। पीआर को भूल जाइए, उसका पति डोंगरी के एक स्ट्रीट वेंडर की तरह लग रहा था।' ऐसे में भला स्वरा चुप बैठने वालों में से कहां थीं। उन्होंने उस यूजर के कमेंट को नजरअंदाज नहीं किया और उसे मुंह तोड़ जवाब दिया। स्वरा ने उस पर बरसते हुए लिखा, 'यह मूर्ख जो खुद को एक गौरवशाली हिंदू और अंबेडकरवादी दोनों बताता है, उसे शायद यह नहीं पता कि छपरी एक जातिवादी गाली है... एक अपमानजनक शब्द, जिसका इस्तेमाल उस समुदाय के लिए किया जाता है जो 'छप्पर' या फूस की झोपड़ियां बनाते हैं।'

विज्ञापन फिल्म में शाहरुख खान

हमारा रोज़ाना का लंच कुछ मीठे के साथ खत्म होता है और इस आदत को समझते हुए सनफीस्ट डार्क फैंटेसी ने अपने चल रहे 'हर दिल की स्वीट एंडिंग' अभियान के तहत शाहरुख खान की अदाकारी वाली एक दिल को छू लेने वाली नई विज्ञापन फिल्म लॉन्च की है। फिल्म उस आदत को ध्यान में रखती है कि घर हो या रेस्टोरेंट अक्सर हम खाना खाने के बाद मिठाई के रूप मे कुछ जरूर खाते हैं, लेकिन टिफिन खत्म करने के बाद ऐसा कम ही हो पाता है, बस यही इस विज्ञापन का मर्म है—ब्रांड 'हर टिफिन की स्वीट एंडिंग' पेश करता है। एफसीबी उल्का द्वारा परिकल्पित, यह नई फिल्म टिफिन पैक करते समय मां द्वारा उसमें मिलाए जाने वाले प्यार और वात्सल्य को उस स्वादिष्ट भोग के साथ कुशलता से जोड़ती है जो डार्क फैंटेसी को परिभाषित करता है। जीवन के एक अंश के रूप में, हम शाहरुख खान को एक पिता की भूमिका में देखते हैं, जो अपने बेटे के साथ मिलकर टिफिन में चुपके से एक डार्क फैंटेसी कुकी रख देते हैं—और फिर उन्हें एहसास होता है कि माँ तो पहले ही एक कदम आगे थी। यह फिल्म जुड़ाव और खुशी के इन छोटे-छोटे पलों का जश्न मनाती है, और इस बात पर ज़ोर देती है कि डार्क फैंटेसी के साथ, एक मधुर अंत हमेशा सुनिश्चित होता है। नए विज्ञापन को लेकर उत्साहित, आईटीसी लिमिटेड के बिस्कुट और केक क्लस्टर, फ़ूड्स डिवीज़न के मुख्य परिचालन अधिकारी अली हैरिस शेरे ने कहा, सनफ़ीस्ट डार्क फैंटेसी में, हम रोज़ाना के पलों में लाड-प्यार लाने के सार्थक तरीके खोजते रहते हैं। इस अभियान के ज़रिए, हम एक ऐसी सच्चाई दिखाना चाहते हैं जो सभी को पता है, टिफिन अक्सर एक मीठे अंत से वंचित रह जाता है।

क्या इस बार 'बिग बॉस' का हिस्सा बनेंगी दिव्यांका?

रियलिटी शो बिग बॉस के 19वें सीजन को लेकर तैयारियां चल रही हैं। शो के नियम और कायदों पर चर्चाओं के साथ प्रतिभागियों के नामों को लेकर भी तरह-तरह के कयास लगाए जा रहे हैं। इंटरनेट पर ऐसी चर्चाएं तेज हैं कि इस बार शो में दिव्यांका त्रिपाठी भी हिस्सा लेने वाली हैं। इसके अलावा दिव्यांका के एक्स और को-एक्टर रहे शरद मल्होत्रा के नाम की भी चर्चा है। ऐसी खबरों पर दिव्यांका ने प्रतिक्रिया दी है।

बिग बॉस में हिस्सा लेने से किया इंकार

सोशल मीडिया पर वायरल कुछ पोस्ट में ऐसा दावा किया जा रहा है कि बिग बॉस सीजन 19 के लिए दिव्यांका त्रिपाठी और शरद मल्होत्रा को अप्रोच किया गया है। संभव है कि दोनों की तरफ से कंफर्म किया जाए। हालांकि, इस तरह की खबरों का दिव्यांका त्रिपाठी ने खंडन किया है। उन्होंने प्रतिक्रिया देते हुए इन्हें सिर्फ अफवाह बताया है और बिग बॉस 19 में हिस्सा लेने की बात से साफतौर पर इंकार किया है।

बोलीं- 'ऐसी खबरें वे हर साल फैलाते हैं'

दिव्यांका त्रिपाठी ने टेली टॉक से बातचीत में बिग बॉस 19 में हिस्सा लेने की खबरों पर इनकार करते हुए इन्हें सिर्फ अफवाह बताया है। एक्ट्रेस ने कहा, ''यह फेक है। इस तरह की खबरें वे हर साल फैलाते हैं'। बता दें कि दिव्यांका इंडियाज बेस्ट सिनेस्टार्स की खोज, नच बलिए 8, खतरों के खिलाड़ी 11 और खतरों के खिलाड़ी 13 जैसे कई रियलिटी शो में हिस्सा ले चुके हैं। हालांकि, 'बिग बॉस' से उन्होंने अब तक दूरी बना रखी है।